मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.3	27.0
जमशेदपुर	34.7	26.2
डालटनगंज	31.8	24.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

टीम ओलंपिक को पीएम... 10

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 06 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 88 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,700
चांदी (किलो)	97,000

ब्रीफ खबरें

सुनक की हार, स्टार्मर ब्रिटेन के नए पीएम

लंदन। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर शुक्रवार को बकिंघम पैलेस में महाराजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं. ब्रिटेन के आम चुनाव में उनकी पार्टी ने जीत हासिल की है. स्टार्मर की लेबर पार्टी ने ब्रिटेन की 650 में से 400 से अधिक सीटें जीत ली हैं. निवर्तमान पीएम ऋषि सुनक ने चुनाव में अपनी कंजरवेटिव पार्टी की हार स्वीकार कर ली है. इस चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी को इतिहास की सबसे बुरी चुनावी हार का सामना करना पड़ा है. -पेज 12 भी देखें

संघ के प्रांत प्रचारकों की बैठक 12 से रांची में

नयी दिल्ली। आरएसएस के सभी प्रांत प्रचारकों की वार्षिक बैठक अगले सप्ताह रांची में होगी, जिसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत भी भाग लेंगे. आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 12 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक में प्रांत प्रचारक मई-जून में हुए संघ के प्रशिक्षण शिविरों की समीक्षा करेंगे. आरएसएस की संरचना के अनुसार उसके देशभर में 46 प्रांत हैं. आंबेकर ने कहा कि प्रांत प्रचारक आने वाले साल के लिए योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी बातचीत करेंगे.

लक्ष्मीकांत वाजपेयी फिर भाजपा के झारखंड प्रभारी

नयी दिल्ली। भाजपा ने झारखंड, बिहार, हरियाणा, उत्तराखंड, एमपी और ओडिशा जैसे राज्यों समेत देश भर के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपने प्रभारी और सह-प्रभारी घोषित कर दिए हैं. बिहार में विनोद तावड़े प्रभारी होंगे, उनके साथ सह-प्रभारी के तौर पर दीपक प्रकाश रहेंगे. यूपी में भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे लक्ष्मीकांत वाजपेयी को फिर झारखंड का प्रभारी बनाया गया है. -पेज 11भी देखें

चंद्रबाबू ने वित्त मंत्री से मांगी वित्तीय मदद

नयी दिल्ली। केंद्रीय बजट पेश होने से पहले आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और कर्ज में डूबे राज्य की वित्तीय मदद करने का आह्वान किया.

रक्षा उत्पादन में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज हुई

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि देश ने 2023-24 में रक्षा उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 16.8 प्रतिशत बढ़कर 1,26,887 करोड़ रुपए रहा है.

जिस केस में गिरफ्तार किया गया उसमें...

शायद हेमंत मुजरिम नहीं

हेमंत सोरेन जमानत पर जेल से बाहर आ चुके हैं. तीसरी बार मुख्यमंत्री पद का शपथ ले चुके हैं. तीन-चार माह बाद झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं. बहुत कम लोग जानते हैं कि हाईकोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय के 55 पनें के जजमेंट हेमंत सोरेन के लिए एक तरह से सर्टिफिकेट है, जिसके मुताबिक जिस केस में उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, उस केस में शायद वह मुजरिम नहीं हैं. जजमेंट में क्या लिखा है, फैजान मुस्तफा ने डिटेल में वीडियो तैयार किया है. पढ़ें, उनका यह विश्लेषण...

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय ने आदेश में लिखा-हम जानते हैं कि जमानत के बारे में डिटेल की जरूरत नहीं है...

जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय ने 55 पन्नों का जो जजमेंट दिया है, उस केस में एक सिटिंग चीफ मिनिस्टर हेमंत सोरेन की जांच की गई. उन्हें गिरफ्तार किया गया. हेमंत सोरेन एक युवा ट्राइबल लीडर हैं. अपने बूते चुनाव लड़ा. सरकार बनाई. उन पर आरोप है 8.86 एकड़ जमीन के मामले की कांस्पिरेसी में वह शामिल थे. 26 जून 2023 को इस मामले में सीआर दर्ज किया गया था. ईडी ने हेमंत सोरेन के आवास को जनवरी 2024 में दो बार सर्च किया था. हम जानते हैं जमानत के बारे में डिटेल की जरूरत नहीं है. लेकिन जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय ने बहुत ही रिसर्च कर फैसला सुनाया है. इस जजमेंट में कई जगह ऐसी चीजें आ गई हैं, जो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी मदद कर सकती है.

एक मैच्योर लीगल सिस्टम वही होता है, जहां किसी को कस्टडी में उतनी ही देर रखा जाए, जितनी की जरूरत हो. नागरिक सुरक्षा संहिता जो पहली जुलाई से लागू हुई है, उसकी तारीफ में भी यही कहा जा रहा है कि बेल विल बी द रूल, जेल विल बी द एक्सपेसंस. मतलब, बेल में बहुत ना ही लिबरल होने की जरूरत है, ना ही ज्यादा सख्त. कई मामले ऐसे रहे हैं, जिनमें जज बहुत सख्त रहे हैं, बेल देने में.

हेमंत सोरेन का मामला 8.86 एकड़ जमीन का मामला है. आरोप है कि उन्होंने सरकारी दस्तावेज व रेवन्यू रिकॉर्ड में टेंपरिंग की है. वह रिकॉर्ड जो हेमंत सोरेन के पजेशन में नहीं थे. वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, मीनाक्षी अरोड़ा ने अच्छी जिरह की. बड़ी अजीब बात है कि किसी डॉक्यूमेंट में, कहीं पर भी, किसी से भी मिला है, उसमें हेमंत सोरेन या उनके परिवार के किसी सदस्य का नाम नहीं है. ऑर्डर को पढ़ने से यह अंदाजा लगता है कि जितनी सख्ती कुछ जजेज पीएमएलए में बेल देने में कर रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट्स में वो सख्ती नहीं है. मदन लाल का जजमेंट, तरुण कुमार का जजमेंट, रंजीत सिंह का जजमेंट समेत बहुत सारे जजमेंट का उल्लेख किया है जस्टिस मुखोपाध्याय ने. क्योंकि आपको पता है कि सेक्शन 45 के मामले में एक ट्वीन टेस्ट है, जिसे सैटिस्फाई करना है. टेस्ट है कि क्या रीजनेवल ग्राउंड्स हैं, जज को यह विश्वास करने की, कि अभियुक्त दोषी नहीं है. मुजरिम पर जुर्म साबित नहीं होगा. क्या ऐसी रिजनेबल ग्राउंड्स हैं.

दूसरा, थोड़ा आसान मामला है कि क्या बेल के दौरान आरोपी कोई और जुर्म करेगा ? इसमें भी सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई और जुर्म का मतलब, कोई भी जुर्म नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट ऑफ मध्य प्रदेश के केस में नरेंद्र लाल के मामले में कहा कि क्या कोई भी जुर्म का मतलब कोई माईनर क्राईम भी, कोई मेजर क्राईम भी. कोर्ट ने उदाहरण दिया कि क्या कोई रेस ड्राइविंग की संभावना भी बेल से इंकार करने में इस्तेमाल होगी. कोर्ट ने कहा कि ऐसा नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है सेक्शन 45 में जो रिस्ट्रिक्शन कोर्ट की पावर पर लगायी गई है.. दे आर नॉट टू बी पुस टू फार.. मुझे लगता है कि कई जजेज, जिनके सामने बेल के मामलात आये हैं, उन्होंने इस रिस्ट्रिक्शन को बहुत की सख्त माना है और बहुत स्ट्रिक्टली लिया है. कोर्ट ने कहा है कि किसी भी जुर्म का मतलब होना चाहिए, कोई सिमिलर अपराध. कोर्ट ने आगे कहा है कि जज के मन में आना चाहिए कि जो अभियुक्त सामने खड़ा है, उसका माइंड एगफोल्ड था. आपको पता है कि क्रिमिनल लॉ के दो एलिमेंट हैं किसी क्राइम के. अगर मैंने एक मोबाइल चोरी की, उठाकर जेब में रख लिया, यह फिजिकल एक्ट ऑफ क्राइम

बड़ी अजीब बात है कि किसी डॉक्यूमेंट में, कहीं पर भी हेमंत सोरेन या उनके परिवार के किसी सदस्य का नाम नहीं है

है, सिर्फ इतने से चोरी नहीं होती. चोरी होने के लिए गिल्टी माइंड होना चाहिए. यानी बेईमानी के इरादे से किया गया. इसलिए कोर्ट ने यह भी कहा कि फाइंडिंग ऑफ नॉट गिल्टी है, तो क्या यह ट्रायल हो रहा है. आपको पता है कि अरविंद केजरीवाल को निचली अदालत की एक लेडी जज ने बेल दे दी थी. हाईकोर्ट ने उसे स्टे किया और हाईकोर्ट ने उसके जजमेंट के उस सेंटेंस (जिनमें हजारो दस्तावेज हैं) जिसमें जाने की जरूरत नहीं है को आधार बनाया. जस्टिस मुखोपाध्याय ने अपने आदेश में यही कहा है, बेल का मतलब ट्रायल नहीं हो रहा है. सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि यहां जो उद्देश्य है कि वह गिल्टी नहीं है. वह सिर्फ एक ऑब्जेक्टिव स्टडी कर ले, जिस जज के सामने बहस हो रही है, उसे लगे कि दोषी है या नहीं. ब्रॉड प्रोबेबिलिटीज क्या है. दोषी है या नहीं. अगर लगता है कि ब्रॉड प्रोबेबिलिटी दोषी पाए जाने की नहीं हो, तो सेक्शन 45 की कंडीशन पूरी हो गयी. जमानत दी जा सकती है.

जस्टिस मुखोपाध्याय ने कल्याण चंद्र सरकार का जजमेंट भी कोट किया है. जो साक्ष्य हेमंत सोरेन के खिलाफ है, वह सीधे-

हाईकोर्ट के इस आदेश से अरविंद केजरीवाल के लिए भी राहें खुल सकती हैं. वह इसे नजीर बना सकते हैं...

सीधे उन पर नहीं है. जमीन के पास जाते हैं, तो कोई बूढ़ी औरत कह देती है कि यह हेमंत सोरेन की जमीन है. कोई और आदमी यह कह देता है कि मंत्री जी इसके मालिक हैं. जो साक्ष्य है हेमंत सोरेन के खिलाफ, उसमें कहा जा रहा है वह आदमी जो इस मामले का किंगपिन, मुख्य अभियुक्त भानू प्रताप प्रसाद, जो कि एक सरकारी अफसर है रेवन्यू का, कि वह इस काम को करता रहा है. उसने किसी मनोज सीओ के कहने पर वेरिफिकेशन किया, जिसमें यह आ गया कि यह जमीन हेमंत सोरेन की है. भानू के मोबाइल से जमीन की तस्वीर मिली है, यह साक्ष्य है. एक और कैरेक्टर है, विनोद सिंह. हेमंत सोरेन की उससे कुछ वाट्सएप चैट हुई है. उसमें किसी बैंक्वेट हॉल की बात है. और ईडी ने कंनक्लूड किया कि उस जमीन पर उतने बड़े बैंक्वेट हॉल की जो जगह है, वह वही जमीन है. इसलिए हेमंत सोरेन इसमें शामिल हैं. कोर्ट ने माना है कि इस मामले में हेमंत सोरेन की जो रिप्लाई है, वह उतनी कंविंशिंग नहीं है.

सरकमटांशियल एविडेंस. सुप्रीम कोर्ट कल्याण चंद्रा सरकार केस में कह चुका है, कोई आरोप है किसी के खिलाफ, यह काफी नहीं है, किसी को जेल में रखने के लिए. बेल के वक्त डिटेल एग्जामिनेशन ऑफ एविडेंस जरूरी नहीं है. इस आदेश के पारा 16 में सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया कि सरकमटांशियल एविडेंस के बेसिस पर अगर मामला है, जज ने जब हेमंत सोरेन मामले में इसे देखा तो पाया कि बहुत से रजिस्टर देखे गए, जो रिकॉर्ड है, जो भानू प्रताप प्रसाद के पास से मिले हैं, उसमें हेमंत सोरेन का नाम कहीं नहीं है. उसके परिवार का नाम कहीं नहीं है. रंजीत सिंह केस में ब्रॉड प्रोबेबिलिटी की बात सुप्रीम कोर्ट कर चुका है. और इन सारी बातों को देखते हुए कहा जा रहा है कि हेमंत सोरेन सीएम हैं, उनके घर से क्या मिल रहा है, बीएमडब्यू. 36 लाख रुपये व कुछ कागजात. एक महिला का बयान, एक संतोष मुंडा, जिसने कहा मंत्री जी जमीन के मालिक हैं, एक अमीन है महतो, जो कह रहा है आई केम टू नो कि हेमंत सोरेन की प्रॉपर्टी है. वो भानू प्रसाद, जो इस पूरे केस का किंगपिन है, उसने अपने सबसीक्वेंट स्टेटमेंट में हेमंत सोरेन का नाम नहीं लिया.

केस जिस तरह से बनाया गया, हाईकोर्ट के बेल ऑर्डर को पढ़ कर यह अंदाजा होता है कि आशीष जायसवाल, विष्णु कुमार, भीमा सिंह ने 1985 में इस जमीन को खरीदा था. हेमंत सोरेन पर आरोप है कि वर्ष 2009-10 में उन्होंने जबरदस्ती उन लोगों को जमीन से बेदखल कर दिया और अपनी पहुंच का इस्तेमाल कर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने नहीं दिया. कोर्ट ने कहा कि यह कन्विंशिंग बात नहीं है कि कोई केस नहीं करेगा. बेल ऑर्डर में साफ कहा गया है कि ऐसा नहीं है. फिर यह कहा जा रहा है कि इस जमीन का असली मालिक पाहन परिवार है, उनको 19 जनवरी 2024 को एक आदेश के जरिये जमीन रेस्टोर कर दिया गया. ईडी की इस बात को कोर्ट ने नहीं माना कि यह ऑर्डर भी हेमंत सोरेन ने करा दिया. मनीष सिसोदिया के केस में यह बात कहा गया था कि यह स्टेटमेंट कोई ट्रूथ नहीं है. आपको पता है उस केस में स्टेटमेंट कांट्राडिक्टरी है. कोर्ट ने कहा, वह ट्रायल में देखा जाएगा.

मैं यह समझता हूं कि जो बेल का ऑर्डर है, जस्टिस मुखोपाध्याय का, हेमंत सोरेन को बेल देने का, यह बड़ा इंपार्टेंट है. इस आदेश से अरविंद केजरीवाल के लिए भी राहें खुल सकती हैं. क्योंकि इस आदेश में जो कानून डिस्कस किया गया है, सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट को कोट करते हैं, वह बहुत ही वेल रिसर्च्ड है. -शेष पेज 11 पर

हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस ने ली शपथ

संवाददाता। रांची

न्यायमूर्ति विद्युत रंजन सारंगी ने शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट के 15वें चीफ जस्टिस के तौर पर शपथ ली. एक सादे समारोह में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजभवन में सारंगी को पद की शपथ दिलाई. समारोह में सीएम हेमंत सोरेन, विस अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो के अलावा कई जज और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मौजूद थे. कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति पत्र पढ़ा.

न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा के 28 दिसंबर, 2023 को सेवानिवृत्त होने के बाद से हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का पद रिक्त था. केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय ने तीन जुलाई को सारंगी को चीफ जस्टिस नियुक्त करने के संबंध में अधिसूचना जारी की थी. राज्यपाल राधाकृष्णन ने

विद्युत रंजन सारंगी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाते राज्यपाल.

कहा, राज्य को नये चीफ जस्टिस मिल गये हैं. हम न्याय के लिए मिलकर काम करेंगे और सबसे गरीब व्यक्ति तक भी न्याय पहुंचाएंगे. हेमंत सोरेन ने कहा, आखिरकार नए चीफ जस्टिस मिल गये हैं. यह पद महत्वपूर्ण होता है. सुप्रीम कोर्ट ने सात-आठ माह पहले ही चीफ जस्टिस के तौर पर नियुक्ति की घोषणा कर दी थी, लेकिन मुझे नहीं पता कि केंद्र सरकार ने उन्हें यहां भेजने में इतनी देर क्यों की. उनकी नियुक्ति पहले भी की जा सकती थी. ओडिशा के नयागढ़ में 20 जुलाई 1962 को जन्मे सारंगी इससे पहले ओडिशा हाईकोर्ट में जज थे. उनकी शादी निरुपमा सारंगी से हुई और उनकी दो बेटियां हैं. वह दिसंबर 1985 में बार में शामिल हुए और हाईकोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस की. संवैधानिक, श्रम राजस्व, सेवा और अन्य क्षेत्रों के केस लड़े. उन्हें 2002 में ओडिशा हाईकोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया. इस पदोन्नति के बाद 20 जून 2013 को सारंगी ने ओडिशा के स्थाई न्यायाधीश के रूप में शपथ ली.

जिम्मेदारी

- राजभवन में राज्यपाल ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ
- **समारोह में सीएम हेमंत सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो व कई जज भी हुए शामिल**
- आखिरकार हमें चीफ जस्टिस मिल ही गये : हेमंत सोरेन

अगस्त में गिर सकती है मोदी सरकार: लालू

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने दावा किया है कि केंद्र की मोदी सरकार कमजोर है. अगले महीने गिर सकती है. लालू ने राजद के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यह दावा किया. उन्होंने कहा, मोदी सरकार अगस्त में गिर सकती है. इस दौरान लालू के छोटे बेटे तेजस्वी यादव मौजूद थे. लालू ने कार्यकर्ताओं से किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा कि हाल के लोस चुनावों में राजद ने अपनी सीटों की संख्या और वोट में सुधार किया है. तेजस्वी यादव के नेतृत्व में हम अब चुनाव लड़ेंगे. अब तेजस्वी कमान संभालेंगे. उन्होंने यह टिप्पणी तब की, जब एनडीए के नेता भाजपा के एक कार्यक्रम में थे, जहां बिहार से नवनियुक्त केंद्रीय मंत्रियों को सम्मानित किया जा रहा था.

- अब तेजस्वी संभालेंगे पार्टी की कमान, उन्हीं के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव

राहुल का हाथरस हादसे के पीड़ितों के जख्मों पर मरहम, कहा

प्रशासनिक चूक तो हुई ही है मुआवजा राशि बढ़ाई जाए

हाथरस हादसे के पीड़ितों से मुलाकात करते राहुल गांधी.

एजेंसी। हाथरस (उप्र)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाथरस में भगदड़ की घटना के संबंध में शुक्रवार को कहा कि प्रशासन की ओर से चूक हुई थी. साथ ही कहा, वह राजनीतिक रंग नहीं देना चाहते. गांधी ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से पीड़ितों के लिए बिना देरी के अधिकतम मुआवजा जारी करने का भी आग्रह किया.

पीड़ित परिवारों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में गांधी ने कहा, दुख की बात है कि इतने लोगों ने अपनी जान गंवा दी. मैं राजनीतिक नजरिए से बात नहीं करूंगा, लेकिन प्रशासन की ओर से कुछ चूक हुई है. गलतियां हुई हैं और उनकी पहचान की जानी चाहिए. राहुल गांधी ने यह भी कहा कि उन्होंने (मृतकों) परिजनों के साथ खुद बात की. परिजनों ने कहा, प्रशासन की ओर से चूक हुई है. पुलिस की जो व्यवस्था होनी चाहिए थी वो नहीं थी. वे दुखी व सदमे में हैं. मैं स्थिति को समझने की कोशिश कर रहा हूं. हाथरस में पीड़ित परिवारों से मुलाकात से पहले गांधी अलीगढ़ में भी पीड़ित परिवारों से मिले. राहुल के साथ अजय राय, अविनाश पांडे, सुप्रिया श्रीनेत आदि भी मौजूद थे. - नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलटों की सुनी समस्याएं- पेज 12 पर

पीड़ितों ने क्या कहा

हाथरस के नाई का नगला के हरि मोहन ने कहा राहुल ने हमसे बात की, संवेदनाएं व्यक्त कीं. वे पीड़ितों के लिए मुआवजे की राशि बढ़ाने का प्रयास करेंगे. मोहन ने भगदड़ में अपनी बुआ ओमवती को खो दिया. त्रासदी में अपनी नानी आशा देवी को खोने वाले मृत्युंजय भारती ने कहा, उन्होंने (राहुल गांधी) हमसे बात की और हमारे मुद्दों को समझने की कोशिश की. उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों.

अच्छी खबर नीट यूजी मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नीट पीजी एग्जाम का डेट घोषित, 11 अगस्त को दो शिफ्ट में परीक्षा

एजेंसी। नयी दिल्ली

पीजी मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम एनईईटी पीजी 2024 डेट की खबर आ गई है. परीक्षा कराने वाली संस्था एनबीईएमएस यानी नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेस ने नीट पीजी एक्जाम डेट का ऐलान कर दिया है.

एनबीई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार नीट पीजी 2024 एग्जाम की नई तारीख 11 अगस्त तय की गई है. ये दिन रविवार है. इस दिन दो शिफ्ट में नीट पीजी का एग्जाम लिया जाएगा. गौरलतब है कि नीट पीजी 2024 परीक्षा पहले 23 जून को होने वाली थी. लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट और यूजीसी नेट पेपर लीक व परीक्षा धांधली के मामले देखते हुए एहतियात के तौर पर इसे स्थगित कर दिया था.

15 अगस्त ही रहेगी कटऑफ एज लिमिट

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड ने नीट पीजी की ऑफिशियल वेबसाइट natboard.edu.in पर इस संबंध में नोटिस जारी कर दिया है. इसमें 5 प्वाइंट्स में जरूरी जानकारी दी गई है.

1 एनबीईएमएस के 22 जून 2024 के नोटिस के क्रम में नीट पीजी 2024 परीक्षा की नई डेट तय की गई है.

2 नीट पीजी एग्जाम 2024 का आयोजन अब 11 अगस्त 2024 को दो पालियों में आयोजित किया जाएगा.

3 नीट पीजी परीक्षा 24 में उपस्थित होने की पात्रता के उद्देश्य से कटऑफ डेट 15 अगस्त 2024 ही रहेगी.

4 दो पालियों में परीक्षा के आयोजन के बारे में आगे की डिटेल एनबीईएमएस की वेबसाइट

natboard.edu.in पर बाद में अपलोड की जाएगी.

5 किसी भी सवाल/ स्पष्टीकरण या सहायता के लिए कैंडिडेट्स एनबीई की वेबसाइट पर लिख सकते हैं. इसके लिए डायरेक्ट लिंक ये है- नीट पीजी हेल्पलाइन.

नीट पीजी एडमिट कार्ड कब आएगा

परीक्षा की नई तारीख के साथ-साथ अब एनबीई नीट पीजी 2024 एडमिट कार्ड भी दोबारा जारी करेगा. परीक्षा से पहले वाले सप्ताह में नीट पीजी हॉल टिकट 2024 डाउनलोड करने के लिए ऑनलाइन अपलोड कर दिया जाएगा. आप nbe.edu.in 2024 neet pg से अपना नीट पीजी हाल टिकिट डाउनलोड कर पाएंगे.

नीट-यूजी रद्द करना तर्कसंगत नहीं ईमानदार छात्रों के हित प्रभावित होंगे

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनाम दाखिल कर कहा कि विवादों से घिरी नीट-यूजी परीक्षा को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा और इससे उन लाखों ईमानदार छात्रों के भविष्य के लिए गंभीर खतरा पैदा होगा, जो परीक्षा में शामिल हुए थे. नीट-यूजी उम्मीदवारों, कोचिंग संस्थानों और अभिभावकों द्वारा दायर विभिन्न याचिकाओं के जवाब में दायर अपने हलफनामे में, शिक्षा मंत्रालय ने कहा, सीबीआई को कथित धांधली की व्यापक जांच करने को कहा गया है. इसके साथ ही यह भी दलील दी जाती है कि परीक्षा में गोपनीयता के उल्लंघन के सबूत के अभाव में, पूरी परीक्षा और घोषित परिणामों को रद्द करना उचित नहीं होगा. केंद्र सरकार ने कहा, किसी परीक्षा में, प्रतिस्पर्धी अधिकार होते हैं ताकि ऐसे छात्रों के हितों को नुकसान नहीं हो जो परीक्षा में कोई अनुचित तरीका नहीं अपनाते हैं. परीक्षा को रद्द करने से लाखों छात्रों को नुकसान होगा. सुप्रीम कोर्ट 8 जुलाई को इस मामले में दायर की गई कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा.

राजनीतिक फिजां में चुनावी रंग बिखरना शुरू, सज रहे मैदान

चुनावी मोड में आ रहे झारखंड के राजनीतिक दल, बना रहे रणनीति

संवाददाता। रांची

झारखंड की राजनीतिक फिजा में चुनावी रंग घुल रहा है. विधानसभा चुनाव को लेकर धीरे-धीरे मैदान सज रहे हैं. सभी पार्टियों ने अपनी चुनावी तैयारी शुरू कर दी है. पक्ष-विपक्ष के नेताओं के भाषण और मिजाज चुनावी हैं. साथ ही जमीनी स्तर पर चुनाव की तैयारी भी शुरू है. जेल से निकलने के बाद राज्य में एक बार फिर हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बन गयी है. हेमंत सोरेन के पास स्पष्ट बहुमत भी है. तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन को एक सप्ताह के अंदर विश्वासमत हासिल करना है. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने नयी सरकार को एक सप्ताह के अंदर विश्वासमत हासिल करने का निर्देश दिया है.

झारखंड विधानसभा में कुल 77 विधायक हैं. पांच विधायक इस बार सदन में नहीं होंगे. चार विधायकों में दो भाजपा और दो झामुमो के विधायक लोकसभा का चुनाव जीतकर संसद पहुंच गये हैं. इसमें भाजपा के मनीष जायसवाल, दुल्लू महतो और झामुमो के नलिन सोरेन व जोबा मांझी हैं. वहीं, झामुमो विधायक सीता सोरेन ने भाजपा में शामिल होने को बाद इस्तीफा दे दिया था. वर्तमान विधानसभा में बहुमत के लिए 39 विधायकों का संख्या बल चाहिए. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली सरकार के पास बहुमत का मजबूत आंकड़ा है. झारखंड विधानसभा में इंडी गठबंधन के साथ

77 विधायक हैं झारखंड विधानसभा में

47 विधायक हैं. मनोनीत विधायक को भी वोटिंग का अधिकार है. मनोनीत ग्लेन जोसेफ गॉलस्टन हेमंत सोरेन सरकार का समर्थन करेंगे. वहीं, एनडीए गठबंधन के पास फिलहाल 27 वोट है.

भाजपा विधायक जेपी पटेल भले ही सदन में विरोधी पक्ष में बैठाये जायेंगे लेकिन उनका वोट हेमंत सोरेन के पक्ष में ही होगा. निर्दलीय सरयू राय और अमित मंडल साथ आये, तब भी एनडीए आंकड़ा से काफी दूर है.एनडीए के खाते में 27 विधायक होंगे. सदन में हेमंत सोरेन सरकार को विश्वासमत के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं दिख रही है. झामुमो के खिलाफ लोबिन हेंब्रम ने मोर्चा खोल रखा है. झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम सरकार के खिलाफ वोटिंग कर सकते हैं लेकिन इससे इंडी गठबंधन की सेहत में कोई असर नहीं पड़ने वाला है. वहीं, भाजपा विधायक जेपी पटेल सरकार के साथ आये, तो हिसाब बराबर हो जायेगा. विधायक चमरा लिंडा को लेकर भी असमंजस की स्थिति है. चमरा लिंडा बुधवार को गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं हुए.

दोनों दलों के नेता कमर कसकर मैदान में

विधानसभा चुनाव को लेकर इंडी और एनडीए गठबंधन दोनों दलों के नेताओं ने कमर कसकर मैदान में उतर गए हैं. विधानसभा में रणनीति के तहत ही झामुमो ने आनन-फानन में चंपाई सोरेन से इस्तीफा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ताजपोशी हुई. दूसरी ओर, भाजपा ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए तीन महीने का खाका तैयार किया है. इसमें विस्तारित कार्यसमिति से लेकर घोषणा पत्र व आरोप पत्र तैयार करने के लिए कमेटी बनायी गयी है. कांग्रेस आलाकमान ने भी प्रदेश के आला नेताओं के साथ विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक की. इसमें प्रदेश के नेताओं को चुनावी टिप्स दिये गये और ब्लू प्रिंट बनाने को कहा गया है.

माना जा रहा है कि झारखंड में निर्धारित समय से पूर्व विधानसभा चुनाव होने की अटकलें लग रहीं हैं. वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल पांच जनवरी तक है. राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि झारखंड में हरियाणा व महाराष्ट्र के साथ अक्टूबर में चुनाव हो जाये. चुनाव आयोग भी अक्टूबर को समय सीमा मानकर तैयारी में जुटा है. वर्ष 2019 में झारखंड में नवंबर-दिसंबर में चुनावी प्रक्रिया पूरी हुई थी. छह नवंबर को पहले फेज के लिए अधिसूचना निकाली गयी थी. वहीं, 30 नवंबर से 20 दिसंबर तक पांच चरणों में विधानसभा चुनाव हुए थे.

पांच महीने में जो प्यार और सहयोग मिला, उसका ऋण आजीवन लौटा नहीं पाऊंगा

जनता के लिए बहुत कुछ करना शेष है, तेजी से काम शुरू करूंगा : हेमंत

कौशल आनंद। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गत दिवस जब प्रोजेक्ट भवन से वापस लौट रहे थे, तब उन्होंने अपना संदेश राज्यवासियों के लिए अपनी पत्नी कल्पना सोरेन से रिकार्ड कराया. जिसे शुक्रवार को कल्पना सोरेन ने हेमंत सोरेन के एक्स हैंडल से उसे जारी किया. हेमंत सोरेन की बातों को पढ़ें उनकी जुबानी.

दोस्तों सभी को जोहार, नमस्कार, आदाब, शतश्री अकाल. अंतोगत्वा षड़यंत्र पर विजय पाकर हमलोग पुनः राज्य के विकास का स्टैयरिंग अपने हाथ में लिया है. बहुत सारी सोच है राज्य के प्रति हमारी, यहां के आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यकों, गरीब, किसान, महिलाएं, युवाओं, जल, जंगल और जमीन. साथियों झारखंड देश में अपने आप में एक अलग राज्य है. लोग तो इसे सोने की चिड़िया कहते हैं, मगर दुख होता है कि दो वक्त के रोटी के लिए संघर्ष करते हैं, पलायन करते हैं. इतने सालों तक चाहे किसी की भी सरकार रही हो. मेरी अनुभव में बहुत संवेदनाशिलता जो राज्य के प्रति होनी चाहिए थी, वह नहीं रही. 2019 में आपने हमें राज्य की दिशा देने का जिम्मा दिया. तुरंत कोरोना माहामारी आया. पूरे देश दुनिया लॉक डाऊन के चपेट में आ गया. ऐसे में देश की हालत क्या थी, पता है, हमारे राज्य में क्या स्थिति थी आपको पता है. दवा, चिकित्सा की कमी, सीमित संसाधन में दवा और डॉक्टरों की भारी कमी के बीच काम किया. हमारे दो-दो मंत्री शहीद हो गए. क्योंकि यह इस संकट में भी सड़क पर उतरकर काम करते रहे. इस बीच कई अवरूद्ध हुआ. सरकार गिराना. विधायकों को खरीदना. एक अजीब से राजनीतिक चली. इसका शिकार मैं भी हुआ. इसके कारण मुझे भी पांच महीने जेल में रहना पड़ा. मगर जो ताकत आपने मुझे 2019 में दिया था. मैं सरकार को खरोंच भी नहीं आने दिया. मैं जेल चला गया. आदरणीय चंपाई सोरेन जी को सत्ता सौंप दिया और मैं जेल चला गया. पांच महीने बाद न्यायालय के आदेश के बाद मैं बाहर आया. फिर से मैं राज्य को दिशा देने और जो संकल्प मैने 2019 में लिया था, उसे पूरा करने आया हूं. पांच साल कई चुनौतियों के साथ पार किया. कई जंग लड़े, जंग जीते भी. चाहे वह करोनो हो, राजनीतिक साजिश है, हमारे विपक्ष के द्वारा. इन सबसे लड़ कर सामने आया हूं. बहुत सारी चुनौती इस राज्य में है. बहुत सारी विषयों पर काम करने की जरूरत है. चाहे वह किसानों के लिए हो, चाहे वह नौनौहालों के स्कूलों हो या फिर ग्रामीणों को, हमारे पढ़े लिखे नौजवानों को लेकर हो. चाहे आधारभूत संरचनाओं के लिए. आप देख रहे हैं कि केंद्र सरकार के नीतियों के कारण रोजगार दिन प्रतिदिन घट रहे हैं. छोटे और मंझोले उद्योग बंद हो रहे हैं. देश छोड़कर जा रहे हैं, हमारे यहां के नौजवान भटकने के लिए मजबूर हों.

राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत सारी विषयों पर काम करना होता है. हमारे कार्यकाल में, आपको जरूरी एहसास होगा कि वर्तमान सरकार को सोच और उददेश्य क्या है. किस रास्ते आगे बढ़ेगी. हमारा मूल वादा झारखंड के आदिवासी-मूलवासियों के प्रति है प्राथमिकता इनके प्रति है. हम हर हाल में राज्य के हर लोगों के लिए काम तेजी से करेंगे. आपका हक आपके दरवाजे तक पहुचाएंगे. झारखंड के लोग बहुत सवाभिमानी होत हैं यह राज्य, भूमि वीर-वीरांगानाओं की है. जिसकी मूर्तियां आपको चौक-चौराहों पर देखने को मिलेंगे. पुन : मैं वीरों सपूतों को नमन करते हुए फिर से तैयार हुआ हूं. हमें बहुत बड़े पैमाने पर काम करने की जरूरत है. जो आपके सहयोग और आशीर्वाद की जरूरत है. मेरे जेल में रहते हुए भी जो प्यार और सम्मान दिया है, उसका मैं आभार प्रकट करता हूं.इसका ऋण में चुका नहीं पाऊंगा. मैं अपने कर्त्तव्यों का निर्वाहन करते हुए अपनी जिम्मेवारी निभाऊंगा.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मां बागलामुखी मंदिर में पूजा-अर्चना की

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन शुक्रवार को महात्मा गांधी मार्ग (काली स्थान रोड) रांची स्थित मां बगलामुखी मंदिर पहुंचकर शीश नवाया .मौके पर मुख्यमंत्री ने मां बगलामुखी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर समस्त राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि व उन्नति की कामना की.

अपनी तुलना गुरुजी से होने पर हेमंत ने किया भावुक पोस्ट, कहा

मेरे बाबा मुझसे कहीं अच्छे दिखते हैं, मैं तो बस प्रतिबिंब हूं...

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने नये लुक को लेकर एक भावुक पोस्ट किया है. एक्स पर उन्होंने अपने पिता शिबू सोरेन की तस्वीर भी पोस्ट की है और लिखा है कि लोग कहते हैं मैं अब बाबा के जैसा दिखता हूं, पर मेरे बाबा मुझसे कहीं अच्छे दिखते हैं.उनकी आंखों में वो ज्ञान की चमक,उनके चेहरे पर वो अनुभव की लकीरें,उनकी मुस्कान में वो जीवन का रस,मैं तो बस उनका उभरता प्रतिबिंब हूं. गौरतलब है कि हेमंत सोरेन पांच महीने तक जेल में रहने के दौरान अपनी बाल और दाढ़ी बढ़ा ली. पहली बार उनका यह लूक तब सामने आया था जब वह अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पेरोल पर बाहर आये थे. उस समय ही लोगों ने कहना शुरु कर दिया कि हेमंत बिलकुल शिबू सोरेन की तरह दिख रहे हैं. तब झामुमो ने सारे पोस्टर में हेमंत की यही तस्वीर लगायी थी. लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी इसी तस्वीर का इस्तेमाल किया गया. फिर जब हेमंत अब जमानत पर बाहर आये हैं तो उन्होंने इसी लुक को बरकार रखा है.

लैब टेक्नीशियन, वार्ड ब्वॉय, अटेंडेंट, ऑफिस स्टाफ रखे गए हैं

राज्य भर के जिला अस्पतालों की व्यवस्था सुधरेगी आउटसोर्सकर्मियों के लिए विभाग ने दिए 144 करोड़

संवाददाता। रांची

स्वास्थ्य विभाग राज्य भर के जिला अस्पतालों (सदर अस्पतालों) में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है. मरीजों को पैथोलॉजिकल से लेकर हर तरह की जांच की सुविधा अस्पताल में ही उपलब्ध कराने के लिए विभाग ने आउटसोर्स स्टाफ रखने को कहा है. अस्पतालों में पहले से भी आउटसोर्स स्टाफ रखे गए हैं, ताकि मरीजों को इलाज व जांच के लिए किसी दूसरी जगह जाने की जरूरत न पड़े. इसके तहत अ ल ग - अ ल ग विभाग के लिए आ उ ट स ोसि ंग कंपनियों के जरिए मैनपावर रखे गए हैं. जहां अतिरिक्त मैनपावर की जरूरत है, वहां नए सिरे से पैनपावर की व्यवस्था करने रका निर्देश स्वास्थ्य विभाग ने दिया है. अब विभाग ने आउटसोर्स पर काम कर रहे मैनपावर के लिए 144,71,51,000 रुपये आवंटित किये हैं. वहीं जिलों में जरूरत के हिसाब से राशि का आवंटन कर दिया गया है. बता दें कि सदर अस्पतालों के अलावा अन्य जिला अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाई हैं. इसके अंतर्गत लैब टेक्निशियन, वार्ड ब्वॉय, वार्ड अटेंडेंट, डायग्नोस्टिक सेंटर, ऑफिस स्टाफ इसके अंतर्गत आते हैं.

▪ सदर अस्पतालों के अलावा अन्य जिला अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ायी गयी हैं, ताकि लोगों को आसानी से इलाज की सुविधा मिल सके

जिला व अन्य अस्पतालों के लिए राशि आवंटित

बोकारो	5,64,56,000
गिरिडीह	8,86,48,000
हजारीबाग	12,06,60,000
कोडरमा	3,72,83,000
चतरा	5,51,44,000
गढ़वा	4,57,37,000
पलामू	10,77,17,000
रामगढ़	5,48,96,000
देवघर	8,31,04,000
धनबाद	73,65,000
गोड्डा	6,61,90,000
पूर्वी सिंहभूम	6,26,50,000
खूंटी	4,03,87,000
सरायकेला-खरसावां	6,61,94,000
पश्चिमी सिंहभूम	6,48,19,000
पाकुड़	3,73,68,000
जामताड़ा	4,30,66,000
रांची	16,66,35,000
गुमला	80,20,000
लातेहार	5,38,79,000
लोहरदगा	2,61,34,000
सिमडेगा	4,38,12,000
साहिबगंज	3,91,10,000
दुमका	6,62,60,000
आयुष निदेशालय, नामकुम, रांची	7,92,000
राजकीय फार्मेसी संस्थान, बरियातू	25,34,000
इटकी आरोग्यशाला, इटकी, रांची	22,91,000

रांची डिवीजन की कल 10 ट्रेनें रद्द रहेंगी

संवाददाता। रांची

रांची डिवीजन में विकास कार्यों के मद्देनजर 10 ट्रेनों को सात जुलाई के लिए रद्द कर दिया गया है. वहीं कुछ ट्रेनों को शॉर्ट डायवर्टेड किया गया है. रेलवे ने रद्द की गई ट्रेनों की लिस्ट जारी कर दी है.

ये ट्रेनें रद्द : 08641/08642 आद्रा-बरकाकाना-आद्रा मेमू पैसेंजर, 13303/13304 धनबाद-रांची-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस, 03598/03597 आसनसोल-रांची-आसनसोल मेमू स्पेशल, 08696/08695 रांची-बोकारो स्टील सिटी-रांची पैसेंजर स्पेशल, 13319/13320 दुमका-रांची-दुमका एक्सप्रेस, 13504/13503 हटिया-बर्धमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस, 18085/18086 खड़गपुर-रांची-खड़गपुर मेमू एक्सप्रेस, 18036/18035 हटिया-खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस, 18602/18601 हटिया-टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस, 12365/12366 पटना-रांची-पटना एक्सप्रेस.

ट्रेनों का डायवर्जन

22824 नयी दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस 6 जुलाई 2024 को शुरू होकर बोकारो स्टील सिटी-पुरुलिया-टाटानगर के रास्ते डायवर्टेड रूट पर चलेगी. वहीं, 18310 जम्मूतवी-संबलपुर एक्सप्रेस 5 जुलाई 2024 को शुरू होकर बरकाकाना-मेसरा-टाटीसिलवे-रांची के रास्ते डायवर्टेड रूट पर चलेगी.

राज्यपाल से मिले केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, विधायक लंबोदर महतो

रांची। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की. वहीं विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने भी राजभवन में भेंट कर विभिन्न विषयों से संबंधित ज्ञापन सौंपा. उन्होंने राज्यपाल से बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय अंतर्गत पर्जन्य बीएड कॉलेज से संबंधित मामले पर बातचीत की. राजकीय डिग्री महाविद्यालय, गोमिया में झारखंड ओपन यूनिवर्सिटी का अध्ययन केंद्र खोलने, गोमिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गोमिया, कसमार व पेटरवार प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों को उत्क्रमित करने की पहल करने का आग्रह किया.

योजना मुख्यमंत्री बहन-बेटी मई-कुई स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना लागू

लाभार्थियों को प्रतिमाह एक हजार रुपये मिलेंगे

संवाददाता। रांची

राज्य में महिला सशक्तीकरण के लिए मुख्यमंत्री बहन-बेटी मई-कुई स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना लागू कर दी गयी है. कैबिनेट के फैसले के बाद महिला, बाल विकास विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है. इस योजना के तहत राज्य की 45 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये प्रोत्साहन राशि मिलेगी. इसका लाभ 21 से 50 वर्ष की उम्र वाली गरीब महिलाओं को दिया जाएगा. इस योजना का लाभ लेने के लिए योग्यता भी तय की गयी है. आर्थिक लाभ प्राप्त करने लिए आवेदिका के पास पहचान पत्र, आधार कार्ड, परिवार का अंत्योदय अन्न योजना कार्ड, पीला राशन कार्ड, गुलाबी कार्ड या सफेद राशनकार्ड धारी होना जरूरी है. उन्हें ही योजना का लाभ मिलेगा.

खास बातें

- विभाग की ओर से जारी कर दी गयी अधिसूचना
- आवेदन के लिए जल्द ही पोर्टल जारी किया जाएगा

इनकम टैक्स भरने वाले, सरकारी नौकरी करने वाले परिवार को इसका लाभ नहीं मिलेगा. ईपीएफ धारी महिला इस योजना की पात्र नहीं होगी. अन्य किसी योजना से पेंशन पा रही महिला को भी इसका लाभ नहीं मिलेगा.

महिला विकास विभाग ने योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आधार की आवश्यकता को अनिवार्य किया है और बैंक खाता या पोस्ट ऑफिस का खाता से आधार लिंक कराना होगा. हालांकि, जिनका आधार लिंक नहीं है वे भी दिसंबर तक इस योजना का लाभ उठा सकते हैं. सरकार का मानना है हर माह 1000 रुपये की राशि से महिलाओं का शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण सहित हर छोटी-छोटी जरूरतें पूरी की जा सकेंगी. आवेदन के लिए जल्द ही पोर्टल जारी किया जाएगा.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 06 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 88 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
सत्यमेव जयते

समस्त झारखण्ड एवं समस्त देशवासियों को

हूल जोहार

सत्यमेव जयते!

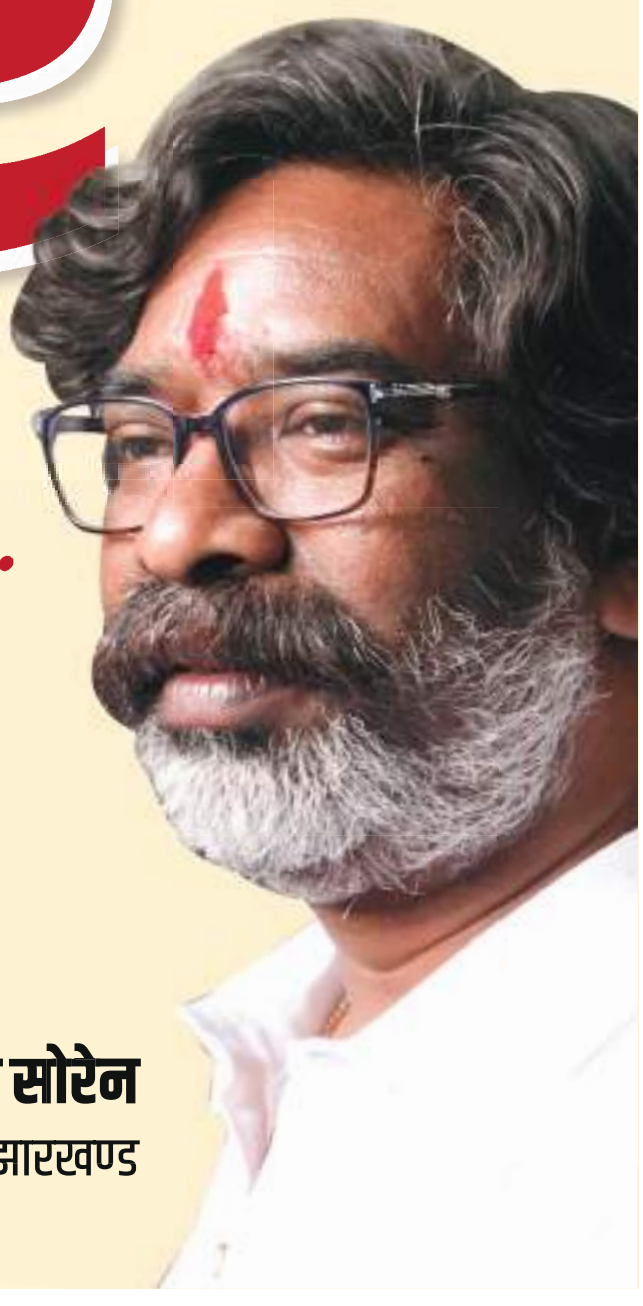

प्रिय झारखण्डवासियों,

आपके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए हम आभारी हैं।
आपके भरोसे पर खरा उतरने का निरंतर प्रयास पूर्व की भांति जारी रहेगा। हम पुन: एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं ,
एक ऐसा युग जहाँ विकास और समावेशिता साथ साथ चलेंगे।

श्री हेमंत सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

वर्ष 2010 में सरकार लायी थी आत्मसमर्पण नीति, जिले में अब तक 15 उग्रवादी व नक्सली कर चुके हैं सरेंडर

आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित हो कई नक्सली कर चुके हैं सरेंडर

आशीष टैगोर । लातेहार

पांच जुलाई को भाकपा माओवादियों के दो जोनल कमांडर सालमन उर्फ लोकेश तथा नीरज सिंह खरवार उर्फ संजय खरवार ने सरकार की आत्मसमर्पण नीति नयी दिशा से प्रभावित हो कर सरेंडर कर दिया है. बता दें कि झारखंड सरकार ने साल 2010 मे राज्य में उग्रवाद एवं नक्सलवाद पर अंकुश लगाने एवं उग्रवादियों को समाज की मुख्यधारा में वापस लौटाने के लिए आत्मसर्मपण नीति नयी दिशा को लांच किया था. इन 14 सालों में लातेहार में अब तक कई उग्रवादी व नक्सलियों ने आत्मसर्मपण कर

एसपी अंजनी अंजन.

समाज के मुख्य धारा में लौटे हैं. सरकार की इस नीति से प्रभावित हो कर अब तक 15 उग्रवादी व नक्सली आत्मसर्मपण कर समाज की मुख्यधारा में लौट चुके हैं. इनमें भाकपा माओवादियों के अलावा टीपीसी व जेजेएमपी जैसे प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के शीर्ष लीडर शामिल हैं.

भाकपा माओवादियों के स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य राधेश्याम यादव उर्फ विमल यादव और नवीन यादव उर्फ सर्वजीत यादव इस नीति से प्रभावित हो कर सरेंडर कर चुके हैं. इसके अलावा भाकपा माओवादी के जोनल कमेटी सदस्य अमन भोक्ता उर्फ अमन गंझू और कल्टू उर्फ लालदीप गंझू उर्फ कार्तिक गंझू भी आत्मसमपर्ण कर दिया है. भाकपा माओवादी जीतेंद्र नगेशिया, टीएसपीसी के सब जोनल कमेटी सदस्य दशरथ उरांव उर्फ रौशन उरांव उर्फ रौशन जी, अनिल उरांव व कमलेश सिंह उर्फ मुकेश सिंह उर्फ नाना जी, जेजेएमपी के जोनल कमांडर मनोहर परिहया, जेजेएमपी के एरिया कमांडर रघुनाथ सिंह खेरवार, सतेंद्र यादव उर्फ अभिमन्यु, संजय प्रजापति व दीपक कुमार भुईंया उर्फ कुंदन जी सरेंडर कर चुका है.

कई उग्रवादी व नक्सलियों को किया गया है गिरफ्तार

झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ, कोबरा व झारखंड जगुआर के द्वारा जिले में उग्रवाद एवं नक्सलवाद के सफाया के लिए संयुक्त रूप से अभियान चलाया जा रहा है . इसमें पुलिस काफी हद तक सफलता मिली है . कई दुर्दांत उग्रवादी व नक्सलियो को गिरफ्तार किया गया और कई मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं . हालांकि इस दौरान पुलिस को भी क्षति उठानी पड़ी है . नक्सलियों के द्वारा बिछाये गये आईइडी ब्लास्ट एवं नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में पुलिस के कई अधिकारी व जवान शहीद हो गये हैं .पुलिस ने सुयक्त रूप से अभियान चला कर भाकपा माओवादियों के सेंट्रल कमेटी सदस्य मिथिलेश महतो उर्फ भिखारी एवं भाकपा माओवादियों के स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य सौरभ यादव उर्फ मारकुश बाबा को गिरफ्तार किया है . इन दोनो को लातेहार पुलिस के सहयोग से बिहार पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया है . इसके अलावा लातेहार पुलिस के द्वारा छापामारी कर भाकपा के जोनल कमेटी सदस्य व दस लाख रुपये का इनामी माओवादी मुनेश्वर गंझू व चंदन सिंह खरवार, सब जोनल कमेटी सदस्य व पांच लाख रूपये का इनामी शीतल मोची, काजेश गंझू, अघनु गंझू व प्रदीप सिंह चेरो, बालक गंझू, किशोर सिंह उर्फ विमल व नंदकिशोर उर्फ सुदर्शन भुईंया, बिरबल उरांव, राकेश गंझू उर्फ बिराज जी, एक लाख का इनामी माओवादी जीतेंद्र गंझू के अलावा भाकपा माओवादी के मिथिलेश यादव, कमलेश यादव, गोदम कोरवा, अर्जुन सिंह, जोनल कमांडर नागेंद्र उरांव उर्फ डाक्टर और अर्जुन सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है .

ब्रीफ खबरें

गार्डवाल निर्माण में घोर लापरवाही, जांव की मांग

विश्रामपुर (पलामू)। युवा सामाजिक कार्यकर्ता गोल्डन चौबे ने केतात कला पंचायत में निर्माणाधीन गार्डवाल में बरती जा रही अनियमितता की जांच कराने की मांग की है. श्री चौबे ने कहा कि गार्डवाल निर्माण में घोर लापरवाही बरती जा रही है. काफी निम्नस्तर व घटिया निर्माण से गार्डवाल कभी भी ध्वस्त हो सकता है. उन्होंने जिले के डीसी से इस कार्य की जांच कराकर दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में कोई अन्य इसका पुनरावृत्ति नहीं कर सके और निर्माण कार्य का समुचित लाभ वहां के लोगों को मिल सके.

सूरजपाल जैसे बाबाओं को गिरफ्तार करे सरकार

मेदिनीनगर । हाथरस में सत्संग के बाद हुई घटना पर दुख व्यक्त करते हुए इप्टा, प्रगतिशील लेखक संघ, एवं ज्ञान विज्ञान समिति ने संयुक्त रूप से सत्संग में भाग लेने वाले भोले भाले 123 मृतकों के प्रति शोक संवेदना प्रकट की है. अभी तक जो सूचनाएं प्रसारित की जा रही है उससे प्रतीत होता है कि देश के भोले भाले नागरिकों को सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ बाबा भोले अंधविश्वास को फैलाकर अपना साम्राज्य फैलाया है. सरकार को चाहिए कि ऐसे तमाम बाबाओं को गिरफ्तार करे और उनकी संपत्ति राष्ट्र की संपत्ति घोषित करे.

झामुमो नेता आलोक सिंह ने हेमंत को बधाई दी

मेदिनीनगर। पलामू ज़िप उपाध्यक्ष सह झामुमो युवा नेता आलोक कुमार सिंह उर्फ़ टुटू सिंह ने तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने पर हेमंत सोरेन को बधाई दी है. श्री सिंह ने रांची में हेमंत सोरेन को बधाई देने के बाद कहा कि उन्हें झूठे आरोप लगा कर साज़िश के तहत जेल में डाल दिया था, लेकिन न्यायालय ने उनके मंसूबों पर पानी फेरते हुए राज्यहित में फ़ैसला सुनाकर बेहद सराहनीय कार्य किया है. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के पुनः मुख्यमंत्री बनने से झामुमो को और ज़्यादा मज़बूती मिलेगी, वहीं झारखंडवासियों के सपने भी साकार होंगे.

प्रधानाध्यापक ने स्कूल परिसर में किया पौधरोपण

पाटन(पलामू)। पाटन प्रखंड के न्यू उत्क्रमित मध्य विद्यालय बस दह में विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरेंद्र सिंह ने विद्यालय परिसर में पौधा रोपण किया. वहीं विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को पेड़ लगाने के लिए कहा. विद्यालय के प्रधानाध्यापक के द्वारा लगातार विद्यालय को और बेहतर बनाने के लिए उनके द्वारा विद्यालय में कार्य किया जा रहे हैं. जबकि हरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में विद्यालय संसाधन में बढ़ोतरी हो रही है.

राष्ट्रीय जनता दल का 28वां स्थापना दिवस मनाया गया

राजद किशोरावस्था पार कर युवावस्था में पहुंचा : विश्वकर्मा

संवाददाता । मेदिनीनगर

राजद के 28 वां स्थापना दिवस पर शुक्रवार को जिला कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा ने किया. इससे पहले पूर्व जिलाध्यक्ष शिवप्रसाद मेहता ने झण्डोत्तोलन किया. जिलाध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार करते हुए कहा कि पार्टी किशोरावस्था पार कर युवावस्था में पहुंच चुका है.

आगामी विधानसभा चुनाव के लिए आज संकल्प लेने का दिन है और आप सभी साथियों से आग्रह है कि आज आने वाले समय में इतिहास रचने का कार्य करने का संकल्प संकल्प लेकर जायें.

मौके पर युवा जिलाध्यक्ष केदार यादव, एससी प्रकोष्ट जिलाध्यक्ष राजु भुईयां, महिला प्रकोष्ट जिलाध्यक्ष रूना देवी, उर्मिला देवी, प्रदेश उपाध्यक्ष धिरेन्दर सिंह, फुला देवी, उषा देवी, प्रदेश सचिव सैयद समी अहमद व दीपक चंद्रवंशी, महिला प्रदेश उपाध्यक्ष मीरा देवी, जेयायुद्दिन अंसारी, पूर्व जिलाध्यक्ष शिवप्रसाद मेहता, अरूण चंद्रवंशी, इस्तियाक अली देहाती, आनंद यदुवंशी, सुदेश्वर राम, संतोष कुमार यादव, उपेन्द्र मेहता, ओमप्रकाश साव, महेन्द्र यादव, संतोष यादव, सत्येन्द्र यादव, उपेन्द्र चौधरी, मो. हदिश अंसारी, सत्यनारायन यादव, मोहन यादव, मिथिलेश यादव, मुखिया उमेश यादव, जितेन्द्र पासवान, फ्याज खान, भास्कर शर्मा, दिपक कुमार, सुर्यदेव यादव, रविन्द्र यादव, हंसराज यादव, सत्यप्रकाश सिंह, उमा यादव आदि उपस्थित थे.

राजद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल नेता.

राजद नेताओं ने संगठन का मनाया 28वां स्थापना दिवस

लातेहार। राजद के जिला कार्यालय में राजद नेता व कार्यकर्ताओं ने संगठन का 28वां स्थापना दिवस मनाया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम प्रवेश यादव ने किया. इस मोके पर जिला अध्यक्ष ने पार्टी का झंडोत्तोलन किया. इसके बाद राजद नेता व कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से केक काटा और एक दूसरे को मुबारकबाद दी. मौके पर संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि राजद पार्टी ने हमेशा से सामाजिक न्याय की लड़ाई है. हर गरीब, गुरबा, मजदूर व दलित की आवाज सड़क से संसद तक पहुंचाया है. जिला उपाध्यक्ष रंजीत यादव ने कहा कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव व राजद के नीति व सिद्धांतों को गांव गांव तक पहुंचाना आवश्यक है.

केक काटते राजद नेता.

उन्होने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लग जाने की अपील की. मौके पर प्रदेश महासचिव अजय चंद्रवंशी, जिला प्रधान महासचिव मोहर सिंह यादव, जिला सचिव दामोदर यादव, लातेहार प्रखंड अध्यक्ष नेजाम अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष रामसेवक उरांव, बरवाडीह आदित्य यादव, जिला सचिव नेशार अहमद, एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष बिट्टू सिंह, चंदवा प्रखंड अध्यक्ष अजीत श्रीवास्ताव, अनिल सिंह, बिडियो सिंह, संतोष यादव, विशुन देव कुमार, चिंटू यादव, श्याम बिहारी यादव, उपेंद्र राम, शनि वर्मा, चंद्रदेव सिंह व धीरेंद्र यादव समेत कई लोग मौजूद थे. कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने जिला उपाध्यक्ष के पद पर रघुपाल सिंह नाम की घोषणा की.

विधायक ने किया अस्पताल का निरीक्षण

छतरपुर (पलामू)। विधायक पुष्पा देवी ने छतरपुर अनुमंडल अस्पताल और कवलवास बालिका उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया . चिकित्सक की कमी और महिला चिकित्सक नहीं होने को लेकर उपायुक्त से बात की . वहीं कवलवास बालिका विद्यालय की स्थिति को देखते हुए कहा कि विधायक कोटा मद से विद्यालय में अतिरिक्त कमरों का निर्माण कराया जाएगा . उनके साथ पूर्व सांसद सह भाजपा नेता मनोज कुमार तथा भाजपा के कार्यकर्ता भी मौजूद थे . विधायक के निरीक्षण के क्रम में बताया गया कि छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में 18 चिकित्सक का पद सृजित है . लेकिन अस्पताल में सिर्फ 5 चिकित्सक ही उपस्थित मिले जिनमें एक भी महिला चिकित्सक नहीं थीं . विधायक ने डीसी से कहा कि यहां महिला डॉक्टर का होना अति आवश्यक है .

चंदवा प्रखंड मुखिया संघ को भंग कर दिया गया

चंदवा (लातेहार)। चंदवा पश्चिमी पंचायत भवन में शुक्रवार को मुखिया संघ सचिव रंजीता एक्का की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई. बैठक में प्रखंड के कई मुखिया उपस्थित थे. मुखिया संघ के अध्यक्ष की व्यस्तता और संघ के कार्यों में समय नहीं दे पाने के कारण संघ के सदस्यों ने सम्मति से निर्णय लेकर समिति को भंग कर दिया गया. मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत उंराव ने बताया कि वे झामुमो युवा मोर्चा का सदस्य हैं और अपनी व्यस्तता के चलते संघ को समय नहीं दे पाते हैं. संघ के भंग होने से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है और वे संघ का सदस्य बने रहेंगे. मुख्य संघ सचिव ने बताया कि जल्द ही नई कमेटी का गठन किया जाएगा.

न्यूज अपडेट

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण आवश्यक

चंदवा (लातेहार)। भाजपा नेता चेतलाल रामदास ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण करने की अपील लोगों से की. उन्होंने कहा कि असंतुलित पर्यावरण को अधिक से अधिक पौधरोपण से ही बचाया जा सकता है. श्री रामदास प्रधानमंत्री के अपील पर चलाये जा रहे एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान के तहत किये जा रहे पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि प्रकृति हमें सब कुछ देती है, लेकिन हम बदले में प्रकृति को कुछ भी नहीं देते हैं. हमारा दायित्व है कि हम प्रकृति से उतना ही लें, जितनी हमारी जरूरत है. आज जिस अनुपात में पेड़ काटे जा रहे हैं, उस अनुपात में लगाये नहीं जा रहे हैं और यही सबसे बड़ी चिंता का विषय है. हमें जल का भी संरक्षण करना है.

पौधरोपण करते चेतलाल रामदास.

मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले रामचंद्र चंद्रवंशी

विश्रामपुर (पलामू)। झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सह विश्रामपुर विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी आज रांची सर्किट हाउस में कृषि व ग्रामीण विकास के केंद्रीय मंत्री सह झारखंड प्रभारी शिवराज सिंह चौहान से औपचारिक मुलाकात की. श्री चंद्रवंशी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को गुलदस्ता भेंट कर बधाई भी दी. इसके अलावा उन्होंने श्री चौहान के साथ घंटो बैठ कर क्षेत्र से जुड़ी कई राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा भी किया. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी विश्रामपुर विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी से उनका कुशल क्षेम पूछा.

शिवराज सिंह चौहान से मिलते रामचंद्र चंद्रवंशी.

स्कूल में एक दिवसीय परामर्श शिविर का आयोजन

महुआडांड़(लातेहार) नेतरहाट के जंगल वारफेयर स्कूल में पीटीसी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओ के लिए चिकित्सीय परामर्श शिविर का आयोजन किया गया. इसकी अध्यक्षता पुलिस उप निरीक्षक सह प्राचार्य धनंजय कुमार सिंह ने किया. परामर्श के लिए महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक रवि कुमार उरांव ने शिविर में भाग लिया. उन्होने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओ को स्नेक बाइट से फौरन बचाव व इलाज, हायजिनिग से संबंधित इलाज व ब्लड डोनेशन से होने वाले लाभों के बारे में बताया. इसके अलावा उन्होने अन्य कई सिजनल व वायरल बीमारियों की जानकारी व बचने के उपायों के बारे में बताया. प्राचार्य धनंजय कुमार सिंह ने स्वास्थ्य संबंधित कई जानकारियां दी.

शिविर में उपस्थित पुलिस अधिकारी.

परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

हुसैनाबाद (पलामू)। मवि हुसैनाबाद के प्रांगण में झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रांची प्रोजेक्ट रेल परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रधानाध्यापक कन्हैया प्रसाद ने एक सादे समारोह आयोजित कर पुरस्कृत किया और कहा कि विभाग का यह प्रयास सराहनीय है.बच्चों में पढ़ाई लिखाई के प्रति अभिरुचि बढ़ रही है.उल्लेख्य है कि 2024-25 सत्र के आरंभकाल में चार सप्ताह तक पिछले वर्ग से ही प्रश्न पूछे जायेंगे. विभिन्न वर्गों से उत्कृष्ट अंक लानेवाले तीन तीन लड़कों को पुरस्कार दिया गया. इस कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक कन्हैया प्रसाद, सहायक शिक्षकों में मो० जुबैर अंसारी, राजेश कुमार गुप्ता, राजेश कुमार, प्रमोद मेहता ,पुष्पा कुमारी, आशा कुमारी, पूनम कुमारी, रश्मि प्रकाश उपस्थित थे.

विद्यार्थियों को सम्मानित करते प्रधानाध्यापक.

तुलसीदास कॉलेज में किया गया पौधरोपण

विश्रामपुर/पलामू। संत तुलसीदास महाविद्यालय में साप्ताहिक वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत पौधरोपण किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत कालेज के प्राचार्य संतोष कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के तहत कई औषधीय पौधा, फूल, नारियल आदि पौधा लगाकर इसकी शुरुआत की गई. मौके पर प्राचार्य ने कहा कि हमारे जीवन में पेड़ों का बहुत महत्व है. हम सभी को सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता है. जो हम सभी को पेड़ों के माध्यम से हीं मिलती है. ऐसे में इस पुनीत कार्य के लिए सभी को अपने-अपने घरों सहित सार्वजनिक स्थान के आसपास में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पौधरोपण करने का अपील किया. इसे चुनौती मानकर पूरा करने के लिए संकल्प लेने की जरूरत है. कहां कि खाने से ज्यादा जरूरत ऑक्सीजन की है. राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी राकेश कुमार शुक्ला ने कहा कि यह कार्यक्रम आगामी 7 जुलाई तक चलेगा. महाविद्यालय परिसर में कई पौधा लगाए गए. जिसमें महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ श्याम मिश्रा ने अपनी मां के नाम एक पौधा भी महाविद्यालय में लगाया.

दिनेश कुमार की पुस्तक फेरीवाला का विमोचन

मेदिनीनगर। रांची के धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय निपुण समागम महोत्सव में मेदिनीनगर प्रखंड अंतर्गत राजकीय बुनियादी विद्यालय पोलपोल के प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार शुक्ला रचित बाल साहित्य की पुस्तक फेरीवाला का विमोचन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के प्रभारी सचिव उमाशंकर सिंह व झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने संयुक्त रूप से किया. इस संबंध में पुस्तक के रचनाकार श्री शुक्ला ने बताया कि राज्य के सात शिक्षकों की रचना बाल साहित्य में सम्मिलित की गई है. इन सभी बाल साहित्य की पुस्तकों को राज्य के 35000 विद्यालयों में प्राथमिक बच्चों को पढ़ने हेतु लाइब्रेरी में भेजा जाएगा. सभी रचना कारों को विमोचन कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने पत्र जारी कर आमंत्रित किया था.

पुस्तक का विमोचन करते अतिथि.

प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ व कलश यात्रा में शामिल हुईं विधायक

कलश यात्रा में शामिल विधायक व अन्य.

संवाददाता । पाटन (पलामू)

पाटन प्रखंड के सतौआ गांव में भगवान भोले शंकर की प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ एवं कलश यात्रा में विधायक श्रीमती पुष्पा देवी और पूर्व सांसद भाजपा नेता मनोज कुमार शामिल हुए. बम भोले शंकर के नारे से पूरा क्षेत्र खिल उठा. वा मौके पर पूर्व विधायक बिट्टू सिंह, पूर्व जिप भोला सिंह, जिप संग्राम सिंह, जिला कार्यकारिणी सदस्य अशोक तिवारी, जिप विधायक प्रतिनिधि उमेश सिंह, पाटन मंडल विधायक प्रतिनिधि संजय कुमार सिंह, पाटन युवा मंडल अध्यक्ष अभिषेक कुमार सिंह, पाटन मंडल अध्यक्ष संजय सिंह, पाटन मंडल मंत्री आनंद सिंह, निरंजन पासवान, बबल प्रसाद, ओमप्रकाश पांडे, यमुना प्रसाद से मरी पंचायत के मुखिया पति शिव शंकर प्रसाद, कुश सिंह, चंद्रकांत उपाध्याय, गुड्डू सिंह, प्रमोद सिंह, जमुना प्रसाद, ओमप्रकाश पांडे, विकास उपाध्याय, नवीन उपाध्याय, जंघासी पंचायत के मुखिया पति मुकेश सिंह, राजू माली, मुख्य यजमान उमाकांत सिंह, नॉलेज सिंह, वृंदा देवी, उषा देवी, नीलम देवी, प्रतिमा देवी, किरण देवी, सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने इस कलश यात्रा में भाग लिया.बम भोले शंकर के जयकारों के साथ पूरा इलाका गुंजायमान हो गया.

अमही में कुकही नदी पर पुल निर्माण की स्वीकृति मिली

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद हरिहरगंज विधायक कमलेश कुमार सिंह ने विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि हुसैनाबाद हरिहरगंज की सभी महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़कों व पुल पुलिया का निर्माण कराया जा चुका है. कुछ पर कार्य चल रहा है. हुसैनाबाद के सुदूरवर्ती गांव अम्ही के समीप कुकही नदी पर पुल निर्माण कार्य की मांग लगातार ग्रामीणों के द्वारा की जा रही थी. ग्रामीण कार्य विभाग झारखंड सरकार ने इसे स्वीकृति प्रदान कर दी है. श्री सिंह ने कहा है कि वह लगातार क्षेत्र की समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास करते हैं. जनता से उन्होंने जो वादा किया था, उसे पूरा करना उनका दायित्व निभाने में जुटे है. उन्होंने कहा कि कुकही नदी पर पुल निर्माण हो जाने से दर्जनों गांव के लोगों को लाभ होगा. विधायक श्री सिंह ने कहा कि बड़ी सड़कों के बाद अब गांव की छोटी छोटी सड़कों का निर्माण कराने की दिशा में वह आगे बढ़े हैं. ग्रामीण कार्य विभाग से हुसैनाबाद की पांच सड़कों को भी स्वीकृति दिलाई गई है.

सेप्टिक टैंक के गैस रिसाव से मवि की चार छात्राएं बेहोश

स्कूल पहुंचे कार्यपालक दंडाधिकारी हंस हेम्ब्रम ने घटना की जांच की.

संवाददाता । गढ़वा

जिले के श्री बंशीधर नगर प्रखंड अंतर्गत कोलझिंकी गांव में सेप्टिक टैंक से गैस रिसाव होने से उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोलझिकी की चार छात्राएं बेहोश हो गईं. घटना शुक्रवार दोपहर की है. बेहोश होने की सूचना मिलते ही स्कूल में अफरा-तफरी मच गई. स्कूल के शिक्षकों ने तत्काल इसकी सूचना अनुमंडल प्रशासन को दी.

एसडीओ प्रभाकर मिर्धा के निर्देश पर कार्यपालक दंडाधिकारी हंस हेंब्रम, थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक एवं अनुमंडल अस्पताल की डीएस डॉ. सुचित्रा कुमारी के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने आनन-फानन में स्कूल पहुंचकर बीमार बच्चियों की स्वास्थ्य जांच की. स्कूल में ही बच्चियों को स्लाईन चढ़ाया गया और दवा दी गई, जिसके बाद सभी के सेहत में सुधार हुआ.

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार स्कूल के बगल में स्थित इम्तेयाज अंसारी की सेप्टिक टैंक से निकली गैस के कारण उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोलझिकी में अध्ययनरत चार छात्राएं बेहोश हो गई. स्कूल पहुंचे कार्यपालक दंडाधिकारी हंस हेम्ब्रम ने घटना की विस्तृत जांच की.

निरीक्षण

सिटी स्कैन, एमआरआई व डिजिटल एक्सरे चालू कराने के दिए निर्देश

टूटेंगे एमएमसीएच के जर्जर भवन, बनेगा वाशिंग कॉम्प्लेक्स

संवाददाता । मेदिनीनगर

पलामू उपायुक्त शशि रंजन ने शुक्रवार को एमएमसीएच का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने एमएमसीएच में भर्ती मरीजों को उपलब्ध करायी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली. सर्वप्रथम उन्होंने इमरजेंसी वार्ड के प्रत्येक वार्ड का अवलोकन किया. उपायुक्त ने सिविल सर्जन को पुराने खिड़कियों को बदलकर नया पर्दा लगवाने व बेडशीट चेंज करने के निर्देश दिये.

इस दौरान उन्होंने मरीज को दी जाने वाली सुविधा को लेकर वार्ड में भर्ती मरीज़ों से बात कर अस्पताल का फीडबैक लिया. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री रंजन ने ब्लड बैंक के बगल में जर्जर पड़े भवन को ध्वस्त कर उस स्थान पर वॉशिंग कंपलेक्स व शौचालय बनाने के निर्देश दिए. इसे लेकर उन्होंने संबंधितों को संचिका बढ़ाने की बात कही. उपायुक्त ने सीएस व अन्य संबंधितों को पुराने बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर सिटी स्कैन, एमआरआई और डिजिटल एक्सरे मशीन का अधिष्ठापन कराने की बात कही. साथ ही पुराने ऑपरेशन थिएटर को मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर में बदलने को लेकर निर्देशित किया. उन्होंने कहा कि आईसीयू के अधिष्ठापन को लेकर वे स्वयं सचिव से पत्राचार करेंगे. उन्होंने आईसीयू के अधिष्ठापन को लेकर भवन निर्माण को प्राक्कलन तैयार करने की बात कही. इसी तरह उन्होंने मदर एंड चाइल्ड हेल्थ केअर यूनिट सहित अन्य वार्डो का भी ज़ायज़ा लिया. मौके पर सिविल सर्जन डॉ अनिल सिंह, डीपीएम दीपक समेत अन्य उपस्थित थे.

एमएमसीएच का निरीक्षण करते उपायुक्त व अन्य.

आवासीय विद्यालय गारू में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

संवाददाता । लातेहार

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया के निर्देश पर कानूनी सहायता केंद्र महुआडांड़ के पीएलवी इंद्रनाथ प्रसाद के द्वारा राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, गारू में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में श्री कुमार ने मादक पदार्थों के दुरूपयोग समेत अन्य कई सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक किया. प्रसाद ने कहा कि मादक पदार्थों के सेवन से न सिर्फ मनुष्य का शरीर बर्बाद होता है, बल्कि उसका पूरा परिवार भी बर्बाद होता है. यह एक सामाजिक क्षति है. उन्होंने नशापान से दूर रहने की अपील छात्रों से की. उन्होंने कहा कि गुटका, सिगरेट व तंबाकू से कैंसर जैसे असाध्य रोग तक होते हैं. आगे श्री प्रसाद ने मानव तस्करी के बारे में कई जानकारियां दी. उन्होंने कहा कि बिचौलिये प्रलोभन देकर गांव के भोले भाले युवक व युवतियों को काम कराने परदेश ले जाते हैं. लेकिन वहां उनका शोषण किया जाता है. उन्होंने किसी लालच में अपने बच्चों को बाहर नहीं भेजने की अपील की. कहा कि सरकार के द्वारा गांव में शिक्षा व रोजगार की व्यवस्था की गयी है. श्री प्रसाद ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा दी जाने वाल सुविधाओं से भी लोगों को अवगत कराया.

कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 06 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~3~~ ● वर्ष : 2, अंक : 88 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

नरेगा वॉच के ज्ञापन में प्रो. ज्यां द्रेज, जेम्स हेरहंज, अपूर्वा गुप्ता व अशर्फी नंद प्रसाद के हस्ताक्षर

अबुआ आवास योजना में भ्रष्टाचार उजागर करने वालों पर प्राथमिकी गलत

संवाददाता। लातेहार

अबुआ आवास योजना में भ्रष्टाचार उजागर करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों पर प्रशासन के द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराने के मामले को भोजन का अधिकार अभियान एवं नरेगा वॉच ने गलत ठहराया है. इसे लेकर दोनों संगठनों के प्रो. ज्या द्रेज, जेम्स हेरहंज, अपूर्वा गुप्ता व अशर्फी नंद प्रसाद ने उपायुक्त व लातेहार को एक ज्ञापन सौंपा है. साथ ही इसकी जांच कर प्राथमिकी वापस लेने की मांग की है. आवदेन में कहा गया है कि नरेगा सहायता केंद्र महुआडांड़ की अफसाना खातून व प्रशांता किंडो, जल सहिया कुंती देवी, महिला स्वयं सहायता समूह की सरस्वती देवी,

वार्ड सदस्य डोलोरोसा मिंज, अनूप कुमार,रीना देवी व उप मुखिया महुआडांड़ चंद्रमणि देवी ने आरटीआई से प्राप्त अबुआ आवास योजना के लाभुकों की सूची का गत 22 से 24 मई तक घर-घर जाकर सत्यापन किया था. इसमें भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत पाए गये थे. मुख्यतः अयोग्य व पक्के घर में रहने वाले संपन्न लोगों के लिए आवास योजना स्वीकृत की गयी थी. स्थानीय प्रशासन द्वारा इनके पुराने आवास की स्थिति में कच्चा मकान दर्ज किया गया है.

26 मई को महुआडांड़ में ग्राम प्रधान विकास उरांव की अध्यक्षता में ग्रामसभा की गयी. ग्रामसभा में गलत तरीके से चुने गए लाभार्थियों के आवास रद्द करने, अनियमितता की प्रशासनिक जांच करने और दोषियों के विरुद्ध न्यायसंगत कार्रवाई करने का प्रस्ताव पारित करने की मांग की गयी. इस प्रस्ताव के आधार पर 29 मई को ग्राम प्रधान द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी को शिकायत दी गयी. लेकिन इस धोखाधड़ी की जांच करने के बजाय बीडीओ ने सर्वेक्षण टीम व ग्राम प्रधान के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया और चार जून 2024 को उनके खिलाफ एक झूठी प्राथमिकी (केस सं 28/2024, दिनांक 04/06/2024 थाना महुआडांड़) दर्ज करवा दी. भोजन का अधिकार अभियान व नरेगा वॉच ने लातेहार के उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक से अविलंब फर्जी प्राथमिकी (केस सं 28/2024, दिनांक 04/06/2024 थाना महुआडांड़) को रद्द कर टीम के सभी सदस्यों को इस मामले से पूर्णतः बरी करने व दोषियों पर कार्रवाई करने की माग की है.

क्या है पूरा मामला

अफसाना खातून, प्रशांता किंडो, कुंती देवी, सरस्वती देवी, डोलोरोसा मिंज, अनूप कुमार, रीना देवी, चंद्रमणि देवी द्वारा आरटीआई से प्राप्त अबुआ आवास योजना के लाभुकों की सूची का 22-24 मई 2024 को घर-घर जाकर सत्यापन किया गया. इससे भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत पाए गए, मुख्यतः अयोग्य व पक्के घर में रहने वाले संपन्न लोगों के लिए आवास योजना स्वीकृत की गयी है एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा इनके पुराने आवास की स्थिति में 'कच्चा मकान' दर्ज किया गया है. 26 मई को महुआडांड़ ग्राम सभा ने, ग्राम प्रधान विकाश उरांव की अध्यक्षता में, बैठक कर निम्न प्रस्ताव पारित किया - गलत तरीके से चुने गए लाभार्थियों के आवास रद्द हो, अनियमितता की प्रशासनिक जांच हो व दोषियों के विरुद्ध न्यायसंगत कार्रवाई हो. इस प्रस्ताव के आधार पर 29 मई को ग्राम प्रधान द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी को शिकायत दी गयी. दुर्भाग्य से, इस धोखाधड़ी की जांच करने के बजाय, बीडीओ ने सर्वेक्षण टीम व ग्राम प्रधान के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया और 4 जून 2024 को उनके खिलाफ एक झूठी प्राथमिकी (केस सं 28/2024, दिनांक 04/06/2024 पी.एस. महुआडांड़) दर्ज करवाया.

पेसा कानून को भी ताक पर रख प्रखंड विकास पदाधिकारी महुआडांड़ कर रहे काम

भोजन का अधिकार अभियान व नरेगा वॉच का मानना है कि प्रखंड विकास पदाधिकारी का आरोप न केवल भ्रष्टाचार को छुपाने की कोशिश है, बल्कि संविधान का भी खुला मज़ाक है. संविधान सबको औपचारिक/अनौपचारिक एसोसिएशन (समूह/संघ/समिति) बनाने का अधिकार देता है. पांचवी अनुसूची के प्रवधानों व पेसा कानून अंतगत ग्राम प्रधान को गांव में हर योजना के स्वतंत्र निरीक्षण का पूर्ण अधिकार है व झारखंड पंचायती राज अधिनियम अंतर्गत वार्ड सदस्यों को भी यह अधिकार है. एवं हर नागरिक को सरकारी पैसों के इस्तेमाल पर निगरानी रखने एवं पारदर्शिता व जवाबदेही मांगने का भी पूर्ण अधिकार है. अभियान का यह भी स्पष्ट कहना है कि अफ़साना समेत जांच दल के सभी सदस्य व ग्राम प्रधान उनके परिचित हैं और उनकी रिपोर्ट वास्तविक है. अफसाना खातून खुद बहुत साहसी और ईमानदार महिला हैं जो कई वर्षों से महुआडांड़ में भ्रष्टाचार का बहादुरी से विरोध कर रही हैं.

क्या है अभियान की मांग

भोजन का अधिकार अभियान व नरेगा वॉच ने लातेहार के उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक से मांग किया है कि अविलंब फर्जी प्राथमिकी (केस सं 28/2024, दिनांक 04/06/2024 P.S. महुआडांड़) को रद्द किया जाए, टीम के सभी सदस्यों को इस मामले से पूर्णतः बरी किया जाए तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी, महुआडाड़ व महुआडांड़ के ग्राम पंचायत मुखिया, पंचायत सचिव सहित इस धोखाधड़ी व भ्रष्टाचार के लिए दोषी सभी लोगों के विरुद्ध न्यायसंगत कार्रवाई की जाए.

ब्रीफ खबरें

पत्नी पर किया हमला मासूम की हो गई मौत

गुमला। पति-पत्नी के विवाद में मासूम की जान चली गई. घटना घाघरा थाना क्षेत्र के गोमट गांव की है. शुक्रवार को पति मोहन उरांव ने अपने पत्नी चारो देवी को गोमट से अपना गांव कुतरी चंवरा चलने के लिए कहा तब पत्नी ने अपने आठ माह के बच्चे को दूध पिला रही थी. वह एक दिन और मायके में रुकने की जिद करने लगी. दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और गुस्से में कुदाल उठा कर पत्नी पर हमला बोल दिया. इस हमले में बच्चे की मौत हो गई और पत्नी चारो देवी घायल हो गई. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने हमलावर मोहन उरांव को गिरफ्तार कर लिया है. घायल चारो देवी का इलाज चल रहा है.

पंजाब पुलिस की होटल में छापेमारी, संचालक गिरफ्तार

गुमला। गुमला पुलिस के सहयोग से पंजाब पुलिस ने गुरुवार की रात गुमला बाइपास स्थित होटल सेलिब्रेशन इन में छापेमारी की और होटल संचालक कमल सिंह को गिरफ्तार कर लिया. शुक्रवार को मेडिकल जांच के बाद होटल संचालक को पंजाब पुलिस अपने साथ ले गई. पंजाब पुलिस पदाधिकारी इंस्पेक्टर रमन कंबोज के अनुसार फाजिल्का जिला के कुंयासरवा थाना में अफीम कारोबार से जुड़ा एक मामला दर्ज है, जिसमें गुमला के कमल सिंह ने 66 किलोग्राम अफीम की खरीददारी की है. अनुसंधान में कमल सिंह का नाम आने के बाद पंजाब पुलिस के पांच सदस्यीय टीम गुमला पहुंची और गुमला थाना पुलिस के सहयोग से गुरुवार की रात होटल सेलिब्रेशन इन में छापेमारी की. पुलिस ने होटल से मादक पदार्थ हाथ नहीं लगने की बात कही है. लेकिन पूछताछ जारी है.

माओवादियों के दो बड़े जोनल कमांडर ने किया आत्मसमर्पण

लातेहार पुलिस की बड़ी सफलता

आशीष टैगोर। लातेहार

दोनो पर है 10-10 लाख के हैं इनामी, डीआईजी, डीसी व एसपी भी थे मौजूद

लातेहार डीसी गरिमा सिंह नक्सली कमांडरों को गुलदस्ता देकर मुख्यधारा में शामिल करती हुईं. दोनों को मिले 10-10 लाख रुपए के चेक.

लातेहार पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. माओवादियों के दो बड़े जोनल कमांडर नीरज सिंह खरवार उर्फ संजय खरवार और सालमन उर्फ लोकेश गंझू उर्फ राजकुमार गंझू ने शुक्रवार को पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया. दोनों पर 10-10 लाख रुपए का इनाम था. दोनों नक्सली कमांडरों पुलिस डीआईडी पलामू वाईएस रमेश, उपायुक्त गरिमा सिंह व एसपी अंजनी अंजन के समक्ष पुलिस मुख्यालय में सरेंडर किया. मौके पर सीआरपीएफ के कमांडेंट केडी जोशी व बीपी त्रिपाठी मुख्य रूप से मौजूद थे.

डीआईजी व अन्य अधिकारियों ने इन दोनों माओवादियों को बुके और शॉल भेंट कर सम्मानित किया और समाज की मुख्यधारा में लौटने की बधाई दी. मौके पर दोनों माओवादियों के परिजन मौजूद थे. सालमन ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 22 सालों से माओवादियों के साथ रहा. माओवादियों के द्वारा लगातार दबाव दिये जाने के कारण वह भाकपा माओवादी में शामिल हुआ था. वह 2016 से बूढ़ा पहाड़ में छोटू खरवार के साथ काम कर रहा था. उसने लातेहार व लोहरदगा क्षेत्र के कई घटनाओं को अंजाम दिया है. जबकि नीरज गंझू ने बताया कि वह वर्ष 2004 में भाकपा माओवादी में शामिल हुआ था. 2013 में जोनल कमांडर बनाया गया. उसने 2013 में मेदिनीनगर-रांची मुख्य पथ पर पतकी जंगल में आइइडी लगाने, 2018 में बारेसांढ़ के कुजरूम जंगल में झारखंड जगुआर के साथ मुठभेड़ और अन्य कई प्रमुख वारदातों में शामिल रहा है. सालमन पर 11 व नीरज पर विभिन्न थानों में 24 मामले दर्ज हैं.

अन्य माओवादी भी कर दें सरेंडरः रमेश

डीआईजी वाईएस रमेश ने अन्य माओवादियों से भी सरकार की नई पुर्नवास नीति के तहत सरेंडर करने की अपील की. कहा कि नक्सलियों का सफाया हो चुका है. जो बचे हैं, वो रडार पर हैं. अगर सरेंडर नहीं करते, तो गोली के शिकार होंगे. डबल बुल और ऑपरेशन ऑक्टोपस क्षेत्र में चलाया गया है और इसमें माओवादियों को काफी क्षति उठानी पड़ी है. इस अभियान में सीआरपीएफ, कोबरा व झारखंड जगुआर व जिला बल की कंपनियां शामिल रही हैं.

माओवादी कमजोर हुए हैंः एसपी

एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि दोनों के सरेंडर करने से माओवादी कमजोर हुए हैं. कहा कि नक्सलियों और उग्रवादियों के विरुद्ध जिले में कई अभियान चलाया गया है. प्रमुख नक्सलियों को हथियार सरेंडर के लिए मजबूर किया. ऑपरेशन डबल बुल के दौरान रिजनल कमेटी सदस्य रवींद्र गंझू के दस्ते को सुरक्षा बलों ने पूरी तरह से तोड़ दिया है. अब तक दर्जनों माओवादियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है. कई माओवादी मारे जा चुके हैं. माओवादियों के गढ़ बूढ़ा पहाड़ को खाली कराने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन आक्टोपस चलाया और बूढ़ा पहाड़ को खाली कराया. यहां अस्थाई पिकेट बना कर ग्रामीणों को राहत दी गई. यहां लगातार सामुदायिक पुलिसिंग की जा रही है.

प्रावधानों के अनुसार दी जाएगी सुविधाएं : उपायुक्त

डीसी गरिमा सिंह ने कहा कि इन दोनों ने सरकार की सरेंडर नीति नई दिशा से प्रभावित हो कर सरेंडर किया है. उन्हें सरकार के द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाएं दी जाएंगी. उन्हें 10-10 लाख का प्रतीकात्मक चेक सौंपा गया. शीघ्र ही अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी. उन्होंने अन्य उग्रवादियों व माओवादियों से इस नीति का लाभ उठाने की अपील की.

हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी

बिना दिमाग लगाये मजिस्ट्रेट ने आदेश पर साइन कर दिया, ट्रेनिंग पर भेजें

विधि संवाददाता। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने जमशेदपुर सिविल कोर्ट के एक न्यायिक दंडाधिकारी (ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट) के आदेश के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए गंभीर टिप्पणी की है. अदालत ने अपने आदेश में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट को आदेश पारित करने से पहले सावधानीपूर्वक विचार करने पर जोर देने के साथ रविवार और अन्य छुट्टियों पर मजिस्ट्रेट के लिए प्रशिक्षण का सुझाव दिया है. दरअसल जमशेदपुर सिविल कोर्ट ने दुष्कर्म के एक आरोपी के खिलाफ कुर्की का इश्तेहार और वारंट जारी किया था. जिसके खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी.

आदेश को जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरूपयोग होगा : इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में हुई. अदालत ने कुर्की के इश्तेहार और वारंट को रद्द करते हुए कहा कि अदालत को यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने सीआरपीसी की धारा 82 के तहत इश्तेहार जारी करके अवैधता की है. उन्होंने कानून की अनिवार्य आवश्यकताओं का पालन किये बिना आदेश पारित किया है इसलिए, यह कानून में टिकाऊ नहीं है और इसे जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरूपयोग होगा.

आदेश की कॉपी जमशेदपुर सिविल कोर्ट के प्रधान जिला जज को भेजने का निर्देश

अदालत ने अपने आदेश में गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस आदेश पर बिना दिमाग लगाये हस्ताक्षर कर दिये गये हैं, हाईकोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल को अपने इस आदेश की एक कॉपी जमशेदपुर सिविल कोर्ट के प्रधान जिला न्यायाधीश को भेजने का निर्देश दिया, और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि संबंधित न्यायिक मजिस्ट्रेट भविष्य में इस तरह की जल्दबाजी और गैर-विचारणीय कार्रवाई से बचें.

प्रेम प्रसंग में पलामू के युवक की चतरा में हत्या

संवाददाता। कुंदा (चतरा)

- शव की पहचान मनातू थाना क्षेत्र के करमा गांव निवासी कमेशर सिंह के पुत्र सुबोध कुमार के रूप में हुई
- मामले में दो नामजद के विरुद्ध केस दर्ज कर हत्यारों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है

कुंदा थाना क्षेत्र के अनगड़ा जंगल से पुलिस ने गुरुवार को एक युवक का संदेहास्पद स्थित में शव बरामद किया. शव की पहचान पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के करमा गांव निवासी कमेशर सिंह के 19 वर्षीय पुत्र सुबोध कुमार के रूप में हुई है. बताया जाता है कि हत्या प्रेम प्रसंग में हुई है. परिजनों ने बताया कि मंगलवार को सुबोध अपने घर से बाहर काम करने के लिए जा रहा था. जाने के क्रम में अपने चार-पांच दोस्तो के साथ दोपहर लगभग एक बजे अनगड़ा स्कूल के पास ताड़ी पीने लगा, इतनी देर में लड़की के भाई और एक अन्य व्यक्ति वहां पहुंचे, जब तक सभी कुछ समझ पाते कि दोनों ने सुबोध को जमीन पर गिरा दिया और हाथ पैर बांध कर जंगल की ओर ले गए. उपस्थित युवक हल्ला करने लगे तो दोनों ने कहा तुमलोग चुप रहो नही तो गोली मार देंगे और डर से चुप रहे. उसके बाद सुबोध को जंगल में लेजाकर ले जाकर लाठी डंडे व पत्थर से मार-मार कर हत्या कर दी गई. काफी खोज बीन के बाद सुबोध का शव अनगड़ा जंगल में मिला. जिसकी सूचना पुलिस को दी गई तो पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया. इस संबंध में थाना प्रभारी सनोज चौधरी ने बताया कि हत्या प्रेम प्रसंग का ही है. इस मामले में मृतक के पिता के फर्द ब्यान पर दो नामजद के विरुद्ध मामला दर्ज कर हत्यारों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है.

भंडरा में शिक्षा विभाग व विद्यालय प्रबंधन समिति की बड़ी लापरवाही

मिड डे मील में अंडा खाकर 16 बच्चे बीमार

लोहरदगा जिले के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुंद्दो का मामला

संवाददाता। भंडरा/लोहरदगा

एक बार झारखंड के लोहरदगा जिला अंतर्गत भंडरा प्रखंड क्षेत्र में शिक्षा विभाग और विद्यालय प्रबंधन समिति की बड़ी लापरवाही का मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है. यहां पर बता दें कि लोहरदगा जिला अंतर्गत भंडरा प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुंद्दो में मध्याह्न भोजन के साथ अंडा खाने से 16 बच्चे बीमार हो गए. आनन-फानन में सभी बीमार बच्चों को इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया गया जहां पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर संजय कुमार के नेतृत्व में सभी स्कूली बच्चों का इलाज किया जा रहा है. इधर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि सभी बच्चे सामान्य स्थिति में है. किसी तरह की खतरे की कोई संदेह नहीं है. उल्लेखनीय है कि भंडरा प्रखंड के पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुंडा में अध्यनरत बच्चे मध्यान भोजन खाने के बाद पेट में दर्द एवं उल्टी होने की शिकायत शिक्षकों से किया शिक्षकों के द्वारा स्थिति को समझते हुए इसकी सूचना पर यह पदाधिकारी को एवं चिकित्सा पदाधिकारी को दी गई चिकित्सा पदाधिकारी के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एंबुलेंस भेज कर सभी बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया एवं सभी बच्चों का इलाज किया जा रहा है इलाज के क्रम में बच्चों को आवश्यक दवा के साथ सलाइन की जा रही है. यहां पर अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय प्रबंधन समिति की लापरवाही से इतनी बड़ी घटना घटी है.

फूट प्वाइजनिंग का सूचना मिलते ही विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावक भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचे और पूरे स्थिति वस्तु का जायजा लिए. मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, प्रभारी प्रधानाध्यापिका सहित विद्यालय के अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं संयोजक भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बच्चों के साथ पहुंचे. यहां पर छात्रों का इलाज कर रहे डॉक्टर संजय कुमार ने बताया कि बच्चों के शिकायत एवं लक्षण को देखते हुए खराब या पुराना अंडा खाने से यह समस्या हुई है. फिर भी इलाज के बाद सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं. वहीं पूरे मामले पर भंडरा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जयनाथ महतो ने कहा कि बच्चों का इलाज चल रहा है. सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं ,फूड प्वाइजनिंग का मामला का कारण क्या है. इसकी बारीकी से जांच की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी.

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा में चिकित्सा पदाधिकारी संजय कुमार के नेतृत्व में चल रहा है बच्चों का इलाज

भंडरा सीएचसी में चल रहा है फूड प्वाइजनिंग से बीमार बच्चों का इलाज.

सूरतेहाल | बिना रजिस्ट्रेशन के बेरोकटोक चल रहे हजारीबाग नगर निगम के 70 वाहन

कोर्ट के आदेश को भी नहीं मानता सरकारी तंत्र

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

- न नंबर प्लेट, न ही इंश्योरेंस, टैक्स भी नहीं भरा गया
- 20 वर्षों से सरकार को हो रहा राजस्व का नुकसान

सड़क सुरक्षा व ट्रैफिक नियमों के अनुपालन को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार शहर में वाहन जांच अभियान चला रहा है. सोशल मीडिया पर आम लोगों से हेलमेट और कागजात लेकर वाहन चलाने और ट्रैफिक नियम को पालन करने के लिए लगातार जागरुक भी किया जा रहा है. इसका असर भी दिखने लगा है, अब 70% लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करने लगे हैं.

दूसरी ओर हजारीबाग नगर निगम कोर्ट के आदेश को ठेंगा दिखा रही है. दरअसल, नगर निगम में लगभग 70 छोटी-बड़ी गाड़ियां है. इन वाहनों के न तो कागजात हैं, न ही इंश्योरेंस, ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन नंबर हैं. इसके बावजूद शहर भर में नगर निगम के वाहन सारे नियम कानून को ताक पर रखकर सरपट सरपट दौड़ रहे हैं. इन वाहनों पर न तो ट्रैफिक अधिकारी की नजर पड़ती है, न ही डीटीओ की. शहर में लोगों के बीच नगर निगम के इन वाहनों की खूब चर्चाएं हो रही हैं. लोगों का कहना है कि नियम-कानून केवल सिर्फ आम लोगों के लिए ही हैं.

हजारीबाग नगर निगम परिसर में खड़ीं बिना नंबर की गाड़ियां.

सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा : सरकार व कोर्ट के आदेश को सरकारी तंत्र ही ठेंगा दिखा रहा है. नगर निगम के इन वाहनों का टैक्स भुगतान नहीं होने के कारण सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है. हालांकि, यह कोई नयी बात नहीं है, करीब 20 वर्षों से हजारीबाग नगर निगम ने अपने कई वाहनों का टैक्स जमा नहीं किया है. यहां तक कि नगर निगम के वाहन चलाने वाले कई चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं है.

> वर्तमान में हजारीबाग नगर निगम में लगभग 70 छोटे-बड़े वाहन हैं. इस बात की जानकारी है कि इन वाहनों का टैक्स नहीं दिया गया है. हालांकि, वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की गयी है, जो सही पाया गया है.
>
> – राजीव कुमार, सिटी मैनेजर, हजारीबाग नगर निगम.

उपायुक्त के जनता दरबार में एक दर्जन फरियादियों ने लगाई समस्याओं के समाधान की गुहार

आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

संवाददाता। हजारीबाग

समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया. उपायुक्त नैन्सी सहाय के निर्देश पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा निवेदिता रॉय ने आमजनों की समस्याओं को सुना तथा इसके त्वरित समाधान के निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया. इस अवसर पर शहरी सहित विभिन्न प्रखंड से आये लगभग एक दर्जन फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन समर्पित किये.

उपायुक्त के जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा निवेदिता रॉय आमजन की समस्याएं सुनती हुईं.

आवेदकों ने भूमि अतिक्रमण से सुरक्षा, भूमि त्रुटि सुधार, मारपीट, रोजगार प्रदान करने, दाखिल-खारिज, जमीन मापी, आवास, सरकारी योजना का लाभ सहित पेंशन आदि से संबंधित आवेदन देकर समाधान की मांग की. दुर्घटना में मृत्यु उपरांत आर्थिक संकट से जूझ रही कटकमदाग थाना क्षेत्र की रूबी कुमारी ने सरकारी सहायता एवं योजना से जोड़ने का अनुरोध किया, जिस पर उनके आवेदन को जिला समाज कल्याण विभाग को भेजते हुए उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया गया.

दिव्यांग ने विकलांगता पेंशन प्रदान करने का किया अनुरोध : वहीं बड़कागांव के दिव्यांग मासुम रजा ने आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए विकालंगता पेंशन से जोड़ने का अनुरोध किया, जिसके आवेदन को सामाजिक सुरक्षा को जांचोपरांत त्वरित कार्रवाई करते हुए लाभूक को योजना से जोड़ने का निर्देश दिया गया. इसके साथ ही तिलैडीह के स्थानीय ग्रामीणों ने गैरमजरुआ जमीन के अतिक्रमण से बचाने, नूरा की मंजू देवी ने रोजगार से जोड़ने, कटकमदाग की कैली देवीन ने पड़ोसियों द्वारा जमीन के लेकर मारपीटर करने, जैबुन निशा लोहसिंघना ने जमीन मापी, नेहा देवी नावाडीह ने मारपीट एवं जान से मारने की धमकी मिलने, मालो देवी टाटीझरिया ने भतीजे के पिता के देहांत के उपरांत मकान विहीन होने आदि से संबंधित आवेदन देकर इसके समाधान का अनुरोध किया. मौके पर आये सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए जांचोपरांत त्वरित करने का निर्देश दिया गया.

मजदूर कांग्रेस का सम्मेलन कल

संवाददाता। हजारीबाग

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव रेड्डी के आदेश अनुसार राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे समेत तमाम बड़े नेता शिरकत करेंगे. शुक्रवार को झारखंड राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुरजीत नागवाला और प्रदेश संयुक्त सचिव चंद्रशेखर मिश्र ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर बताया कि 7 जुलाई को टाउन हॉल में राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ संजय सिंह प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश ठाकुर समेत राज्य भर के प्रतिनिधि भाग लेंगे.

हजारीबाग समेत तमाम जगहों के मजदूर रैयत विस्थापितों के हक अधिकार की चर्चा करेंगे. हजारीबाग बड़कागांव केरेडारी के रैयत विस्थापित से मुलाकात करेंगे. प्रदेश

मजदूर कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुरजीत व संयुक्त सचिव चंद्रशेखर मिश्र.

प्रवक्ता सुरजीत नागवाला ने कहा है कि हजारीबाग में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस का कार्यक्रम होना अपने आप में ऐतिहासिक पल है और जिसका लाभ यहां के मजदूर, रैयत विस्थापितों को निश्चित रूप से होगा. आने वाले समय में जितने भी कोल मजदूर यूनियन के के लोग रहेंगे उनके परिवार के अधिकार और हितों की रक्षा राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस की इकाई निश्चित तौर पर करने का काम करेगी. कोयला उत्खनन कंपनियों के द्वारा की जा रही माइनिंग लॉ का उल्लंघन लेबर लॉ का उल्लंघन का जायजा लेंगे. ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों के द्वारा हो रहे प्रदूषण, सड़क सुरक्षा की अनदेखी, वाहन चालकों के साथ हो रहे अन्याय की समीक्षा करेंगे. नए सिरे से पूरे राज्य में राज्य स्तर पर मजदूर रैयत, विस्थापित, ठेका मजदूर दैनिक भोगी मजदूर, कोयला मजदूर, सरकारी गैर सरकारी कर्मचारी की अद्यतन स्थिति को देखते हुए संगठन पूरे तेजी से जन आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगी और इंटक से जोड़ने का अभियान चलाएगी. प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ नेता धीरज सिंह, दीपक गुप्ता, कजरू, साहू सुनील चंद्रवंशी, रामबिलाश सिंह आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

डीसी ने ली सुखाड़ राहत योजना की जानकारी

रामगढ़। मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना के तहत शुक्रवार को उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित ब्लॉक बी सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया. बैठक के दौरान उपायुक्त ने सर्वप्रथम अब तक मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना के तहत हुए लाभुकों के पंजीकरण की जानकारी ली. इस दौरान उपायुक्त ने अंचलवार संबंधित अंचल अधिकारियों, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारियों को लाभुकों को योजना का लाभ देने हेतु आवेदनों के सत्यापन का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करते हुए जिला स्तर पर आवेदनों को भेजने का निर्देश दिया. मुख्य रूप से आवेदक का नाम, बैंक खाता संख्या, आईएफएससी कोड आदि पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया.

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन

चरही। चरही पंचायत भवन सभागार में शुक्रवार को चुरचू प्रखंड बीएलओ मतदान केंद्र संख्या 23 से 58 तक बीएलओ सुपरवाइजर एवं भारतीय जनता पार्टी, आजसू , झारखंड मुक्ति मोर्चा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आदि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ द्वितीय मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया. इसकी अध्यक्षता निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित राम ने की. मुख्य रूप से बहेरा मुखिया देवकी महतो, चुरचू प्रखंड बीजेपी अध्यक्ष मुरारी सिंह, चरही मुखिया संझलि मुर्मू, मुखिया प्रतिनिधि महादेव सोरेन, बीएलओ सुपरवाइजर काशीनाथ गुप्ता, गौतम कुमार, सचिन कुमार आदि मौजूद रहे.

हजारीबाग का सुब्रतो कप टूर्नामेंट पर कब्जा

हजारीबाग। कर्जन ग्राउंड में प्रमंडलस्तरीय अंडर 17 बालिका वर्ग सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे और अंतिम दिन आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा, क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक सुमनलता टोपनो बलिहार की उपस्थिति में हजारीबाग एवं कोडरमा के बीच रोमांचक फाइनल मैच खेला गया, जिसमें हजारीबाग 3-0 से जीत दर्ज कर चैंपियन बना. टूर्नामेंट का शुरुआती मैच हजारीबाग एवं रामगढ़ के बीच खेला गया, जिसमें हजारीबाग 4-1 से विजयी रहा. दूसरे मैच में धनबाद ने बोकारो को 1-0 से हराया. चतरा ने गिरिडीह को टाई ब्रेकर में 4-0 से हराया. प्रथम सेमीफाइनल मैच कोडरमा एवं गिरिडीह के बीच हुआ जिसमे कोडरमा 4-0 से जीता. दूसरे सेमीफाइनल में हजारीबाग ने धनबाद को 4-0 से पराजित किया.

रथ यात्रा में शामिल होंगे हजारों श्रद्धालु

चौपारण। श्री जगरनाथ मंदिर सियरकोनी द्वारा 7 जुलाई को आयोजित रथ यात्रा महामहोत्सव की तैयारियां अब अंतिम रूप ले रही हैं. रथ यात्रा को सफल बनाने के लिए आयोजकों द्वारा प्रचार प्रसार जोरों पर है. इसी कड़ी में बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने मुम्बई से पहुंचे इस्कॉन संकीर्तन मंडली के साथ बसरिया, रामपुर व सेलहारा में रथ को लेकर प्रचार प्रसार किया.इस दौरान बसरिया बुध बाजार से संकीर्तन शुरू होकर डॉ बसंत नारायण उच्च विद्यालय तक चला. रामपुर बाजार में लोगों को रथ यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया. मध्य विद्यालय सेलहारा परिसर में स्कूली बच्चे, शिक्षक व आसपास के लोग हरि कीर्तन में खूब झूमे.

आईसेक्ट विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ, डॉ. रचना चतुर्वेदी बोलीं

जड़ों से जुड़कर संरक्षित होगी संस्कृति

- आदिवासी संस्कृति का संरक्षण, वर्तमान समय की मांग : डॉ. मुनीष
- प्रकृति संरक्षण में आदिवासी समाज की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. सरोज
- जनजातीय समुदाय से जीवन-यापन के तौर-तरीके सीखें
- आधुनिकता रोग ग्रस्त जीवन के लिए जिम्मेदार : डॉ दुमनी मुर्मू

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस सभागार में विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी के तत्वावधान में समाज शास्त्र विभाग की ओर से सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित "फॉरेस्टिंग एंटरप्रेन्योरशिप प्रिजर्विंग ट्राइबल कल्चर : करेंट आउटलुक, चैलेंजेज़ एंड प्रोस्पेक्ट्स इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ आत्मनिर्भर भारत" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ शुक्रवार को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएनटीयू भोपाल की प्राध्यापिका डॉ रचना चतुर्वेदी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची की डॉ दुमनी मय मुर्मू, बतौर मुख्य वक्ता विभावि भुगोल विभागाध्यक्ष डॉ सरोज सिंह, आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ व वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया.

कार्यक्रम की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि डॉ रचना चतुर्वेदी ने कहा कि पश्चिमी सभ्यता और संस्कृति को आत्मसात करने की भावना आधुनिकता की पहचान नहीं है बल्कि अपनी जड़ों से जुड़कर प्रकृति को नुकसान पहुंचाये बिना विकास के पथ पर अग्रसर होना असल में आधुनिकता की पहचान है. उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के उत्थान के बारे में सोंचा जाना जरूरी है पर उनके अस्तित्व को छेड़े बिना इस कार्य को पूरा किया जाना जरूरी है. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने कहा कि हमें आदिवासी समुदाय की संस्कृति बदलकर तथाकथित आधुनिक बनाने की दिशा में कदम ना उठाकर उनके नेचर को समझते हुए उनके अनुसार योजनाएं बनाए जाने और उसे धरातल पर उतारे जाने की आवश्यकता है. कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि सही मायने में देखें तो आदिवासी समुदाय हमारी संस्कृति को बचाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि आज आदिवासी संस्कृति का संरक्षण करना ना केवल वर्तमान समय की मांग है बल्कि उसे अपनाने की भी जरूरत है.

मुख्य वक्ता विभावि भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ सरोज कुमार सिंह ने कहा कि शहरों में विलासिता पूर्ण जीवन जी रहे तथाकथित आधुनिक लोगों का जीवन दवाइयों के सहारे आगे बढ़ रहा है जबकि आज भी आदिवासी समुदाय की दवाइयों पर निर्भरता बेहद कम है. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ दुमनी मय मुर्मू ने कहा कि वर्षों से आदिवासी समुदाय अपने स्वभाव से कई प्राकृतिक आपदाओं से मानव समुदाय को बचाते आए हैं. उन्होंने कहा कि हर समुदाय के लिए निरंतर विकास की आवश्यकता होती है. ऐसे में आदिवासी समुदाय के विकास के बारे में सोचना अच्छी बात है पर हम शहरों जैसी संस्कृति के लिए उन्हें बाध्य करें, यह अनुचित है. आईसेक्ट विश्वविद्यालय के डीन एडमिन डॉ एसआर व वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार ने भी आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण तथ्य रखे. मंच संचालन डॉ प्रीति व्यास व धन्यवाद ज्ञापन रितेश कुमार ने किया.

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि व अन्य.

सेमिनार को सफल बनाने में इनका रहा योगदान

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में पहले दिन के कार्यक्रम को सफल बनाने में कोर कमिटी के चेयरपर्सन डॉ बिनोद कुमार, डॉ एसआर रथ, डॉ रंजीत कुमार व शिव कुमार के अलावा अमित कुमार, डॉ बिनिता सिंह, डॉ पूनम चंद्रा, राजेश रंजन, माधवी मेहता, डॉ रोजीकांत, डॉ मनीषा सिंह, शुभा, रितेश लाल, रितेश कुमार, उदय रंजन, रविकांत, राहुल राजवार, संजय दांगी, डॉ अरविंद कुमार, मुकेश साव, हिमांशु चौधरी, सौरभ सरकार, अजय वर्णवाल, डॉ आरसी राणा, डॉ आलोक कुमार राय, आशा गुप्ता, नागेश्वरी कुमारी, राजेश कुमार, आदित्य कुमार, फरहीन सिद्दीकी, कोमल पल्लवी भेंगरा, मो शमीम अहमद, रोहित राणा सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

छह सत्र में पूर्ण होगा दो दिवसीय सेमिनार

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार छह सत्र में पूर्ण किए जाएंगे. शुक्रवार को उद्घाटन सत्र के दौरान आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने मुख्य अतिथि समेत सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला. दूसरा सत्र पैनलिस्ट सत्र रहा, जहां जनजातीय समुदाय की संस्कृति संरक्षण के लिए चुनौतियां और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उठाये जाने वाले कदम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. तकनीकी सत्र के रूप में आयोजित तीसरे सत्र के दौरान कई प्राध्यापकों व शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए और कई ने इसे लेकर अपने विचार भी रखे.

भ्रष्टाचार के खिलाफ आजसू का हल्ला बोल आज

जनहित के मुद्दों पर गंभीर नहीं सूबे की सरकार : दिलीप दांगी

प्रेस कॉन्फ्रेंस में आजसू पार्टी के रामगढ़ जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी व अन्य.

संवाददाता। रामगढ़

आजसू पार्टी के रामगढ़ जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी ने शुक्रवार को जिला कार्यालय रामगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ एवं विभिन्न जनहित की मांगों को लेकर 6 जुलाई को पार्टी द्वारा अनुमंडल कार्यालय रामगढ़ में हल्ला बोल कार्यक्रम किया जाएगा. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल है.

जनहित की योजनाएं धरातल पर नहीं हैं. राज्य में जमीन दाखिल - खारिज हेतु लाखों आवेदन लंबित हैं. अबुआ आवास योजना में पारदर्शिता नहीं है. मनरेगा का भुगतान नहीं हो रहा. छात्र - छात्राओं को जाती एवं आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा. किसानों को खाद एवं बीज की आपूर्ति समय पर नहीं हुई है. जिले सहित पूरे राज्य में बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमराई हुई है. सरकारी कार्यालयों में कर्मियों की उपस्थिति नगण्य रहती है अथवा समय से नहीं रहती है, जिससे दूर दराज से आने वाले ग्रामीणों का काम समय पर नहीं हो पाता. सरकारी योजनाओं में झारखंड आंदोलनकारियों को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है. पेंशनधारियों का पेंशन निर्बाध रूप से भुगतान नहीं किया जा रहा. राशन कार्ड धारियों को समय पर राशन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है. राशन की कटौती की जा रही है. सैकड़ों चापानल खराब पड़े हैं. ऐसे सैकड़ों जनहित के मुद्दों पर राज्य सरकार गंभीर नहीं है. इसके आलोक में पार्टी के द्वारा राज्य स्तरीय हल्ला बोल कार्यक्रम किया जा रहा है. इस क्रम में 6 जुलाई को रामगढ़ अनुमंडल कार्यालय में भी पार्टी के द्वारा हल्ला बोल कार्यक्रम किया जाएगा. कार्यक्रम के दौरान लिखित मांग पत्र अनुमंडल पदाधिकारी को सौंपा जायेगा.

उक्त कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ता एकजुट होकर प्रदर्शन करेंगे. राज्य में विधि व्यवस्था ध्वस्त है. युवा रोजगार के लिए पलायन को मजबूर हैं. राज्य में बढ़ रही अव्यवस्था के खिलाफ आजसू पार्टी निर्णायक आंदोलन को तैयार है. प्रेस कांफ्रेंस में नगर परिषद अध्यक्ष राजेश कुमार महतो, अरविंद महतो, नीतीश निराला मनोज कुमार महतो, कुंदन कुशवाहा, अंकित अग्रवाल, अरुण दांगी, लालू कुमार महतो, संजय सिंघानिया, नीतीश दांगी, अजय आस्था, संजीत पटेल, मनीष पटेल, कुलदीप महतो आदि मौजूद थे.

सेवा सहयोग समिति ने चार विद्यार्थियों को दी स्कॉलरशिप

मेधावी विद्यार्थी को स्कॉलरशिप प्रमाणपत्र देते संस्था के पदाधिकारी.

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग सेवा सहयोग समिति द्वारा जैक माध्यमिक परीक्षा में सदर विधानसभा क्षेत्र के समस्त प्रखंडों में सफल हुए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया था. इसके उपरांत सभी विद्यार्थियों की एक सामूहिक परीक्षा ली गई थी, जिसमें डेढ़ सौ विद्यार्थी शामिल हुए थे. इनमें चार विद्यार्थियों को सेवा सहयोग समिति द्वारा स्कॉलरशिप प्रदान की गई. इसमें विद्यार्थी की पढ़ाई से संबंधित सारा खर्च सेवा सहयोग समिति प्रदान करेगी. विद्यार्थी के रहने की व्यवस्था उन्हें स्वयं करनी होगी. स्कॉलरशिप पाने वालों में मुस्कान सिंह, नंदनी कुमारी, रोशनी सिंह, अंतू कुमार शामिल हैं. मौके पर युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने कहा कि सेवा सहयोग समिति द्वारा चार बच्चों को स्कॉलरशिप प्रदान की गई है, जिसमें प्राइवेट टीचर, किसान एवं ट्रक चालक के बच्चे शामिल हैं. बच्चों के उज्जवल भविष्य की हम सभी कामना करते हैं. उन्हें पढ़ाई के लिए हर संभव मदद के लिए हम लोग सदैव तैयार हैं.

सड़क सुरक्षा को लेकर बच्चों को किया जागरूक

हजारीबाग। यूसेट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले सड़क सुरक्षा विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया. इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर हजारीबाग के वरिष्ठ समाजसेवी टुन्नू गोप ने उपस्थित होकर सड़क सुरक्षा पर अपना विचार रखते हुए विद्यार्थियों को स्वयं एवं परिवार को सुरक्षित रखने की बात कही. तत्पश्चात मुख्य वक्ता के तौर पर राणा राहुल प्रताप ने अपने संबोधन में 1 जुलाई 24 से सड़क सुरक्षा पर लगे कानून की जानकारी विस्तार से दी. साथ ही समाज सेवकों को निशुल्क कानूनी सलाह देने की घोषणा की है. कार्यक्रम में मंच पर जुगनू जी एवं यूसेट के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉक्टर खेमलाल महतो भी उपस्थित थे. कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर एवं यूसेट के असिस्टेंट प्रोफेसर अरुण मिश्रा द्वारा स्वागत भाषण से किया गया. साथ ही अतिथियों को पुस्तक देकर सम्मानित भी किया गया.

बरकाकाना में जिला स्तरीय सम्मेलन सह कार्यकर्ता मिलन समारोह

अलग राज्य का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ : महतो

संवाददाता। रामगढ़

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति इकाई रामगढ़ का जिला स्तरीय सम्मेलन सह कार्यकर्ता मिलन समारोह एनटीएस बरकाकाना घुटूवा में संजीव साहू की अध्यक्षता तथा देवा नंद महतो के संचालन में संपन्न हुआ. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी सुप्रीमो जयराम महतो व विशिष्ट अतिथि पार्टी के प्रधान महासचिव फरजान खान उपस्थित हुए.

मुख्य अतिथि टाइगर जयराम महतो ने कहा कि झारखंड अलग राज्य कुछ उद्देश्य के साथ अलग हुआ था लेकिन सपना साकार नहीं हुआ. दुर्भाग्य यह है कि झारखंड में आज तक स्थानीय नीति, उद्योग नीति, नियोजन नीति, विस्थापन नीति नहीं बन पाई है. जयराम ने सभी को अनुशासन तथा पार्टी के नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी. कहा कि संगठन में सभी समुदायों के लोग सम्मिलित हैं. इसमें झारखंड किसान बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष व समाजसेवी पंकज महतो, आजसू पार्टी के जिला प्रधान सचिव हजारीबाग से कपिलदेव महतो, हाई कोर्ट अधिवक्ता शिव प्रसाद महतो, ज्योति महतो तथा अन्य दल के लोगों ने अपने दल बल के साथ टाइगर जयराम महतो के समक्ष जेवीकेएसएस का दामन थामा. सभी ने कहा कि हमलोग टाइगर जयराम महतो की विचारधारा से प्रभावित होकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा व झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति ज्वाइन किये हैं. निश्चित तौर पर 2024 एक बदलाव का संकेत है. जिला सम्मेलन में मुख्य रूप से जेवीकेएसएस के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो, केंद्रीय प्रधान महासचिव फरजान खान, रवि महतो, राजेंद्र बेदिया, पनेशवर महतो, संतोष टिडुवार, लीलावती महतो, रूपा महतो, शैल देवी, पवन महतो, जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, बिहारी महतो, डॉ. राजेश महतो के अलावा केंद्रीय पदाधिकारी आदि मौजूद रहे.

जिला स्तरीय सम्मेलन सह कार्यकर्ता मिलन समारोह में मौजूद पदाधिकारी.

17 लोगों ने रक्तदान कर दिया मानवता का परिचय

हजारीबाग। रिलायंस के फाउंडर चेयरमैन धीरूभाई अंबानी की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को संपूर्ण भारत में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इसी क्रम में हजारीबाग में शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन द्वारा स्थानीय कलु चौक स्थित जिओ ऑफिस में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन एवं जिओ सेंटर मेनेजर मनोज कुमार, एडमिन विमलेंदु मंडल, नागेंद्र कुमार और सुकेश झा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. शिविर का शुभारंभ जिओ सेंटर मेनेजर मनोज कुमार, सुकेश कुमार झा एवं नागेंद्र सिंह ने रक्तदान करके किया. तत्पश्चात मोहम्मद नौशाद आलम, पवन कुमार विश्वकर्मा,अमित सिंह, सौरभ कुमार, प्रेम राजपूत, विनोद कुमार सिंह, बलजीत सिंह, सुभाष कुमार, विनोद गुप्ता, विनय कुमार, निरंजन कुमार आदि ने रक्तदान किया.

आस्था रिमझिम बारिश के बीच दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा

जय मां काली के जयघोष से गुंजायमान हुआ हजारीबाग

संवाददाता। हजारीबाग

दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर से नवग्रह प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई जो शिवपुरी काली मंदिर से शिवपुरी चौक होते हुए लोहसिंहना रोड, बाडम बाजार, झंडा चौक से काली बाड़ी रोड होते हुए बुढ़वा महादेव तालाब पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजनोपरांत सैकड़ों महिला पुरुषों ने कलश में जल उठाया.

कलश में जल उठाने के बाद कलश लेकर भक्ति भाव के साथ कलश यात्री वापस दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर पहुंचे. कलश यात्रा के दौरान रिमझिम बारिश में कलश यात्रियों का उत्साह देखते बन रहा था. उक्त पूजन अनुष्ठान में आचार्य जगदीश शर्मा के साथ साथ मथुरा, अयोध्या व वाराणसी से आए 21 विद्वतगण पाठ करेंगे. कलश यात्रा के बारे में पूछे जाने पर मुख्य यजमान प्रशांत कुमार प्रधान ने बताया कि दक्षिणी शिवपुरी में भव्य काली मंदिर का निर्माण दो वर्ष पूर्व हुआ था जहां मां काली की प्रतिमा के साथ-साथ शिव परिवार, राम दरबार, दस महाविद्या, पंच मुखी हनुमान बटुक भैरव भगवान भास्कर दुर्गा माता, नवग्रह समेत अन्य देवी देवताओं का मूर्ति स्थापित कर प्राण प्रतिष्ठा किया गया था, लेकिन मंदिर में पूजा के दौरान शनि देव की मूर्ति खंडित हो गई थी, जिसके कारण नव प्रतिमा को स्थापित कर प्रतिष्ठित किया जाएगा. वहीं दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रभात कुमार प्रधान ने कहा कि दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद से शहर के लोगों के लिए आस्था का केंद्र बिंदु बना हुआ है. मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा दो वर्ष पूर्व हुआ था, जिसकी पूर्णाहुति 6 जुलाई 2022 को हुई थी. हजारीबाग के लोगों से अपील करते हुए प्रधान ने कहा की मां काली के मंदिर में आकर अवश्य पूजा करें और इस धार्मिक अनुष्ठान में पुण्य का भागी बनें. मौके पर डॉ (प्रो) प्रदीप कुमार प्रधान मोहर दास, निशांत कुमार प्रधान, अमर सिन्हा, अजय कुमार, सुधा प्रधान, सोनम प्रिया, मिताली रश्मि, कुंदन पाठक, किशोर सिन्हा, शम्भू शरण सिन्हा, अजय सिन्हा, राज कुमार, संजीव सिन्हा, भोला, रुपेश लाल, लक्ष्मण पाण्डेय श्रीकांत सिंह, निशिकांत सिंह, राजीव रंजन, संतोष कुमार, अमरेश सिंह, अमरजीत कुमार सिन्हा, संदीप सौरभ आदि मौजूद थे.

दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर से निकली कलश यात्रा में शामिल लोग.

महायज्ञ की तैयारियां अंतिम चरण में

भक्तिमय हुआ पूरा मोहल्ला

- बड़ा शिव मंदिर में आगामी 9 जुलाई से सात दिवसीय श्रीश्री 1008 श्री शतचंडी महायज्ञ होगा

संवाददाता। हजारीबाग

बड़ा शिव मंदिर में आगामी 9 जुलाई से सात दिवसीय श्री श्री 1008 श्री शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है. इसको लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं. पूरे मोहल्ले को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है. वहीं भव्य यज्ञ मंडप का निर्माण किया जा रहा है. महायज्ञ में देश के कई जाने-माने प्रवचनकर्ता पहुंच रहे हैं. यज्ञ समिति द्वारा बताया कि महायज्ञ के आचार्य वाराणसी के रणधीर शास्त्री हैं. महायज्ञ में यहां पूरे सात दिन तक हवन पूजन और यज्ञ के साथ रात्रि में प्रवचन का भी आयोजन किया गया है. साथ ही 16 जुलाई को रात्रि 9 बजे से मां अम्बे जागरण मंडली द्वारा भव्य जागरण का आयोजन भी करवाया जा रहा है. कार्यक्रम शुरू होने के पूर्व से ही मंदिर की भव्यता देखते ही बन रही है. महायज्ञ को लेकर 10 जुलाई को भव्य कलश यात्रा निकाला जाएगी. बताते चलें कि यज्ञ के एक सप्ताह पूर्व से ही पूरे मोहल्ले में भक्ति का माहौल हो चुका है.

लोहरदगा के भंडरा प्रखंड में 150 सालों से निकाली जा रही है रथ यात्रा, समिति की तैयारियां पूरी

रथ मेले को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, सजने लगीं दुकानें

शकील अहमद। भंडरा/लोहरदगा

जिले के भंडरा में आगामी सात जुलाई को ऐतिहासिक रथ यात्रा को पुलिसिया अभिरक्षा में मनाए जाने हेतु पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सख्ती के साथ कमर कस ली है. आयोजन समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों से पुलिस प्रशासन समन्वय स्थापित कर शांतिपूर्ण तरीके से रथ यात्रा संपन्न कराए जाने को लेकर शांति समिति की बैठक कर रणनीति बनाई गई है. यहां पर रथ यात्रा के अवसर पर भंडरा बाजार टांड में रथ मेला की तैयारी जोर-शोर चल रही है.

ऐतिहासिक रथ यात्रा को लेकर मंदिर परिसर के आस-पास साफ-सफाई की जा रही है. भगवान के रथ का रंग-रोगन का कार्य भी पूरी कर ली गई है. मंदिर और रथ की सजावट बुधवार से शुरू कर दी गई है. इधर रथ यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मेले के बीच में वोलेंटियर्स कैंप लगाया जा रहा है.

भंडरा में रथ यात्रा सह मेला को लेकर सजती मेला स्थल.

भंडरा 150 साल से लग रही भंडरा रथ मेला

सबसे पहले मिडिल स्कूल में मंदिर था गोविंद राम ज्योतिषी के अगुवाई में पूजा सा मेला का आयोजन किया जाता था, उसके बाद ब्रज किशोर राम पुरोहित के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना रथ यात्रा सह मेला के पावन अवसर पर कराया जाता था. इधर उमानाथ शर्मा के बाद वर्तमान समय में जग निवास शर्मा और राधा मोहन शर्मा के द्वारा कराया जा रहा है.

साथ ही सीसीटीवी कैमरा, ड्रोन व पांच बैरिकेडिंग की व्यवस्था रहेगी. इस बीच रथ यात्रा पर पुलिस कंट्रोल रूम बनाया जाएगा. इधर रथ यात्रा के दिन मेला स्थल पर अग्निशमन की भी व्यवस्था रहेगी. भंडरा में रथ यात्रा को कड़ी निगरानी रखे जाने हेतु प्रशासनिक स्टेज थाना के निकट बनाया गया है. साथ ही पांच जगह पर बैरिकेडिंग की जा रही है. जिसमें थाना क्षेत्र अंतर्गत मसमानो मोड़, भौरो मोड़, अखिलेश्वर धाम गेट, नौडीहा मोड़ पर बैरिकेडिंग लगाया जाएगा. इधर रथ यात्रा सह मेला को लेकर आयोजन समिति के लोग मेला में स्वंयसेवक के तौर पर अपनी सेवा देंगे. साथ ही मंदिर समिति द्वारा 60 स्वंयसेवक तैनात रहेंगे. मंदिर कमेटी के सेवक राधा मोहन शर्मा, ईश्वरी मोहन शर्मा, किशोरी मोहन शर्मा ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि मेला में 2000 छोटे-बड़े दुकानें लगेंगी.

खास बातें

- सीसीटीवी कैमरे से होगी निगरानी मेले की निगरानी
- पांच जगहों पर की जाएगी बैरिकेडिंग

ब्रीफ खबरें

नगदी समेत लाखों का माल उड़ा ले गए चोर

हुसैनाबाद(पलामू)। मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के माली गांव में गुरुवार की रात दो घरों से नगदी समेत लाखों के जेवरात चोरों ने चुरा लिया. भुक्तभोगी दिग्विजय शर्मा ने बताया कि मोहम्मद गंज के माली गांव स्थित उनके पैतृक आवास से गुरुवार की रात बैंड घर से चोरों ने दस हजार रूपए नगदी समेत कई सोने और चांदी के लाखो रुपए के आभूषण चुरा ले गए. उन्होंने बताया कि वह अपने पूरे परिवार के साथ डाल्टनगंज में थे. घर में ताला बंद था. इसी बीच सुबह ग्रामीणों द्वारा सूचना मिली कि घर का ताला टूटा हुआ है तथा अंदर का सामान बिखरा पड़ा है. घर जाकर देखा तो उनके घर के सभी ताले टूटे पड़े हैं.

बीरू के बीरकेरा गांव दो माह से ग्रामीण अंधेरे में

सिमडेगा। बीरू के बीरकेरा गांव में बीते दो माह से ग्रामीण अंधेरे में रहने को विवश हैं. ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण ग्रामीण सहित स्कूली बच्चों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. जब सभी ओर से निराशा हाथ लगी तो ग्रामीणों ने बिजली विभाग को आवेदन देकर ट्रांसफार्मर बदलवाने की मांग की. उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. जिसपर भाजपा नेता ने जल्द ट्रांसफार्मर लगवाने का आश्वासन दिया है.

भाकपा माले ने बेमियादी धरना प्रदर्शन किया समाप्त

धुरकी। थाना क्षेत्र के गनियारी कला गांव मे जमीन विवाद को लेकर भाकपा माले के नेतृत्व में ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना सीओ जुल्फिकार अंसारी व थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार की पहल पर दूसरे दिन समाप्त कर हो गया. विदित हो कि उक्त विवादित भूमि पर अवैध कब्जा हटाने के लिए बुधवार से ग्रामीण बेमियादी धरना पर बैठे थे. धरना पर बैठे लोगों ने बताया कि प्रशासन ने उक्त विवादित भूमि से भूमि अवैध दखल कब्जा को हटाए एवं भवन निर्माण कार्य रोका. स्व. असगर अंसारी की पत्नी ने कहा कि यह भूमि विवादित नहीं है.

जलमीनार में लगे सभी सोलर प्लेट की हुई चोरी

महुआडांड़ (लातेहार)। प्रखंड के पंचायत परहाटोली के नगर प्रतापपुर स्थित हजरत अंजान शाह दाता के मजार के बाहर लगे जलमीनार का एक सोलर प्लेट चोरी हो गया. बताया गया कि जलमीनार में तीन सोलर प्लेट लगा हुआ था. गुरुवार की रात सोलर चोरी कर ली गयी. इस कारण पानी सप्लाई बंद पड़ा है. शुक्रवार को जब लोग मजार पहुंचे तो उन्हे वजू के लिए पानी की व्यवस्था नही होने पर परेशानी उठानी पड़ी.

11 जोड़ों का सामूहिक विवाह नौ जुलाई को

गढ़वा। सोहरपाट, महुआडाढ, लातेहार में प्रेरणा परमार्थ आश्रम, प्रयागराज एवं गढ़वा जिला में स्थापित विभिन्न आश्रमों के परमार्थियों एवं सदस्यों के तत्वावधान में नौ जुलाई को 11 जोड़ा वर-वधू का सामूहिक विवाह कराया जाएगा. जिसमें बनोरा आश्रम रायगढ़, छत्तीसगढ़ के परम पूज्य प्रियदर्शी रामजी महाराज कन्यादान एवं आशीर्वचन करेंगे. बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय गढ़वा के कुलाधिपति एवं वनांचल एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष दिनेश प्रसाद सिंह इस कार्यक्रम में शामिल होकर सामूहिक कन्या विवाह का समापन कराएंगे.

मॉनसून के साथ ही जलभराव से लोगों का आवागमन हुआ दूभर

हल्की बारिश में हर जगह भर गया पानी, बढ़ी परेशानी

संवाददाता। मेदिनीनगर

मॉनसून की पहली फुहार या कहें कि हल्की बारिश में ही पलामू प्रमंडल के प्रमुख शहरों में व्यवस्था की पोल खुल गयी है. मेदिनीनगर हो या लातेहार, सभी जगह थोड़ी सी बारिश में ही हर जगह जल जमाव हो गया है. वहीं, गुमला व लोहरदगा में भी यही स्थिति है. इससे आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है.

मेदिनीनगर में जल जमाव आम बात है : प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर में जल जमाव आम बात है. हल्की सी बारिश में शहर के हृदयस्थल छहमुहान, आबादगंज चौराहा, सुदना, गिरवर स्कूल के पास, जेलहाता चौक के पास रेड़मा ओवरब्रिज के नीचे सहित कई और स्थानों पर जल जमाव से लोगों कों आवागमन में बरसात के दिनों में मुश्किलों का समाना करना पड़ता है. छहमुहान जो कि शहर का मुख्य चौराहा है, बरसात के दिनों में सबसे अधिक जलजमाव का दंश लोगों को यहीं झेलना पड़ता है.जल जमाव होने के कारण न सिर्फ पैदल वरन वाहन चालकों को भी खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

जल जमाव से राहगीर परेशान : लातेहार। लातेहार शहर के बाइपास रोड में धर्मपुर से समाहरणालय तक जाने वाली सड़क में गड्ढों के कारण लोगों को आवाजाही में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. उस पर हो रही बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी जमा हो गया.जल जमाव होने के कारण न सिर्फ पैदल वरन वाहन चालकों को भी खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बता दें कि नगर पंचायत ने यहां पीसीसी सड़क का निर्माण कराया है. लेकिन संवेदक ने उदघाटन के मौके पर पीसीसी सड़क से मिट्टी नहीं हटायी गयी. इस कारण यहां हल्की बारिश में भी जल जमाव हो जाता है और राहगीरों को परेशानी होती है. बता दें कि यह सड़क धर्मपुर से समाहरणालय से ले कर प्रखंड कार्यालय तक जाने का एक शॉटकर्ट रास्ता है. यही रास्ते में एसओई विद्यालय का भी एक रास्ता निकलता है, इस कारण छात्र भी इस रास्ते का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन जल जमाव के कारण वे इस रास्ते से जाने से कतराते हैं.

गुमला। गर्मी से निजात पाने और कृषि कार्य के लिए लोग मॉनसून का लोग बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. बारिश के बाद गर्मी से राहत मिली और किसानों के चेहरे खिले, लेकिन शहरी क्षेत्र में जल जमाव के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. जिस दिन बारिश होती है, उस दिन गुमला के डीएसपी रोड में सरस्वती विद्या मंदिर से लेकर जवाहर नगर मोड़ तक सड़क में घुटने भर पानी भर जाता है. यह रोड संकीर्ण हैं. एक छोर से घुसने के बाद चार पहिया वाहनों को बैक करना मुश्किल होता है, जिस कारण जल जमाव में ही वाहनों को घुसा कर पार करना पड़ता है. चारपहिया वाहनों के जल जमाव में प्रवेश से बाइक सवार और पांव पैदल राहगीरों को भारी परेशानी होती है. इसी तरह वर्षा होने पर सदर अस्पताल, कुम्हार टोली, बस स्टैंड आदि के समीप जल जमाव हो जाता है.

जल जमाव से राहगीरों को परेशानी, जलजमाव में गाड़ी से पार होते लोग.

लोहरदगा में जल-जमाव से सुगम आवागमन की बनी चुनौती

लोहरदगा। सड़क की बदतर स्थिति से जिले के सभी प्रखंडों में जगह-जगह पर हल्की बारिश में जल-जमाव आम हो गई है. जल जमाव के कारण लोहरदगा जिला के ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें तालाब में तब्दील हो गयी हैं. इससे लोगों को सुगम आवागमन के लिए बड़ी चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है. यहां पर ज्यादातर सड़क का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से नहीं कराए जाने के वजह से उखड़-खाबड़ स्थिति में है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को काफी दिक्कतें हो रही हैं. लोहरदगा जिला में कुल सात प्रखंड और 66 पंचायत है. जहां पर केंद्र और राज्य सरकार की ओर से जनहित में सड़कों का जाल बिछाने को लेकर अरबों रुपये पानी की तरह खर्च किया जाता है.

करंट की चपेट में आने से विवाहिता की मौत

लोहरदगा। जिले के किस्को थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नवाडीह नवा टोली में करंट की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है. जानकारी के मुताबिक नवा टोली निवासी सुजीत भगत की 35 वर्षीय पत्नी फुलझड़ी उरांव बीते गुरुवार को अपने पति के साथ धान का बिचड़ा लगाने अपने खेत पर गई हुई थी. इसी बीच पास से गुजरा विद्युत तार की चपेट में आ गई जिससे उसकी मौत हो गई. इधर आनन-फानन में घायल फुकझड़ी को उसके पति के द्वारा इलाज हेतु तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किस्को ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लोहरदगा रेफर कर दिया गया. इस बीच सदर अस्पताल में चिकत्सकों ने जांचो परांत फुलझड़ी उरांव की मृत्यु होने की पुष्टि कर दी.

दो कारों की टक्कर में दो गंभीर घायल, एक कार से गांजा बरामद

चंदवा (लातेहार)। राष्ट्रीय उच्च पथ-75 पर नेवाड़ी गांव में एक लाइन होटल के समीप शुक्रवार की सुबह एक हुंडई व एक स्वीफ्ट डिजायर कार आमने-सामने टक्कर हो गई. इस घटना में स्विफ्ट कार में सवार हर्षित राज और ऋषभ केसरी (दोनों गढ़वा) गंभीर रूप से घायल हो गएदोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा लाया गया. यहां प्राथमिक उपचार के बाद हर्षित राज को बेहतर इलाज हेतु रिम्स रेफर कर दिया गया. उसके सिर पर गंभीर चोट आई है. जबकि हुंडई कार में सवार लोग दुर्घटना के बाद फरार हो गए.

सूचना के बाद जब चंदवा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो देखा की हुंडई कार (यूपी-57 आर-1745) में गांजा छुपा कर रखा है.पुलिस ने दोनों वाहनों और गांजा को कब्जे में ले कर अग्रतर कार्रवाई में जुट गई है.

आकांक्षी प्रखंड किस्को में संपूर्णता अभियान की शुरुआत

संपूर्णता अभियान प्रखंड स्तर पर अगले तीन माह तक संचालित होगा

संवाददाता। लोहरदगा

भारत सरकार के आकांक्षी प्रखंड में शामिल किस्को में शुक्रवार को प्रखंड स्तर के संपूर्णता अभियान की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित कर नीति आयोग की वरीय विशेषज्ञ डॉ बनुश्री वेल्पांडियन ने किया. इधर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ बनुश्री वेल्पांडियन ने कहा कि छह मुख्य इंडीकेटर्स पर फोकस करते हुए इस अभियान को बनाया गया है. यह संपूर्णता अभियान प्रखंड स्तर पर अगले तीन माह तक संचालित होगा.

पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने भी रखे अपने विचार

कार्यक्रम में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग ने कहा कि आकांक्षी में आकांक्षा शब्द निहित है जिसका अर्थ किसी चीज की इच्छा रखना होता है. हम सभी, चाहे वह प्रशासनिक पदाधिकारी हों या जनप्रतिनिधि हों या आम व्यक्ति, सभी को मिलकर एक टीम के रूप में कार्य करना है. यह पूर्ण विश्वास है कि हम अगले तीन महीनों में आकांक्षी प्रखंड के इंडीकेटर्स को आसानी से 100 प्रतिशत प्राप्त कर लिया जाएगा. मौके पर जिला योजना पदाधिकारी अरूण कुमार सिंह ने कहा कि संपूर्णता अभियान में सभी की सहभागिता जरूरी है, आपसी प्रतिस्पर्द्धा जरूरी है.इस दौरान कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी, उप प्रमुख गीता देवी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, जेएसएलपीएस प्रखंड समन्वयक द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई और कार्ययोजना की जानकारी दी गई.इसके बाद प्रखंड कार्यालय परिसर में संपूर्णता अभियान के सफलता हेतु हस्ताक्षर अभियान चलाया गया है और सेल्फी प्वाइंट पर सभी अतिथियों द्वारा सेल्फी ली गई.

झापीपा के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ने शुरू किया चुनावी दौरा

दौरा से जनता का मिल रहा है अपार समर्थन : अनिल भगत

संवाददाता। कुडू/लोहरदगा

झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व विधायक स्व. कमल किशोर भगत के छोटे भाई अनिल कुमार भगत ने कुड़ प्रखंड क्षेत्र के ग्राम राजरोम और जिदो का दौरा कर जनता से मुखातिब हुए. इस दौरान ग्रामीणों ने भव्य तरीके से स्वागत किया और अपना समर्थन आगामी विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत देने की बात कही. इधर अपने चुनावी दौरा के क्रम में झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार भगत ने कहा कि लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र की जनता का स्नेह प्राप्त हो रहा है.

उन्होंने कहा कि लोहरदगा विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र भ्रमण कर लोगों से आशीर्वाद प्राप्त कर उनकी समस्याओं से अवगत हो रहे हैं. अनिल कुमार भगत ने कहा कि लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र की जनता आजादी के बाद से ही यहां के जीते हुए जनप्रतिनिधियों के अनदेखी रवैया से खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं.

इस बीच अनिल कुमार भगत चुनावी दौरा के क्रम में कुड़ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जिदो में ग्रामीणों से रूबरू हुए और विधानसभा चुनाव में अपना कीमती मत देकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिए जाने हेतु अपील किया. तत्पश्चात ग्रामीणों ने अनिल कुमार भगत को भरोसा दिलाया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में हम लोगों का पूरा समर्थन आपके साथ होगा. मौके पर प्रकाश उरांव, रीना बाड़ा, अंजली तिर्की, बंधनी उरांव, लका उरांव, बसंती उरांव, सुनिता उरांव, गीता टोप्पो, सुरेखा उरांव, परदेशिया उरांव, आशामनी उरांव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे.

राजरोम में महिला समूह के साथ मंत्रणा करते अनिल भगत.

समस्या कई परिवार का बुझ चुका है घर का चिराग, सैकड़ों हुए हैं अपाहिज,कई अभी भी इलाजरत

लोहरदगा में तेज रफ्तार ने ली एक साल में 39 लोगों की जान

संजय मुखर्जी। लोहरदगा

झारखंड के लोहरदगा जिला में इन दिनों रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रही है. यहां पर पिछले कुछ दिनों से जिले में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ोतरी में ज्यादातर युवा वर्ग प्रभावित हो रहे हैं. वहीं नाबालिग मैट्रिक व इंटर के छात्र-छात्राएं बगैर लाइसेंस के टू व्हीलर,थ्री व्हीलर,फोर व्हीलर चला रहे हैं और बिना लाइसेंस धारी लोग ट्रक और ट्रैक्टर भी चला रहे हैं. दूसरी ओर ड्रंक एंड ड्राइव,रफ ड्राइविंग तथा ड्राइविंग रूल्स के विरुद्ध भी तेज गति से वाहनों को सरपट सड़कों पर दौड़ा रहे है. लोहरदगा में सड़क दुर्घटना में कमी लाई जाने को लेकर इस निमित्त उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में बीते एक जुलाई को सड़क सुरक्षा समिति बैठक संपन्न हुई.

लोहरदगा में मालवाहक के चक्का तले दबा जिंदगी.

जुर्माना का भी नहीं है डर : उक्त आलोक में तथा जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार के निर्देशानुसार लोहरदगा जिला सड़क सुरक्षा समिति प्रबंधक अमृतेश्वर गिरी ने बताया कि दुर्घटना में कमी लाने हेतु जुलाई महीने से जिले भर में एक अभियान के तहत कठोरता पूर्वक कार्य करेगी तथा धारा 199 के तहत नाबालिग चालक पकड़े जाने पर 25 हजार जुर्माना या तीन महीने की कारावास, बिना लाइसेंस धारी से पांच हजार रुपये ब्रेथ एनालाइजर द्वारा ड्रंक एवं ड्राइव चालक पकड़े जाने पर 10 हजार रूपये या फिर तीन महीने की जेल तथा बगैर हेलमेट चालकों से एक हजार रुपये फाइन वसूलेगी.

नाबालिग बच्चों को नहीं दे वाहन: वर्मन : इधर इस मामले को लेकर समिति सदस्य संजय बर्मन ने भी जिला के अभिभावकों से अपील की है कि अपने नाबालिग बच्चों के ज़िद के आगे झुके नहीं तथा उन्हें महंगी बाइक देने से परहेज करें,क्योंकि जीवन अनमोल है,दुर्घटनाएं बोलकर नहीं आती है. उन्होंने कहा है कि युवाओं के मौत से पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है.

एक साल में 44 सड़क दुर्घटनाएं, 39 मौत : साल 2024 माह जनवरी से माह मई तक कुल 44 सड़क दुर्घटनाएं हुई है. जिनमें 39 लोगों की मृत्यु हुई है और 38 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. उक्त आशय की जानकारी सड़क सुरक्षा समिति लोहरदगा के सदस्य संजय बर्मन ने दी है. उन्होंने बताया है कि माह जनवरी में आठ सड़क दुर्घटना हुई. जिनमें छह की मृत्यु हुई, जबकि छह गंभीर रूप से घायल हुए. उसी तरह माह फरवरी में नौ सड़क दुर्घटनाएं हुई जिनमें नौ की मृत्यु हुई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए. उन्होंने आगे बताया कि माह मार्च में लोहरदगा जिले में नौ सड़क दुर्घटनाएं हुई, जिसमें नौ की मृत्यु और 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे. वहीं माह अप्रैल में 11 सड़क दुर्घटनाएं हुई जिनमें 11 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे. इधर माह मई में सात सड़क दुर्घटनाएं हुई जिसमें चार की मृत्यु हुई और पांच गंभीर रूप से घायल हुए थे.

करंट से मासूम की मौत, महिला जख्मी

गुमला। बिजली करंट के संपर्क में आने से आठ वर्षीय बालक अभिषेक केरकेट्टा की मौत हो गई जबकि उसकी फुआ जुली केरकेट्टा जख्मी हो गई है. ज्ञात हो कि कामडारा थाना क्षेत्र के कोंसा बड़काटोली निवासी लहरु केरकेट्टा अपने घर की घेराबंदी जालीदार तार से किया था. घर में जे गए बिजली तार गिरकर घेराबंदी वाले तार के संपर्क में आ गया था और करंट प्रवाहित हो रहा था. लहरु केरकेट्टा का आठ वर्षीय पुत्र खेलते हुए करंट प्रवाहित तार के संपर्क में आ गया और छटपटाने लगा. बच्चा को छटपटाने देख उसकी फुआ जुली केरकेट्टा अभिषेक को छुड़ाने का प्रयास किया तब उसे भी झटका लग गया. परिजनों ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. सुनील खलखो ने जांच के बाद अभिषेक केरकेट्टा को मृत घोषित कर दिया.

न्यूज अपडेट

मुहर्रम को लेकर अंजुमन इस्लामिया बोर्ड की हुई बैठक

लोहरदगा। मुहर्रम को लेकर अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा बोर्ड की बैठक की अध्यक्ष अब्दुल रउफ अंसारी की अध्यक्षता में हुई. बैठक में शांति एवं सद्भाव के साथ मुहर्रम मनाने के लिए सर्व सहमति से 15 सदस्यों की एक सेन्ट्रल मोहर्रम कमेटी बनाई गई. जिनमें अल्ताफ कुरेशी, अनवर अंसारी, हाजी नईम खान, सैयद आरिफ हुसैन, सैयद फिरोज शाह, यासीन कुरेशी, हाजी शउद आलम, मुजम्मिल अंसारी, अली रहमान कुरैशी, वासिफ कय्यूम और जफर इमाम शामिल हैं. सेन्ट्रल मुहर्रम कमेटी को निर्देश दिया गया है कि लोहरदगा के सभी लाइसेंसी एवं अवाम को बुलाकर एक विशेष बैठक कर मोहर्रम की दिशा और दशा तय करेंगे.

अंजुमन की बैठक में शामिल लोग.

पर्यावरण संतुलन के लिए पौधे लगाना आवश्यक: डीडीसी

लातेहार। शहर के बनवारी साहु महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में वन महोत्सव सप्ताह मनाया जा रहा है. महोत्सव के तीसरे दिन जिले के उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह महाविद्यालय पहुंचे और परिसर में पौधारोपण किया. उन्होने मौके पर कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना आवश्यक है. आज जिस प्रकार पेड़ों की कटाई हो रही है, उस अनुपात में पेड़ नहीं लगाये जा रहे हैं. उन्होने अपने जन्मदिन या सालगिरह आदि शुभ अवसरों पर पौधारोपण करने की अपील लोगों से की. कहा कि यही पौधा आगे चल कर पेड़ बनेगा. उन्होने कहा कि जल संरक्षण के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता है. आज कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा है और इसका प्रमुख कारण असंतुलित पर्यावरण है.

पौधरोपण करते अधिकारी.

मगध परियोजना के खदानों में ड्रोन कैमरे से निरीक्षण किया गया

बालूमाथ (लातेहार)। कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया के निर्देश पर सीसीएल के सतर्कता विभाग ने अनाधिकृत प्रवेश और निकास का आंकलन करने के लिए सीसीएल की खदानों में ड्रोन कैमरे के जरिए विशेष निरीक्षण अभियान चलाया है. सतर्कता टीम ने सीसीएल मुख्यालय के अधिकारियों के सहयोग से कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया द्वारा अनिवार्य विशेष अभियान के दूसरे दिन कोयला संसाधनों पर निगरानी बढ़ाने के उद्देश्य एवं निरीक्षण गतिविधियों की देखरेख के लिए ड्रोन कैमरे के जरिए मगध परियोजना का निरीक्षण किया गया. इस पहल का उद्देश्य कोयला संसाधनों की सुरक्षा बढ़ाना और खदानों की महत्वपूर्ण संपत्तियों की रक्षा करना है. चल रहे इस अभियान में आज सीसीएल के विजिलेंस के साथ टेक्निकल टीम में आरआर सिंह, महाप्रबंधक (सिविल) बिमल कुमार, मुख्य प्रबंधक (खनन/सतर्कता) आदित्य प्रकाश, उप प्रबंधक (सिविल/सतर्कता) बलवंत सिंह, सहायक प्रबंधक (सर्वेक्षण) के द्वारा मगध परियोजना का ड्रोन कैमरे से निरीक्षण किया गया.

जन समस्याओं का जल्द होगा निदान:आशा लकड़ा

सेन्हा/लोहरदगा। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य डॉक्टर आशा लकड़ा अपने टीम के साथ गुमला दौरे पर निकले हुए थे. इसी दरमियान राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का काफिला लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के बरही ग्राम पहुंचा. सेरेंगहातु तोड़ार पंचायत के समाज सेवियों ने महावीर प्रसाद साहू के नेतृत्व में शिष्टचार रूप से उनके काफिला को रोक पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर काफिला में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य डॉक्टर आशा लकड़ा के अलावे सदस्य निरुपम चकमा, डायरेक्टर सूरत सिंह, डिप्टी डायरेक्टर आरके दुबे, अन्वेषक राहुल कुमार और निजी सचिव कुशेश्वर साहू शामिल थे. इस दौरान क्षेत्र में विकास को लेकर चर्चा भी की गयी. तथा सीठीयो ग्राम से जमीन विवादित मामला में प्राप्त आवेदन पर प्रकाश डालते हुए अभिलंब कारवाई करने का आश्वासन समाजसेवियों को आयोग सदस्य डॉ0 आशा लकड़ा के द्वारा दिया गया. स्वागत कार्यक्रम में समाजसेवी महावीर प्रसाद साहू, राजकुमार महतो, नरेश महतो, सुभाष चंद्र कौशल, रिझू महतो, सुनील उरांव, शिवलाल उरांव, गजानन महतो आदि शामिल थे.

लोहरदगा में राजद ने मनाया पार्टी का 28वां स्थापना दिवस

लोहरदगा। राजद जिला कमेटी लोहरदगा के तत्वावधान में जिला कार्यालय मुद्रिका बैंक्वेट हॉल में पार्टी का 28वें स्थापना दिवस मनाया गया. राजद का स्थापना 5 जुलाई 1997 को लालू प्रसाद यादव के द्वारा किया गया था. लोहरदगा जिला में राजद एवं लालू प्रसाद यादव और युवा आइकन तेजस्वी यादव और झारखंड प्रदेश के राजद कोटा से एकमात्र विधायक सह मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने पार्टी हित में बताए गए सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का काम हर एक कार्यकर्ता कर रहे हैं. उक्त बातें राजद के 28वें स्थापना दिवस समारोह में जिलाध्यक्ष सुनील कुमार मेहता ने कही. मौके पर जिलाध्यक्ष सुनील मेहता, युवा जिलाध्यक्ष राजेश उरांव, अल्ताफ हुसैन, श्रवण तिर्की, इबरार अंसारी, साकिर खान, संतोष उरांव, विनय भगत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे.

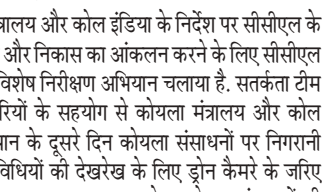

जिलाध्यक्ष की अगुवाई में पार्टी का स्थापना दिवस मना.

अंजना पवार से टिंकू महतो ने की मुलाकात

कुडू/लोहरदगा। भाजपा किसान मोर्चा के लोहरदगा जिला विधानसभा प्रभारी टिंकू महतो ने राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंजना पवार से न्यू दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट किया. उन्होंने झारखंड में के सफाई कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराया. सफाई कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंजना पवार के समक्ष झारखंड के सफाई कर्मचारियों को उनका हक अधिकार शत-प्रतिशत दिलाए जाने हेतु विशेष रूप से मांग रखी. जिसपर अंजना पवार ने टिंकू महतो को आश्वस्त करते हुए कहा कि झारखंड के सफाई कर्मचारियों हर हाल में उन्हें उनका हक अधिकार दिलाने का सकारात्मक पहल किया जाएगा. मौके पर भाजपा नेता टिंकू महतो ने सफाई कर्मचारियों को उचित मानदेय दिलाने की भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंजना पवार के समक्ष लिखित आवेदन सौंपकर मांग रखी. जिसपर ठोस कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया.

अंजना पवार से शिष्टाचार भेंट करते टिंकू महतो

सफाई कर्मचारियों की वेतन वृद्धि की मांग की

लेबर पार्टी की जीत के मायने

धुर दक्षिणपंथ के वैश्विक उभार के बीच ब्रिटेन का चुनाव परिणाम विश्व शांति और सामाजिक लोकतंत्र में यकीन करने वाले विश्व जनमत के लिए राहत भरी खबर है. आर्थिक तौर पर पीछे छूट गए समूहों के लिए भी यह चुनाव परिणाम कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं. यूरोपीयन यूनियन के चुनावों में जिस तरह धुर दक्षिणपंथियों को बढ़त हासिल हुई, उससे दुनिया भर में टकराव का खतरा बढ़ गया है. फ्रांस के संसदीय चुनावों के पहले दौर में जिस तरह धुर दक्षिणपंथी पार्टी ने बढ़त बनायी, उससे दुनिया के गरीब देशों के उन नागरिकों के लिए, जो बड़ी आर्थिक शक्तियों वाले देशों में पनाह लेते हैं, खतरा बढ़ गया है. ब्रिटेन की लेबर पार्टी इस समय एक मध्यममार्गी दल है जिसका झुकाव मानवीय चेहरे वाले आर्थिक नीतियों की ओर है. जेर्मी कोर्बिन ने लेबर पार्टी को मजदूरों, युवाओं और सरकारी कर्मचारियों के हितों वाली पार्टी का रूप दिया था. लेकिन कीर स्टार्मर के नेता बनने के बाद से लेबर पार्टी एक उदार मध्य मार्गी दल की तरह उभरा है. भारत के लिए लेबर पार्टी की भारी जीत से कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ने जा रहा है. कश्मीर के मामले में स्टार्मर कह चुके हैं कि वह भारत का आंतरिक मामला है और उसका समाधान द्वीय पक्षीय वार्ता से निकाला जाना चाहिए. यानी कश्मीर के अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोर्बिन की नीतियों को स्टार्मर ने पीछे छोड़ दिया है. इसके साथ ही स्टार्मर ने यह भी कहा है कि वह भारत के साथ बेहतर रिश्ता रखेंगे. इसके साथ ही भारत के साथ खुले व्यापार समझौते की राह और आसान हो सकेगी. लेकिन ऋषि सुनक के टोरी दल के हाल सामान्य नहीं हैं. लेबर पार्टी ने 14 साल बाद सत्ता में वापसी की है और उसने 650 सीटों वाले सदन में 414 सीटों पर जीत दर्ज की है. सुनक की पार्टी को गहरा आघात लगा है. सुनक ने अपनी सीट तो बचा ली है, लेकिन पार्टी को नहीं बचा पाए हैं. ब्रिटेन के मेहनतकश और युवा तबके की भारी नाराजगी का सामना सुनक की पार्टी को करना पड़ा है. भारत की तरह ही ब्रिटेन के नागरिकों ने आर्थिक असमानता और आमजन की तकलीफों में इजाफा करने वाली आर्थिक नीतियों को नकार दिया है. भारत में नरेंद्र मोदी को नागरिकों की नाराजगी के कारण ही अल्पमत की सरकार बनाना पड़ा. उन्हें ध्रुवीकरण की राजनीति ने बचा लिया, लेकिन ब्रिटेने में प्रो-ब्रेक्जिट और नफरत पालने वाली पार्टियों को हार का सामना करना पड़ा है. ब्रिटेन के नतीजे मध्यमार्गी नीतियों को विमर्श के केंद्र में ला दिया है. 7 जुलाई को फ्रांस के संसदीय चुनाव का दूसरा चरण होगा. पहले चरण में धुर दक्षिणपंथी नेशनल रैली पार्टी को 34 प्रतिशत मिले, जबकि वामपंथी गठबंधन को 29 प्रतिशत. मैक्रो की पार्टी 21 प्रतिशत पर सिमट गयी है. दूसरे चरण में देखना है कि मैक्रो के समर्थक धुर दक्षिणपंथ के साथ जाते हैं या वामपंथ के साथ. इतना तो तय है कि दुनिया के विकसित देशों का आर्थिक संकट धुर दक्षिणपंथियों के लिए मददगार साबित हो रहा है. इसका एक मतलब साफ है कि वोटर स्पष्टतः जनता समर्थक आर्थिक नीति चाहते हैं, जो मध्यमार्गी और वाम रूझान के दल देने में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं. अमेरिका में ट्रंप के उभार को भी इसी संदर्भ में समझना चाहिए.

> भारत में नरेंद्र मोदी को नागरिकों की नाराजगी के कारण ही अल्पमत की सरकार बनाना पड़ा. उन्हें ध्रुवीकरण की राजनीति ने बचा लिया, लेकिन ब्रिटेने में प्रो-ब्रेक्जिट और नफरत पालने वाली पार्टियों को हार का सामना करना पड़ा है.

सुभाषित

पिबन्ति नद्यः स्वयं एव न अम्भः स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः।
न अदन्ति सस्य खलु वारिवाहा परोपकाराय सतां विभूतयः॥

नदी स्वयं के जल को नहीं पीती, वृक्ष स्वयं के फल को नहीं खाते और बादल अपने द्वारा पानी बरसा कर पैदा किए गए अन्न को नहीं खाते. सज्जन हमेशा परोपकार ही करते हैं.

हेमंत की वापसी, राह कांटों भरी

हेमंत चूंकि चार साल से अधिक काल तक लगातार सरकार चलाते रहे, इसलिए ब्यूरोक्रेसी के स्तर पर उनको कोई समस्या नहीं आनेवाली. संगठन उन पर कुर्बान है ही. यहां तक कि गठबंधन के घटक दल कांग्रेस, राजद को भी उनका ही भरोसा है. हेमंत का राज रहा हो कि चंपाई का, वोट बैंक का ध्यान रखकर नीतिगत फैसले लिए जाते रहे. इन्होंने क्षेत्र भ्रमण कर जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाये रखा. असल परेशानी कांग्रेस के साथ पेश आनेवाली है.

तीन जुलाई की शाम मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के इस्तीफा और 4 जुलाई को हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण में कुछ भी अजूबा नहीं था. इसी साल होनेवाले विधानसभा चुनाव का यह गेमप्लान है और टूट-फूट से बचाव का रास्ता और जहां गिरफ्तारी हुई थी, वहीं फिर से मुख्यमंत्री का रुतबा हासिल करने की हेमंत की इच्छा. नये सिरे से पद संभालते ही हेमंत ने तीन बार मुख्यमंत्री रहने का अपने पिता शिबू सोरेन और अर्जुन मुंडा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली. वे यह भी कह सकेंगे कि हम ही तीन में भी और तेरह में भी. पहली बार शिबू सोरेन दस दिनों के लिए ही सही, लेकिन झारखंड के तीसरे मुख्यमंत्री बने थे और अब हेमंत इस बार तेरहवें मुख्यमंत्री बन गये. लोकसभा चुनाव के पहले इनको जमीन घोटाला मामले में ईडी ने 31 जनवरी की रात गिरफ्तार किया था. 28 जून को हाईकोर्ट से जमानत मिली. अब उनके सामने विधानसभा चुनाव की बड़ी चुनौती मुंह बाये खड़ी है. इसी साल अंतिम तिमाही में यह चुनाव होना है. यह चुनाव अधिक चुनौतीपूर्ण इसलिए होगा क्योंकि पिछली बार तत्कालीन एनडीए सरकार की, खासकर सीएनटी/एसपीटी एक्ट संबंधी नीतिगत खामियां, आत्ममुग्धता की हद तक का आत्मविश्वास, बड़बोलापन, संगठन और सत्ता में तालमेल की कमी, आजसू को अलग कर दिया जाना जैसी कार्रवाइयों ने महागठबंधन की राह आसान कर दी थी. तत्कालीन रघुवर सरकार का एंटीइंकबेन्सी फैक्टर अब इस सरकार पर लागू होगा. भाजपा हालिया लोकसभा चुनाव में तीन सीटें गंवाकर खार खाये बैठी है, इसलिए विधानसभा चुनाव में वह अधिक आक्रामक रहेगी, इसमें शक की कोई गुंजाइश नहीं है. उसको चुनाव संचालन के लिए शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा जैसे दो अनुभवी नेता मिल गये हैं और राज्य के स्तर पर नेताओं-कार्यकर्ताओं की बड़ी फौज विद्यमान है. चुनावी रणनीति पर उसने काम शुरू कर दिया है. घोषणा पत्र बनाने से लेकर महागठबंधन सरकार की खामियां गिनाते हुए आरोप पत्र तैयार करने तक में जानकारों की टीम झोंक दी गई है.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

चंपाई सोरेन पुराने नेता हैं. वे हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन के जमाने में चलाये गये झारखंड आंदोलन की उपज हैं. उनको पांच महीने मुख्यमंत्री रहने का मौका मिला. यह मौका हेमंत की गिरफ्तारी के कारण ही मिला. निश्चय ही वे एक्सीडेंटल सीएम थे. वे हालांकि मंत्री पद संभालते रहे थे लेकिन मुख्यमंत्री होना और बात होती है. दो सौ यूनिट तक मुफ्त बिजली, 25 साल से अधिक की महिलाओं को भी पेंशन जैसे निर्णय लेकर वे रंग पकड़ ही रहे थे कि इस्तीफा देने की नौबत आ गई. यह ठीक है कि चुनाव के समय दो पॉवर सेंटर नहीं रहने चाहिए. ऐसा होने पर खेल बिगड़ता ही है. दूसरी बात यह कि 2019 का चुनाव हेमंत के नेतृत्व में लड़ा गया था, जिसमें महागठबंधन को अपार सफलता मिली थी. विगत लोकसभा चुनाव में झारखंड में हेमंत एक मुद्दा रहे और इंडिया ब्लॉक दो सीटों से उछाल मारकर पांच सीटों तक जा पहुंचा. इसी लोकसभा चुनाव में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन घर-परिवार की देहरी लांघ कर सार्वजनिक जीवन में उतरीं और स्टार चेहरा बन गईं. उन्होंने खुद गांडेय विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव काफी मार्जिन से जीता. हेमंत की पार्टी झामुमो में अर्बन चेहरेवाले नेतृत्व की कमी वे पूरी कर सकेंगी.

हेमंत चूंकि चार साल से अधिक काल तक लगातार सरकार चलाते रहे, इसलिए ब्यूरोक्रेसी के स्तर पर उनको कोई समस्या नहीं आनेवाली. संगठन उन पर कुर्बान है ही. यहां तक कि गठबंधन के घटक दल कांग्रेस, राजद को भी उनका ही भरोसा है. हेमंत का राज रहा हो कि चंपाई का, वोट बैंक का ध्यान रखकर नीतिगत फैसले लिए जाते रहे. इन्होंने क्षेत्र भ्रमण कर जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाये रखा. असल परेशानी कांग्रेस के साथ पेश आनेवाली है. खूंटी और लोहरदगा संसदीय सीटें जीत लेने और कतिपय अन्य क्षेत्रों में खासा वोट मिल जाने का मतलब विधानसभा चुनाव की राह निष्कंटक हो जाना कतई नहीं है. देश के स्तर पर महिला केंद्रित राजनीति का दौर प्रारंभ हो गया है. झारखंड में कुछ अरसा पहले कांग्रेस की पांच महिला विधायक हुआ करती थीं, आज भी चार हैं. उनको कितना महत्व दिया गया, यह सवाल उठना लाजिमी है. कांग्रेस के लिए यही वह समय है, जब सरकार में वह ठोंक-बजाकर भागीदारी निभाये, ताकि चुनाव आते-आते जन मानस में सकारात्मक संदेश चला जाए. मंत्रियों और विधायकों में ही सही, वह तालमेल तो बैठा ले. चंपाई सीएम रहते तो हार का ठीकरा उन पर फूटता. अब हेमंत मैदान में कूद गये हैं तो सारी जवाबदेही इन पर आ जाएगी. उन्होंने गंभीर चुनौती ओढ़ ली है. लोकसभा चुनाव में कुछ खूंटे डगमगाए हैं. इस लिहाज से उनको झामुमो में भी ओवरहॉलिंग करनी पड़ेगी और गठबंधन के साथियों को भी ऊर्जा देनी पड़ेगी. अपना कार्यकाल पूरा करने जा रही महागठबंधन सरकार के पास गिनाने के लिए कई काम हैं और प्रतिपक्षी भाजपा के पास भी इस सरकार की नाकामियां गिनाने के लिए बहुत कुछ है. रोजगार, कानून-व्यवस्था आदि स्थायी मुद्दे हैं. असल बात होती है सरकार का इकबाल. वह किस हद तक प्रभावित किये हुए है, इस पर भी चुनाव निर्भर करता है. इस बार जनजातीय आबादी के साथ-साथ कुड़मी महतो भी एक फैक्टर होंगे. फैक्टर तो खुद हेमंत भी रहेंगे. इनका पक्ष भाजपा द्वारा भली-चंगी सरकार को तबाह करने की कोशिश पर खेलेगा, जबकि भाजपा भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाएगी. हेमंत की जमानत के साथ ही उसने कह दिया था, उनको जमानत मिली है, केस तो कायम है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं.)**

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

सत्य का भ्रम

एक सरल स्वभाव के ग्रामीण ने बाजार से एक बकरी खरीदी. खुशी-खुशी वह बकरी को कंधे पर लिये घर जा रहा था. रास्ते में उसे तीन ठग मिल गये. उन्होंने उसे मूर्ख बनाकर बकरी हड़पने की योजना बनायी और उसके गांव के रास्ते में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर खड़े हो गये. जब पहले ठग को वह ग्रामीण मिला, तो ठग बोला - ₹भैया, इस कुतिया को क्यों पीठ पर उठाये ले जा रहे हो ?₹ ग्रामीण ने उसकी ओर उपेक्षा से देखकर कहा - ₹अपनी आंखों का इलाज करा लो. यह कुतिया नहीं, बकरी है. इसे मैंने आज ही बाजार से खरीदा है.₹ ठग हंसा और बोला - ₹मेरी आंखें तो ठीक हैं, पर गड़बड़ तुम्हारी आंखों में लगती है. खैर, मुझे क्या फर्क पड़ता है. तुम जानो और तुम्हारी कुतिया.₹ ग्रामीण थोड़ी दूर और चला कि दूसरा ठग मिल गया. उसने भी यही बात कही - ₹क्यों भाई, कुतिया को कंधों पर लादकर क्यों अपनी हंसी करा रहे हो. इसे फेंक क्यों नहीं देते ?₹ अब ग्रामीण के मन में संदेह पैदा हो गया. उसने बकरी को कंधों से उतारा और उलट-पलटकर देखा. पर वह थी तो बकरी ही. इसलिए वह फिर अपने रास्ते पर चल पड़ा. थोड़ी दूरी पर तीसरा ठग भी मिल गया. उसने बड़ी नम्रता से कहा - ₹भाई, आप शक्ल-सूरत और कपड़ों से तो भले आदमी लगते हैं; फिर कंधों पर कुतिया क्यों लिये जा रहे हैं ?₹ ग्रामीण को गुस्सा आ गया. वह बोला - ₹तुम्हारा दिमाग तो ठीक है, जो इस बकरी को कुतिया बता रहे हो ?₹ ठग बोला - ₹तुम मुझे चाहे जो कहो; पर गांव में जाने पर लोग जब हंसेंगे और तुम्हारा दिमाग खराब बतायेंगे, तो मुझे दोष मत देना.₹ जब एक के बाद एक तीन लोगों ने लगातार एक जैसी ही बात कही, तो ग्रामीण को भरोसा हो गया कि उसे किसी ने मूर्ख बनाकर यह कुतिया दे दी है. उसने बकरी को वहीं फेंक दिया. ठग तो इसी प्रतीक्षा में थे. उन्होंने बकरी को उठाया और चलते बने. यह कथा बताती है कि गलत तथ्यों को बार-बार व बढ़ा चढ़ाकर सुनने में आने से भले-भले विद्वान भी भ्रम में पड़ जाते हैं. निसंदेह अपनी कमियों का अवलोकन करना और उन्हें दूर करने के प्रयास करना विकास में सहायक है. किन्तु बार बार उन्हीं कमियों की स्मृति में ही डूबे रहना, उन्हें विकराल स्वरूप में पेश करना, समझना और उसी में शोक संतप्त रहना, आशाविहीन अवसाद में जाना है. शोक कितना भी हृदय विदारक हो, आखिर उससे उबरने में ही जीवन की भलाई है. समस्याएं चिंताए कितनी भी दूभर हो, गांठ बांधने, बार बार याद करने से कुछ भी हासिल नहीं होना है. उलट कमियों का निरंतर चिंतन हमें नकारात्मकता के गर्त में गिराता है.

नये आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की चुनौती

• सामयिकी

प्रमोद जोशी

औपनिवेशिक व्यवस्था को बदलने की बातें अरसे से होती रही हैं, पर जब बदलाव का मौका आता है, तो सवाल भी खड़े होते हैं. ऐसा ही तीन नए आपराधिक कानूनों के मामले में हो रहा है, जो गत 1 जुलाई से देशभर में लागू हो गए हैं. स्वतंत्रता के बाद से न्याय-व्यवस्था में परिवर्तन की यह सबसे बड़ी कवायद है. ये कानून नए मामलों में लागू होंगे. जो मामले भारतीय दंड संहिता के तहत पहले से चल रहे हैं, उन पर पुराने नियम ही लागू होंगे. इसलिए दो व्यवस्थाओं का कुछ समय तक चलना चुनौती से भरा काम होगा. इस लिहाज से नए कानूनों को लागू करने से जुड़े तमाम तकनीकी-मसलों को चुस्त-दुरुस्त करने में भी चार-पांच साल लगेंगे. इसका अर्थ यह भी है कि देश में जब 2029 में लोकसभा चुनाव होंगे, तब इन कानूनों की उपादेयता और निरर्थकता भी एक मुद्दा बनेगी. इस लिहाज से इन कानूनों का लागू होना बहुत बड़ा काम है. चूंकि कानून-व्यवस्था संविधान की समवर्ती सूची में आते हैं, इसलिए राजनीतिक और प्रशासनिक सवाल भी खड़े होंगे. कर्नाटक उन राज्यों में से एक है, जिसने तीन नए कानूनों का अध्ययन करने के लिए औपचारिक रूप से एक विशेषज्ञों की समिति का गठन किया है. संभव है कि कुछ मसले अदालतों में भी जाएं. इन कानूनों की दो बातें ध्यान खींचती हैं. दावा किया गया है कि अब मुकदमों का फैसला तीन-चार साल में ही हो जाएगा. पुराने दकियानूसी कानूनों और उनके साथ जुड़ी प्रक्रियाओं की वजह से मुकदमे दसियों साल तक घिसटते रहते थे. दूसरे कुछ नए किस्म के अपराधों को इसमें शामिल किया गया है, जो समय के साथ जीवन और समाज में उभर कर आए हैं. इनमें काफी साइबर-अपराध हैं और कुछ नए सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल में उभरी प्रवृत्तियां हैं. जिस आईपीसी का स्थान भारतीय न्याय संहिता ने लिया है, वह अंग्रेज शासकों के हित में बनाई गई थी. उसका उद्देश्य न्याय से ज्यादा शासन करना था. सरकार का दावा है कि ये कानून औपनिवेशिक कानूनों की जगह पर राष्ट्रीय-दृष्टिकोण की स्थापना करेंगे, इसीलिए इनके नाम अंग्रेजी में नहीं, हिंदी में हैं. हालांकि स्वतंत्रता के बाद से पुराने कानूनों में कई बार संशोधन किए गए, पर जैसा कि गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि ये कानून भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए बनाए गए हैं. इन नए कानूनों ने तीन पुराने कानूनों का स्थान लिया है. भारतीय दंड संहिता, 1860- आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 (आईई एक्ट) की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 लागू किए गए हैं. देश में इस बात को लेकर काफी हद तक आमराय रही है कि पुराने कानूनों में 'भारी बदलाव' की जरूरत है. नए कानून इस 'भारी बदलाव' को व्यक्त करते हैं या नहीं, यह इस वक्त चर्चा का विषय है. राजद्रोह कानून अब निरस्त हो जाएगा. वस्तुतः उच्चतम न्यायालय ने मई, 2022 में कहा था कि राजद्रोह का अपराध प्रथम दृष्ट्या अवैधानिक है और इसे समाप्त किया जाना चाहिए. नए कानून के अनुसार सरकार के खिलाफ नफरत, अवमानना, असंतोष पर दंडात्मक प्रावधान नहीं होंगे, लेकिन इसमें देशद्रोह को नए अपराध के रूप में शामिल किया गया है. राष्ट्र के खिलाफ कोई भी गतिविधि दंडनीय होगी. महिलाओं और बच्चों को हिंसा से बचाने के लिए इसमें नए प्रावधान हैं. कानून में आतंकवाद को परिभाषित किया गया है. सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों, अलगाववादी गतिविधियों या भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरा पहुंचाने वाली गतिविधि के लिए नए प्रावधान जोड़े गए हैं. गैंगरेप के लिए 20 साल की कैद या आजीवन जेल की सजा होगी. पीड़िता नाबालिग है तो आजीवन कैद/मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है. समय के साथ नई तकनीकों का इस्तेमाल भी बढ़ा है. इसके अनुरूप साक्ष्य अधिनियम में बदलाव हुए हैं. अब 'दस्तावेज' में इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड, ईमेल, सर्वर लॉग, कंप्यूटर में फाइलें, स्मार्टफोन/लैपटॉप संदेश, वेबसाइट, लोकेशन डाटा; डिजिटल उपकरणों पर मेल संदेश शामिल हो गए हैं. नए कानूनों को लागू करना आसान काम नहीं है, क्योंकि काफी समय तक पुलिस-प्रशासन और न्यायिक-प्रशासन को नए और पुराने कानूनों में अंतर करना होगा. पुराने मुकदमे चलते रहेंगे और नए आते जाएंगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> कर्नाटक उन राज्यों में से एक है, जिसने तीन नए कानूनों का अध्ययन करने के लिए औपचारिक रूप से एक विशेषज्ञों की समिति का गठन किया है. संभव है कि कुछ मसले अदालतों में भी जाएं. इन कानूनों की दो बातें ध्यान खींचती हैं. दावा किया गया है कि अब मुकदमों का फैसला तीन-चार साल में ही हो जाएगा. पुराने दकियानूसी कानूनों और उनके साथ जुड़ी प्रक्रियाओं की वजह से मुकदमे दसियों साल तक घिसटते रहते थे.

सवालों से घिरे एनटीए पर पुनर्विचार जरूरी

• विमर्श

अजीत दूबे

इसरो के पूर्व अध्यक्ष के राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली सात सदस्यों की कमेटी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए में सुधारों पर विचार कर रही है. सात सदस्यों की यह उच्चस्तरीय समिति दो महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को देगी. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान हर जगह इसका हवाला दे रहे हैं कि सरकार परीक्षा सुधारों के लिए काम कर रही है. लेकिन सवाल है कि क्या काम हो रहा है? क्या एक कमेटी बना देने और उसकी सिफारिशों से परीक्षा की व्यवस्था में सुधार हो जाएगा? यह इतना आसान काम नहीं है.शिक्षा और परीक्षा दोनों का मामला बहुत जटिल है और व्यापक विचार विमर्श के जरिए ही इसमें सुधार किया जा सकता है. केंद्र सरकार की बनाई कमेटी पिछले करीब दो हफ्ते से एनटीए में सुधार के लिए काम कर रही है, लेकिन कहीं भी यह देखने को नहीं मिला है कि उसने संबंधित पक्षों से विचार विमर्श किया है. इस मामले में जितने स्टेकहोल्डर्स हैं, उनके साथ सलाह मशविरा करने की जरुरत है. छात्रों और अभिभावकों की राय लेने की भी जरूरत है और राज्य सरकारों के साथ भी विचार विमर्श किया जाना चाहिए. उसके बगैर किसी भी सुधार की सिफारिश का कोई मतलब नहीं रहेगा. आखिर इसी तरह की किसी कमेटी की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने छह साल पहले एनटीए का गठन किया था लेकिन उससे क्या हुआ? परीक्षा की एक केंद्रीकृत व्यवस्था बन गई, परंतु छात्रों का भला नहीं हुआ. उलटे उनकी मुसीबतें बढ़ गईं. पूरे देश के लिए होने वाली एक केंद्रीकृत परीक्षा में अगर किसी एक राज्य में कोई गड़बड़ी हुई तो पूरे देश के परीक्षार्थियों के लिए मुश्किल पैदा हो जाती है. पहले राज्यवार परीक्षाएं होती थीं तो उनकी समस्या भी स्थानीय स्तर की होती थी और दूसरे राज्यों पर उसका असर नहीं होता था. लेकिन एक देश, एक परीक्षा की सोच में केंद्रीकृत परीक्षाएं हो रही हैं. इसके लिए एक बड़ी एजेंसी बना दी गई, लेकिन न तो सरकार और न एनटीए जैसी एजेंसियां फुलप्रूफ परीक्षा की गारंटी दे पा रही हैं. सरकार को यह समझना होगा कि परीक्षा सिर्फ किसी संस्थान में दाखिला प्राप्त करने या कोई नौकरी हासिल कर लेने का माध्यम नहीं है. यह देश की शीर्ष शिक्षण संस्थानों और परीक्षा आयोजित करने वाले संस्थानों के प्रति आम नागरिक के भरोसे की परीक्षा है. देश का आम नागरिक अपने बच्चों को प्रतियोगिता और प्रवेश परीक्षाओं में इस भरोसे के साथ शामिल करता है कि वहां उसकी योग्यता और क्षमता का ईमानदारी से आकलन होगा. लगातार हो रही गड़बड़ियों से नागरिकों का यह भरोसा टूट रहा है. सोचें, मेडिकल में दाखिले के लिए हुई नीट यूजी की परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे. यानी करीब 24 लाख परिवार इससे जुड़े थे. यानी कम से कम एक करोड़ 20 लाख लोग किसी न किसी रूप में इसमें शामिल थे. सरकार को समझना चाहिए कि किस तरह से परिवार अपने जरूरी खर्चों में कटौती करके बच्चों को परीक्षा की तैयारी कराते हैं. किस तरह से किशोर उम्र के छात्र अपने शौक और अपनी भावनाओं को दबा कर रात दिन एक करके परीक्षा की तैयारी करते हैं. कितनी मुश्किलों से परीक्षा केंद्र तक जाकर लाखों बच्चे परीक्षा में शामिल होते हैं. यह सिर्फ बच्चों की नहीं, उनके पूरे परिवार की परीक्षा होती है. और उसमें इस तरह की घटनाएं हों तो वह सिर्फ कानून के प्रति नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपराध होता है, जिसमें सरकार भी शामिल होती है. सरकार को शिक्षा और परीक्षा की बुनियादी चुनौतियों को समझना चाहिए. इसकी बुनियादी समस्या यह है कि आबादी के अनुपात में न तो शिक्षण संस्थान हैं और न नौकरियां हैं. अच्छे शिक्षण संस्थानों की कमी से पढ़ाई महंगी होती जा रही है और अच्छी नौकरी हासिल करने की चुनौती भी बड़ी होती जा रही है. नौजवानों की आकांक्षा और उपलब्ध अवसर के बीच इतनी बड़ी खाई है, जिसे पाटना असंभव दिख रहा है. इसलिए जब सरकार परीक्षा में सुधार पर चर्चा कर रही है तो उसे इस बुनियादी समस्या को भी समझना होगा कि कैसे अच्छे शिक्षण संस्थाओं की संख्या बढ़ाई जाए और कैसे पढ़ाई को सस्ता बना कर आम लोगों के लिए उसे सुलभ बनाया जाए. ऐसा होगा तभी परीक्षा में पेपर लीक और कदाचार रोकने में आसानी होगी. अब समय आ गया है कि इसे समवर्ती सूची से निकाल कर राज्य सूची में डाला जाए. अभी शिक्षा पर देश में हर साल औसतन छह लाख करोड़ रुपये खर्च होते हैं, जिसका 85 फीसदी राज्य सरकारें ही करती हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> आखिर इसी तरह की किसी कमेटी की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने छह साल पहले एनटीए का गठन किया था लेकिन उससे क्या हुआ? परीक्षा की एक केंद्रीकृत व्यवस्था बन गई, परंतु छात्रों का भला नहीं हुआ. उलटे उनकी मुसीबतें बढ़ गईं. पूरे देश के लिए होने वाली एक केंद्रीकृत परीक्षा में अगर किसी एक राज्य में कोई गड़बड़ी हुई तो पूरे देश के परीक्षार्थियों के लिए मुश्किल पैदा हो जाती है.

मीडिया में अन्यत्र

सतत विकास के लक्ष्य और भारत की प्रगति

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के 2030 के एजेंडे के एक हिस्से, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में छह वर्ष से भी कम समय शेष रह गया है. ऐसे में इसके 17 लक्ष्यों और 169 संबद्ध लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारत को अभी बहुत प्रयास करने की आवश्यकता है. इन वैश्विक लक्ष्यों को 2015 में अपनाया गया था और ये गरीबी उन्मूलन, लैंगिक न्याय हासिल करने, पृथ्वी को सुरक्षित रखने तथा सभी के वास्ते शांति और समृद्धि हासिल करने की दिशा में कदम उठाने के लिए एक सार्वजनिक आह्वान हैं. इस संदर्भ में हाल में जारी भारत में एसडीजी की प्रगति रिपोर्ट डेटा आधारित प्रमाण पेश करती है. यह बताती है कि एसडीजी और उससे जुड़े लक्ष्यों को हासिल करने की प्रक्रिया में भारत की प्रगति मिलीजुली रही है. एसडीजी1 के तहत भारत ने हाल के वर्षों में गरीबी उन्मूलन के मामले में बेहतर प्रदर्शन किया है. रिपोर्ट के अनुसार बहुआयामी गरीबी में 9.89 फीसदी की कमी आई और यह 2015-16 से 2019-21 के बीच घटकर 14.96 फीसदी रह गई. नीति आयोग की एक हालिया रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि 2022-23 में यह और गिरकर 11.28 फीसदी रह जाएगी. भविष्य में गरीबी के स्तर में और कमी लाने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता होगी तथा लोगों की खर्च योग्य आय बढ़ानी होगी. अन्य क्षेत्रों में जीवन स्तर सुधारने के लिए सरकार के निरंतर हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी. उदाहरण के लिए रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि एक ओर जहां मांओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है तथा कुपोषण, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आई है, वहीं 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं तथा पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में खून की कमी के मामलों में इजाफा हुआ है. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामलों में उच्चतर माध्यमिक शिक्षा में

नामांकन, व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण में भागीदारी दर, दिव्यांग बच्चों के नामांकन, शिक्षक-छात्र अनुपात और स्कूल बुनियादी ढांचे के मामले में 2015-16 से अब तक काफी सुधार हुआ है. बहरहाल, कक्षा पांचवीं और आठवीं की पढ़ाई पूरी करने वाले बच्चों की तादाद महामारी के पहले के स्तर से नीचे आ गई है. यह बताता है कि महामारी ने अर्थव्यवस्था को किस तरह प्रभावित किया है. इसके अलावा महिला श्रमिकों की भागीदारी बढ़ने के साथ ही वेतन की असमानता, दहेज के मामले और अपराधों की तादाद भी बढ़ी है. इनमें महिलाओं पर यौन अपराध शामिल हैं. ये कारक बताते हैं कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक संरक्षण के क्षेत्र में सरकारी व्यय बढ़ाने की आवश्यकता है. बहरहाल, रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि कुल सरकारी व्यय में अनिवार्य सेवाओं पर होने वाला व्यय महामारी के पहले के स्तरों से कम हुआ है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सूरत/सीरत

तेरी प्यारी प्यारी सूरत को किसी की नजर न लगे. यह 1960 में बनी फिल्म ससुराल के एक गीत का प्यारा-सा मुखड़ा. हसरत जयपुरी के शब्दों की सूरत को मोहम्मद रफी ने खूबसूरती के चरम पर पहुंचा दिया था. यही कारण है कि लगभग ढाई दशक के बाद भी इस गाने की सूरत में कोई अंतर नहीं आया है. इस गीत में केवल महसूस की जानेवाली प्यारी-सी सूरत ही नहीं है, बल्कि दिल के तारों को झंकृत कर देनेवाली सीरत भी है. सूरत और सीरत दोनों ही अरबी भाषा मूल के संज्ञा स्त्री लिंग शब्द हैं. दोनों के बीच समानता तो नहीं है, लेकिन एक दूसरे के लिए ये आवश्यक अवश्य ही हैं. सूरत हो, लेकिन सीरत नहीं हो तो अच्छी-भली सूरत भी अप्रिय लगने लगती है. सांप और बाघ, दोनों की सूरत बहुत लुभावनी होती है, लेकिन सीरत से हिंसक और घातक होने के कारण इनकी सुंदरता किसी को मोहित नहीं कर पाती. मैंने अपने एक मित्र से पूछा कि सूरत और सीरत में क्या अंतर है. उसने तपाक से जवाब दिया-सूरत गुजरात का एक सुप्रसिद्ध नगर है और सीरत हिमाचल प्रदेश का एक गांव. यह भी सही है, लेकिन जिस सूरत और सीरत की बात हम कर रहे हैं, वह नहीं है. अरबी भाषा मूल के सूरत का मतलब है रूप, आकृति, चेहरा शक्ल, जीव-जंतु, पदार्थ, व्यक्ति आदि की आकृति या रूप जिससे उसकी पहचान होती है, मामला, रास्ता, किसी व्यक्ति या वस्तु का बाह्य रूप, देशा, हालत, चित्र, तस्वीर, उपाय, तदबीर, रूपरेखा. भेष, कुरान शरीफ का एक अध्याय. सीरत उस गुण को कहा जाता है, जो चरित्र, आदत, गुण, कौशल, विशेषता, स्वभाव, प्रकृति, जीवन-चरित, प्रकृति आदि के रूप में महसूस किया जा सकता है. अच्छी सूरतवाले लोग भले ही सुंदर और मासूम हों, पर जबतक सीरत अच्छी नहीं हो तो वह बेकार ही है. सूरत आकृति है तो सीरत गुण. सूरत बाहरी सुंदरता है तो सीरत आंतरिक सौंदर्य.

चुनाव और चिम्मनलाल की चालाकी

• तीर-तुक्का

डॉ. एस. के. पाण्डेय

चिम्मनलालजी की अपनी पार्टी-'एसकेएपी' यानी 'सबकुछ अपना पार्टी' की चुनाव पूर्व बैठक चल रही थी. बैठक में मौजूद दर्जनों कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए चिम्मनलालजी उन्हें जोरदार ढंग से संबोधित कर रहे थे-हां तो मित्रो, चुनाव से पहले हमें जनता की भलाई के लिए बहुत करना है. कुछ आवश्यक चीजों के दाम जो हम अब तक बढ़ाते आयें हैं, अब थोड़ा कम करना चाहते हैं. बेचारी जनता महंगाई के बोझ से दबी जा रही है. थोड़ी सी राहत पाकर उसके जान में जान आएगी और वह अनजान होकर एसकेएपी के लिए मतदान करेगी. जिन गावों में आठ घंटे भी बिजली नहीं रहती. उनमें अठारह घंटे सप्लाई होगी और जिन शहरों में चार घंटे की कटौती होती हैं. वहां चौबीस घंटे बिजली दी जायेगी. जो सड़कें वर्षों से टूटी हैं, उन पर जल्द ही काम चालू कर दिया जायेगा. कुछ नई सड़कों का भी नक्शा पास करवा रहे हैं. इन्हें बनवाएंगे नहीं. बस दो-दो महीने पर जांच-पड़ताल होती रहेगी और चुनाव बीत जायेगा. किसी ने कहा कि नेता जी जो काम पिछले चार साल में नहीं हुआ, उसे आप केवल एक साल में कैसे पूरा कर देंगे? नेता जी बोले पूरा कौन कर रहा है? हम शुरुआत कर रहे हैं. चिरौंजीलाल जी समझाते हुए बोले जो काम हमें चार साल पहले शुरू करना चाहिए था. उसे हम आज शुरू करने जा रहे हैं. बस इतना ही है. आप लोग परेशान मत हों. यह समझ कर कुछ कर दिखाओ कि चुनाव एक साल बाद नहीं, बल्कि एक महीने बाद ही है. अभी तक जो प्रमुख काम हमने किया है, वह है वस्तुओं की मूल्य वृद्धि और आज पहली बार घटाने का निर्णय ले रहे हैं. किसी ने कहा इससे हमारे बजट में असंतुलन की स्थिति आ जायेगी. उससे कैसे निपटा जायेगा. चिरौंजीलालजी बोले कि वस्तुओं का मूल्य हम मजबूरी में घटा रहे हैं. वैसे हम इस स्थिति में हैं नहीं. वस्तुतः हमें कम से कम दो रूपये हर जरूरत वाली चीजों के मूल्यों में इसी वक्त बढ़ा देना चाहिए. परन्तु अब ऐसा न करके चुनाव के बाद दो के जगह चार बढ़ा देंगे तो सूद और ब्याज सब वापस हो जायेगा. चिम्मनलालजी एसकेएपी के बरिष्ठ नेता तिवारी जी से बोले हमने एजेंडा बनाने के लिए एक समिति बनाई है. जिसका दारोमदार आपके ऊपर ही होगा. आपलोग 'न भूतो न भविष्यति' के तर्ज पर एक ऐसा एजेंडा तैयार करवाइए कि जिसे देखकर विरोधियों के दांत खट्टे हो जाएं और जनता चार साल के सारे गम भुलाकर एसकेएपी को सिर पर बिठा ले. चिम्मनलालजी बोले- चुनाव प्रचार में भी हमें दिल खोलकर खर्च करना है. मकसद सिर्फ चुनाव जीतना है. इसके लिए कुछ भी करेंगे. एड़ी से चोटी तक का जोर लगा देंगे. यह सब सुनकर किसी कार्यकर्ता ने प्रश्न किया. इन खर्चों की भरपाई कहाँ से होगी? नेता जी बोले. यह सोचने का समय अभी नहीं है. और चुनाव जीतने के बाद इसके अलावा और कुछ सोचने का समय ही कहां रहता है?

वर्ल्ड किस डे आज

किस्सा किस का

'फिल्म में किसिंग सीन हों तो बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग मिल जाती है. बॉलीवुड आज इतना आगे निकल गया है कि प्यार के दृश्यों में अब आप कभी दो फूल, दो भंवरे या दो पक्षी एक-दूसरे की तरफ झुकते हुए नहीं देख सकेंगे. हीरो-हीरोइनों को चुंबन दृश्य में कोई परहेज नहीं है.' करन जौहर ने कभी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही थी और शायद यही आज बॉलीवुड की फिल्मों की सच्चाई है. आज (6 जुलाई को) वर्ल्ड किस डे है. आइए, इस मौके पर बॉलीवुड के बहाने जाने किस्सा किस का...

पहला किसिंग सीन

बॉलीवुड का पहला और करीब 4 मिनट से अधिक समय का किसिंग सीन 1933 में फिल्म कर्मा में नजर आया. सीन ऐसा था कि एक्टर हिमांशु राय बेहोशी की हालत में था. एक्ट्रेस देविका रानी को उन्हें किस करके जगाना था. इस किसिंग सीन की वजह से बहुत बवाल हुआ, देविका रानी और हिमांशु राय की फजीहत हुई. बाद में इस कपल से शादी कर ली थी और आलोचकों का मुंह बंद कर दिया था.

बहू जब पर्दे पर करे किस

बहू तो बहू होती है, भले विश्वसुंदरी हो, एक्ट्रेस हो. जब 'धूम-2' में ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय का किसिंग सीन आया तो ससुर जी यानी अमिताभ बच्चन फिल्म का स्पेशल शो छोड़ कर चले गए. बहू को गैर मर्द के साथ पर्दे पर किस करता देखना उन्हें गवारा नहीं था.

"किस" के लिए नो-नो

सलमान खान किसिंग सीन से दूर रहते हैं. उनका तर्क है कि उनकी फिल्म परिवार के सारे सदस्य मिलकर देखते हैं, इसलिए वे अपनी फिल्म में एक भी असहज करने वाला सीन नहीं डाल सकते हैं. निर्माता और निर्देशक साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म 'किक' में सलमान के लिए एक किसिंग सीन डाल दिया था. सलमान खान को जब सीन के बारे में पता चला, तो वे भड़क उठे. उन्होंने फौरन साजिद के नाम फरमान जारी कर दिया कि वे अपनी स्क्रिप्ट पर दोबारा काम शुरू कर दें. उन्हें किसिंग सीन कतई नहीं चाहिए.

शिल्पा के ये तीन किस

किस्सा किस का हो तो शिल्पा शेट्टी को कैसे भूला जा सकता है. शिल्पा खुद भी शायद अपने जीवन में इन तीन चुंबनों को कभी नहीं भूल पाएंगी. प्रयाग में 2012 में हुए महाकुंभ के दौरान शिल्पा जब एक साधू के करीब पहुंची तो उसने शिल्पा का चेहरा पकड़कर चूमना शुरू कर दिया. यह किस तो बहुत विवादों में रहा. हॉलीवुड निर्देशक रिचर्ड गेरे भारत में आए थे तब एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान रिचर्ड सार्वजनिक जगह पर शिल्पा को बुरी तरह से चूम बैठे.

इस किस पर भी खूब हो-हल्ला हुआ. धड़कन फिल्म में अक्षय कुमार के साथ उनके किस सीन की चर्चा खूब हुई. उस दौरान वह अक्षय की प्रेमिका भी रहीं और यह किस सीन खूब चर्चित हुआ है.

"किस" की गिनती

शाहिद-कियारा की फिल्म 'कबीर सिंह' के बारे में कहा जाता है कि इसमें जितने चुंबन हैं शायद उतने बॉलीवुड की किसी फिल्म में आज तक नहीं नजर आए. लेकिन इस फिल्म में कितने चुंबन दृश्य हैं, इसकी गिनती भी शायद आज तक किसी ने नहीं की. वहीं एक ऐसी फिल्म की बात भी करें जिसमें एक्टर ने दो एक्ट्रेस के साथ करीब दो दर्जन किस कर डाले. जी हां, बात हो रही है फिल्म शुद्ध देसी रोमांस की जिसमें सुशांत सिंह ने परिणीति चोपड़ा और वानी कपूर के साथ 23 चुंबन सीन फिल्माए. नील नितिन मुकेश और सोनल सिंह की मुख्य भूमिका वाली फिल्म '3 जी' 30 किस सीन के कारण चर्चा में रही. एक्ट्रेस सोनल चौहान को यह सीन उसके साथ ही करना था जो रियल लाइफ में उनके बॉयफ्रेंड थे. लिहाजा कोई असहजता नहीं हुई. मल्लिका शेरावत की 'ख्वाहिश' में 20 से अधिक चुंबन दृश्य थे, और यही फिल्म की सफलता की वजह बना.

"किस" की चालाकी

फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान और भाग्यश्री के बीच एक किस सीन था जिसके लिए दोनों इंकार कर दिया. डायरेक्टर सूरज बड़जात्या तब एक उपाय निकाला कि दोनों के बीच एक शीशा रख दिया. दोनों ने उस शीशे को किस किया और दर्शकों को इस किस के इस चालाकी का पता भी नहीं चला. कुछ ऐसा ही हुआ 2012 में आई तमिल/तेलुगु फिल्म 'मात्तारान' में. एक हॉल में काजल और सूर्या के बीच फिल्माया गया एक किसिंग सीन है, लेकिन हकीकत में काजल ने एक कुशन को किस किया था जबकि सूर्या ने एक प्लास्टिक शीट को किस किया था. बाद में विजुअल इफेक्ट्स की मदद से ऐसे दिखाया गया कि जैसे दोनों ने एक दूसरे को किस किया हो.

'ये साली जिंदगी' के किस

सुधीर मिश्रा की फिल्म 'ये साली जिंदगी' भी किस की वजह से ही चर्चा में रही. इसमें अदिति राव का अरूणोदय के साथ करीब एक मिनट लंबा किस सीन एक ऑटो में फिल्माया गया. कुछ और किस सीन चित्रांगदा सिंह पर भी फिल्माए गए.

बरसो रे बरसो मेघा, मेघा बरसो, मीठा है, कोसा है, बारिश का बोसा है

हस्ताक्षर

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

बारिश और हमारा रिश्ता अजीब है, हर साल बारिश के साथ हम डूबते उतराते हैं, फिर भी यदि किसी मौसम की हम सबसे अधिक प्रतीक्षा करते हैं तो वह बारिश ही होती है. कोई तो विज्ञान है कि बारिश हमें उदास नहीं रहने देती. बारिश के लिए हमारे पास संगीत में मेघ मल्हार है, तो कजरी भी. साहित्य में तो मेघदूत ही है. बचपन में पहली पेंटिंग हमसे कोई बनती है तो वह बादलों की ही होती.

जीवन का पर्याय

बारिश के प्रति हमारी इस कमजोरी का अहसास सिनेमा को भी रहा है. सच तो यही है कि सिनेमा की लोकप्रियता का आधार ही हमारी कमजोरियां हैं. शायद इसीलिए श्वेत श्याम के दिनों से ही सिनेमा के परदे को बारिश की बूंदें भिंगोती रही हैं. 'बरसात' से लेकर 'चमेली' तक बदरवा दर्शकों के मन धड़काए रहे हैं. 'गाईड' और 'लगान' जैसी फिल्म में बारिश की बूंदें जीवन का पर्याय बन कर आती हैं.

प्रेम की अभिव्यक्ति

यहां 'तुम मिले' को भी नहीं भूल सकते जिसमें बारिश से मुंबई को त्राहिमाम करते भी हमने देखा था. लेकिन सिनेमा के लिए बारिश का एक ही पक्ष महत्वपूर्ण रहा है, प्रेम. आर के स्टूडियो का प्रतीक चिन्ह बन चुका 'बरसात' का 'हमसे मिले तुम' हो या 'श्री 420' का 'प्यार हुआ इकरार हुआ'. बारिश की बूंदों के साथ प्रेम के उत्साह को अद्भुत अभिव्यक्ति मिली है. 'कश्मीर की कली' में नायक कहता है, "दिवाना हुआ बादल, सावन की घटा छायी'.

बारिश के बहाने

बदलते समय के साथ हमारे स्वभाव भी बदले हैं और प्रेम के तरीके भी. अब यह सिर्फ 'रिम झिम के तराने लेकर' नहीं आती, सीमाएं तोड़ने के बहाने लेकर आती है. 'नमकहलाल' में अमिताभ बच्चन स्मिता पाटिल बारिस में भींगते बीच सड़क पर लिपटते चिपकते उदघोष करते फिरते हैं, 'आज रपट जायें तो हमें ना बचैयो'. बारिश हिन्दी फिल्मकारों को दोहरा अवसर देते रही है, एक ओर मिथकों में चित्रित बारिश की पृष्ठभूमि नायिका की इच्छाओं की मुखर अभिव्यक्ति के लिए आधार देती है, दूसरी ओर इसकी बूंदे नायिका के शरीर को पूरी मादकता से उजागर करने का भी अवसर देती हैं. 'मेरा नाम जोकर' के 'मोरे अंग लग जा बालमा' से 'मि. इण्डिया' के 'काटे नहीं कटती दिन ये रात' तक बारिश की बूंदें बहाने बन कर ही आती दिखती है.

मिलन का प्रतीक

बारिश मिलन का प्रतीक है. प्रेमचंद की कहानी पर बने 'गबन' में भी साजन की याद को बारिश के साथ मधुरता से जोड़ने की कोशिश की गई है, 'तुम बिन सजन बरसे नयन, जब जब बादल बरसे. मजबूर हम, मजबूर तुम, दिल मिलने को तरसे'. जबकि एक अल्प चर्चित फिल्म 'देवता' में गुलजार ने विरह को कुछ इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है, 'मैं तो कारे बदरवा से हारी, गरजे तो रात जगाये, बरसे तो आग लगाये'. 'गुरु' में बारिश की बूंदे बोसे में बदलती सुनाई पड़ती है, : "बरसो रे बरसो मेघा मेघा बरसो, बारिश का बोसा है..'

बारिश, एक उम्मीद

हमें उम्मीद है कालीदास के 'मेघदूत' की तरह गीतों में अभिव्यक्त बारिश के रिमझिम की मधुरता आने वाले दिनों में भी याद की जाती रहेगी. 'कागज की कश्ती, बारिश का पानी' की जब चर्चा होगी, हमारे सुखद अहसास पुनर्जीवित का अर्थ हो उठेंगे. बारिश की बूंदों से इतनी तो उम्मीद हम रख ही सकते हैं कि तमाम विडम्बनाओं के बीच भी यह हमें 'पहेली' के इस गीत की तरह अपने नास्टेलजिया में तो ले ही जाएगी, ..काग़ज़ की छोटी सी नैय्या, जल की ये लहरें बन के खेवैय्या, होके इसी नैय्या पे सवार, चल दें चल नदिया के पार, जामुन जहां मधुर मधुर, बोली मधुर मधुर, वृष्टि पड़े टापुर टुपुर, टापुर टुपुर.

रश्मिका के हाथ लगा "कुबेर" का खजाना!

रश्मिका मंदाना जल्द ही धनुष के साथ कुबेर में नजर आएंगी. मेकर्स लगातार इसके कई अपडेट जारी कर रहे हैं. अब रश्मिका ने खुद एक वीडियो अपने सोशल एकाउंट पर शेयर किया है जिसमें उनके किरदार के बारे में खुलासा हो रहा है. वीडियो के साथ रश्मिका ने कैप्शन लिखा है-कुबेर.

वीडियो में रश्मिका आधी रात को हथियार लेकर घर से निकल कर एक सुनसान जगह पर जाती दिखती है. यहां वह मिट्टी खोदती है और उससे एक सूटकेस निकालती दिखती है. सूटकेस पैसों से भरा है. इसे लेकर वह आगे बढ़ती नजर आती है. सस्पेंस से भरपूर यह टीजर जारी होते ही प्रतिक्रिया की भरमार आ गई. दर्शक उत्साहित नजर आने लगे. बता दें कि रश्मिका मंदाना का नाम साउथ दिग्गज एक्ट्रेस में शुमार है. अल्लू अर्जुन के साथ वे पुष्पा में दिखी थीं और इसी फिल्म से उनके फिल्मी करियर को उड़ान मिली. बीते साल रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल में गीतांजली की भूमिका अदा कर रश्मिका मंदाना ने फैंस को दिलों को आसानी से जीत लिया. यही कमाल वह कुबेर फिल्म के जरिए भी करती दिख सकती हैं.

इंटरव्यू : निखिल नागेश भट

"सिनेमा हॉल में फिल्म देख कर गुस्सा उतर जाए तो बेहतर है"

निर्देशक निखिल नागेश भट की चर्चित फिल्म 'किल' रिलीज हो चुकी है. पिछले दिनों उन्होंने एक मीडिया हाउस को इंटरव्यू दिया जिसमें बिहार से अपने नाते की भी चर्चा की. पेश है इंटरव्यू का संपादित अंश...

Q. आपकी पिछली फिल्म 'अपूर्वा' एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में सीमित थी, किल भी ज्यादातर एक ट्रेन की कहानी है.

A. कह सकते हैं कि फिल्म 'किल' की कहानी एक चलती ट्रेन पर घटती कहानी है तो 'अपूर्वा' की कहानी भागती जिंदगी के बीच हुए एक हादसे की कहानी है. इन दोनों फिल्मों के बीच बस यही समानता है. वैसे दोनों फिल्मों का इतिहास, भूगोल, गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र सब अलग है.

Q. 'अपूर्वा' देखकर क्या आपने कभी अनुभव किया कि यह फिल्म और बेहतर हो सकती थी?

A. देखिए कोई फिल्म बनाएं या कोई किताब लिखे या फिर कोई पेंटिंग आदि तैयार करें, कभी कोई सृजन करने के बाद यह नहीं कह सकता कि यह सौ प्रतिशत मुक्कमल है, सम्पूर्ण है. मेरी फिल्म में भी एक दो खामियां हैं, जो मैंने महसूस की, कुछ लोगों ने भी मेरी कमियों की ओर संकेत किया. इन कमियों को मैंने समझा, गुना है. अब मेरी कोशिश रहेगी कि इन कमियों को मैं अपनी अगली फिल्म में दूर करूं और दर्शकों की अपेक्षाओं पर अधिक खरा उतर सकूं.

Q. फिल्म 'किल' में हिंसा की भरमार है, फिर भी दर्शकों का शुरुआती रुझान इस फिल्म को लेकर बहुत बेहतर है. क्या भारतीय दर्शकों को भी हिंसक एक्शन फिल्में पसंद आने लगी हैं?

A. हिंसा, क्रोध कोई नया चलन तो है नहीं. बच्चे

वीडियो गेम खेलकर अपने दिल की भड़ास निकालते हैं. बड़े यही काम सिनेमाहॉल में दूसरे तमाम दर्शकों के साथ करते हैं. हमारी भावनाएं यदि फिल्म देख कर निकल रही, तो इससे अच्छा और क्या है. अगर 'किल' या 'एनिमल' जैसी फिल्में इंसान के गुस्से को सिनेमाहॉल में निकाल देने में मदद कर रही हैं तो ऐसे लोग बाहर आकर बहुत सरलता से अपनी आगे की जिंदगी में बढ़ सकते हैं.

Q. फिल्म रांची से शुरू होती है, आप कहां के हैं?

A. मैं कुल से कोंकणस्थ ब्राह्मण हूं, हालांकि मेरा पालन पोषण बिहार में हुआ. सिंधिया राजघराने की मदद के लिए मराठों का जाना तो आपको याद ही होगा. वहां महाराष्ट्र से लड़ने गए तमाम मराठा परिवार फिर वहीं उत्तर भारत में ही बस गए. हमारा परिवार बिहारशरीफ में बसा. दादा मेरे वहां के नामी वकील रहे. पिताजी ने भी वकालत की. एक चाचा हमारे जज बने.

Q. बड़ा भाई भी शायद वकील है, फिर वकीलों के परिवार में ये फिल्ममेकर कैसे..?

A. कोशिश तो मैंने भी की थी वकील बनने की. उससे पहले घरवालों के दबाव में डॉक्टर बनने के लिए मेडिकल प्रवेश परीक्षाएं भी दी. नहीं सफल हुआ तो कॉमर्स से बीकॉम किया. एलएलबी भी दो साल पढ़ा. लेकिन फिल्म में दिल लगा ही नहीं. तब मॉस कॉम में दाखिला ले लिया. नोएडा में जी न्यूज की इंटर्नशिप की. लेकिन जब मैं मुंबई आया और एमटीवी से जुड़ा तो मुझे समझ आया कि मुझे जाना कहां है.

Q. करियर की शुरुआत अनुराग कश्यप की फिल्म 'ब्लैक फ्राइडे' से हुई है?

A. जी नहीं. उन दिनों मैं मिडडे में काम करता था और वहीं मुझे अंडरवर्ल्ड पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाने का मौका मिला. उसमें एक हिस्सा बबलू श्रीवास्तव के ऊपर भी था. हिंदी मेरी अच्छी थी तो मैंने इसकी पटकथा लिखी थी. फिर निर्देशन का आग्रह मिला. जहां तक फिल्म 'ब्लैक फ्राइडे' की बात है तो इसके निर्माता ही मेरे मिडडे में बॉस थे. जब तक मैं इस फिल्म से जुड़ा, तब तक ये फिल्म बन चुकी थी. मैंने और मेरे मित्र देबोलय ने तो बस इस फिल्म के ट्रेलर काटे थे और इसकी पैकेजिंग में थोड़ी-बहुत मदद की थी.

फिल्म समीक्षा : किल

जिंदगी से छूटती है जब रांची की प्रेमिका तो सफर में... दिखती है बस मार-काट

कमजोर दिल वाले इस फिल्म को नहीं देखें, अब तक की सबसे अधिक हिंसा वाली फिल्म... प्रमोशन के दौरान जिस फिल्म के बारे में कुछ ऐसे ही प्रचार प्रसार किए गए, वह फिल्म अब दर्शकों के सामने है और उसके दावे भी सच नजर आ रहे. फिल्म का अधिकांश हिस्सा मार-काट दिखाता है. कहानी पर अधिक और स्टार पर कम फोकस्ड है. फिल्म के पहले दस मिनट, जहां हीरो अपनी गर्लफ्रेंड की सगाई में पहुंच जाता है, उसके बाद आने वाले खूनी सीनों से इतने अलग हैं कि यह विश्वास करना मुश्किल होगा कि वे उसी फिल्म का हिस्सा हैं. फिल्म में केवल एक गाना है, जो अंत में दिखाई देता है. हिंसा की भरमार है और ज्यादातर ऐसी कि आप नजर फेर लें. 1 घंटे 55 मिनट की इस फिल्म में दर्शकों को नाम के अनुसार सिर्फ किल और किल ही परोसा जाता है. एक दृश्य में डकैतों के सरगना का बेटा फणी अमृत से पूछ बैठता है कि ऐसे कोई मारता है क्या बे? एक्शन फिल्म के शौकीन हैं तो आपके लिए इसे देखना रोमांचक हो सकता है.

मूवी रिव्यू

नाम : किल
रेटिंग : 3
कलाकार : लक्ष्य लालवानी, राघव जुयाल, तान्या मानिकताला, अभिषेक चौहान, आशीष विद्यार्थी, हर्ष छाया , अद्रिजा सिन्हा
निर्देशक : निखिल नागेश भट्ट
निर्माता : करण जौहर, गुनीत मोंगा
लेखक : निखिल नागेश भट्ट
कहां देखें : सिनेमाहॉल

▪ **रांची से खुलने वाली ट्रेन से शुरू होती कहानी**

एनएसजी कमांडो अमृत (लक्ष्य) को रांची में रहने वाली अपनी प्रेमिका तूलिका (तान्या मानिकतला) की सगाई की सूचना मिलती है और पता चलता है कि सगाई के बाद तूलिका दिल्ली पहुंचेगी. वह अमृत को दिल्ली बुलाती है, लेकिन तूलिका को भगाने के इरादे से अमृत अपने दोस्त विरेश (अभिषेक चौहान) के साथ रांची पहुंच जाता है. लेकिन तूलिका उसके साथ भागने से इंकार कर देती है. अगले दिन तूलिका अपने पिता बलदेव सिंह ठाकुर (हर्ष छाया), बहन आहना (अद्रिजा सिन्हा) और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ दिल्ली के लिए ट्रेन से यात्रा पर निकलती है. इसी ट्रेन के दूसरे कोच में अमृत और उसका दोस्त होता है. अगले स्टेशन पर करीब चार दर्जन बदमाश ट्रेन में डकैती के इरादे से चढ़ जाते हैं. वे जैमर से मोबाइल नेटवर्क बंद कर देते हैं. देखते ही देखते ट्रेन में हर तरफ खून और मासूम लोगों की लाशें नजर आती हैं. इसके विरोध में उतरते हैं अमृत और वीरेश. वे डकैतों को मारते हैं, लेकिन जान से नहीं. मारकाट के ये दृश्य भरपूर हैं लेकिन आश्चर्य होगा कि वे कहीं से भी ओवर नहीं लगते.

▪ **एक्टिंग और परफॉर्मेंस**

कमांडो अमृत के किरदार में लक्ष्य बेहद फिट नजर आते हैं. इमोशंस से एक्शन तक हर दृश्य में गहरे तक उतर कर किरदार से न्याय करते दिखते हैं. फानी के रूप में राघव जुयाल दर्शकों को बांधे रखते हैं. तान्या मानिकतला, आशीष विद्यार्थी, हर्ष छाया, अभिषेक चौहान, और अन्य एक्टर्स अपनी अदाकारी से कहानी को बढ़ाते हैं. फिल्म की रफ्तार, इसके एक्शन और इसका प्रेजंटेशन, सब दर्शकों को बांधे रखता है. एक्शन कोरियोग्राफी क्रूर और बैलेस्टिक है, जिसमें जॉन विक से लेकर द रेड: रिडेम्पशन तक का प्रभाव है. अमृत ट्रेन के तंग डिब्बों और संकरे स्पेस में जो एक्शन दृश्य करते हैं, वह देख कुछ पल को सांसे थमी रह सकती है. स्टंट का काम प्रभावशाली है, जिसमें एक्टर कुछ ऐसे सीन करते दिखाई दे रहे हैं, जिसे देखकर लगता है कि शरीर से हड्डियां बाहर आ जाएंगी. बेशक कुछ दृश्य ऐसे हैं जो कमजोर दिल वालों के देखना मुश्किल है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे भारतीय खिलाड़ियों से ऑनलाइन-ऑफलाइन बात की

टीम ओलंपिक को पीएम मोदी ने दिया विजय मंत्र

पीएम मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे खिलाड़ियों से की अपील

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक जा रहे भारतीय खिलाड़ियों को जीत हार का दबाव नहीं लेते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की सलाह देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें ओलंपिक की चकाचौंध में खोये बगैर अपना फोकस बनाये रखना है. प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे खिलाड़ियों से शुक्रवार को व्यक्तिगत और आनलाइन बातचीत में कहा, मेरी कोशिश रहती है कि खेल जगत से जुड़े देश के सितारों से मिलता रहूं, नयी चीजें जानता रहूं और उनके प्रयासों को समझता रहूं. सरकार के नाते व्यवस्था में कुछ बदलाव लाने हैं तो काम करता रहूं. मेरी कोशिश सभी से सीधे बात करने की होती है. उन्होंने कहा कि ओलंपिक की चकाचौंध में खोना नहीं है क्योंकि इससे फोकस हटता है और ना ही विरोधी को देखकर विचलित होना है. यह कद काठी का खेल नहीं है बल्कि कौशल का खेल है. विरोधी खिलाड़ी की कद काठी से विचलित हुए बिना अपनी प्रतिभा पर फोकस रखें और वही परिणाम दिलायेगा. बहुत से लोग सब कुछ जानते हुए भी परीक्षा में गड़बड़ कर देते हैं और उसका मूल कारण है कि परीक्षा पर ध्यान कम होता है और वह अच्छे अंक लाने के दबाव में रहते है. आप जीत हार की चिंता मत कीजिए, पदक आते हैं और नहीं भी आते. इसका दबाव मत लीजिए लेकिन अपना शत प्रतिशत दीजिए. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारतीय खिलाड़ी पेरिस में पुराने तमाम रिकॉर्ड तोड़कर देश के लिए गौरव लेकर आयेंगे. आप अपनी तपस्या से इस स्थान तक पहुंचे हैं. अब देश को खेल के मैदान पर कुछ देने का मौका है. खेल के मैदान में अपना सर्वश्रेष्ठ देने वाला देश के लिए गौरव लेकर आता है. मुझे विश्वास है कि इस बार पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़कर हमारे खिलाड़ी आयेंगे. उन्होंने कहा कि वह ओलंपिक से लौटने के बाद खिलाड़ियों के स्वागत का इंतजार करेंगे. मैं आपका फिर से इंतजार करूंगा, जब आप 11 अगस्त को ओलंपिक खत्म होने के बाद लौटेंगे. मैं कोशिश करूंगा कि 15 अगस्त को लालकिले पर होने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में आप मौजूद रहें ताकि देश आपको देख सके क्योंकि जीत हार तो अलग लेकिन ओलंपिक खेलने जाना ही बहुत बड़ी बात है. उन्होंने खिलाड़ियों से अपनी नींद का पूरा ध्यान रखने के लिए भी कहा. प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, गोलकीपर पी आर श्रीजेश , तीरंदाज दीपिका कुमारी, पहलवान अंतिम पंघाल, निशानेबाज मनु भाकर, रमिता जिंदल, चौदह वर्ष की तैराक धिनिधि देसिंघु के अलावा आनलाइन जुड़ने वालों में ओलंपिक और विश्व चैंपियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और मुक्केबाज निकहत जरीन समेत लगभग 90 खिलाड़ी शामिल थे. पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेले जाएं. भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टोक्यो ओलंपिक में रहा है.

- चकाचौंध में खोना नहीं, दबाव लिये बिना खेलना है
- यह कद काठी का खेल नहीं है,बल्कि कौशल का खेल है
- जीत- हार की चिंता मत कीजिए, अपना शत-प्रतिशत दीजिए

प्रधानमंत्री मोदी ने नीरज चोपड़ा से कहा

तुम्हारी मां के हाथ का चूरमा खाना है...

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे नीरज चोपड़ा से मजाकिया अंदाज में कहा कि उसने अभी तक चूरमा भेजा नहीं. इस पर ओलंपिक और विश्व चैंपियन भालाफेंक स्टार ने इस बार उन्हें चूरमा खिलाने का वादा किया. प्रधानमंत्री मोदी ने इस महीने के आखिर में हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिये जा रहे खिलाड़ियों से व्यक्तिगत और ऑनलाइन बातचीत के दौरान नीरज से चूरमे की फरमाइश की तो एथलीट प्रियंका गोस्वामी से पूछा कि वह ओलंपिक में अपने बालकृष्ण को साथ ले जा रही है या नहीं. ऑनलाइन बातचीत में जुड़े नीरज से चुटकी लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, चूरमा आया नहीं तेरा अभी तक. इस पर सकुचाते हुए नीरज ने कहा, सर चूरमा लेकर आएंगे इस बार. पिछली बार दिल्ली में चीनी वाला चूरमा था लेकिन आपको हरियाणा का देसी घी और गुड़ का चूरमा खिलाएंगे. प्रधानमंत्री ने इस पर कहा, मुझे तो तेरी मां के हाथ का चूरमा खाना है. पिछली बार टोक्यो ओलंपिक से लौटने के बाद खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए मोदी ने अपने आवास पर चोपड़ा को चूरमा और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू आइसक्रीम खिलाई थी. रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू ने कहा कि यह उनका तीसरा ओलंपिक है और रजत व कांस्य जीतने के बाद अब मकसद पदक का रंग बदलना है. स्विटजरलैंड में अभ्यास कर रही पैदलचाल खिलाड़ी प्रियंका गोस्वामी से प्रधानमंत्री ने पूछा कि इस बार भी बालकृष्ण को लेकर जा रही हो ना. इस पर गोस्वामी ने कहा, जी हां । यह उनका भी दूसरा ओलंपिक है. गोस्वामी ने राष्ट्रमंडल खेलों में 10000 मीटर पैदल चाल में रजत पदक जीतने के बाद पदक लेते समय हाथ में लड्डू गोपाल की मूर्ति ले रखी थी और अपना पदक भी उन्हें समर्पित किया था. चौथी बार जा ओलंपिक जा रही तीरंदाज दीपिका कुमारी से उन्होंने पूछा कि पहली बार ओलंपिक खेलने वालों को क्या संदेश देंगी.

2036 का दावा मजबूत करेंगे आपके अनुभव

नयी दिल्ली। ओलंपिक 2036 की मेजबानी की भारत की दावेदारी कामयाब रहने को लेकर आश्वस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे खिलाड़ियों से इस दावे को मजबूत करने के लिये पेरिस में व्यवस्थाओं का अनुभव साझा करने का आग्रह किया. प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे खिलाड़ियों से व्यक्तिगत और ऑनलाइन बातचीत में कहा कि उनके द्वारा साझा की जाने वाली जानकारी 2036 ओलंपिक की मेजबानी का दावा मजबूत करने में काम आएगी. प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की कोशिश है कि हम 2036 में ओलंपिक की मेजबानी करें. इससे भी बड़ा माहौल बनता है और हम प्रयास कर रहे हैं. बुनियादी ढांचा तैयार करने पर विशेषज्ञ काम कर रहे हैं. मैं ओलंपिक से पहले नहीं लेकिन बाद में वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेने का आपसे आग्रह करूंगा. आप लोग भी खेल के बाद वहां व्यवस्थाएं क्या हैं, उसे देखें. खिलाड़ियों से जो इनपुट मिलेगा, वह 2036 के लिए काम आएगा. आप यह देखकर आएंगे तो हमें बहुत सुविधा होगी. प्रधानमंत्री मोदी की खिलाड़ियों से बातचीत का पूरा वीडियो उनके कार्यालय से शुक्रवार को जारी किया गया. बातचीत में खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा भी मौजूद थे. भारत ने ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा बार-बार जताई है जिसे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक का भी समर्थन मिला है. भारत की राह हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि कतर और सऊदी अरब भी दौड़ में हो सकते हैं. ओलंपिक 2036 के मेजबान का फैसला अगले साल आईओसी के चुनाव से पहले आने की संभावना नहीं है जिसमें नया अध्यक्ष चुना जाएगा.

एशियाई युगल स्क्वाश के पहले दिन जीते अभय सिंह

नयी दिल्ली। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने मलेशिया के जोहोर में चल रही एशियाई युगल स्क्वाश चैंपियनशिप के पहले दिन भारतीय चुनौती की अगुवाई करते हुए अपने दोनों वर्गों में जीत दर्ज की. अभय और वेलावन सेंथिलकुमार ने फिलीपीन के डेविड पेलिनो और रेमार्क बेगोर्निया को पुरुष युगल में 2 . 0 से हराया. वहीं अभय और जोशना चिनप्पा ने मिश्रित युगल में फिलीपीन के वोन्ने डालिडा व बेगोर्निया को हराया.

प्रज्ञानानंदा ने कारूआना को ड्रॉ पर रोक दिया

बुकारेस्ट (रोमानिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना से ड्रॉ खेला जबकि विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने नीदरलैंड के अनीश गिरि से बाजी बराबरी पर खत्म की. चौथी बार एक भी मुकाबले का नतीजा नहीं निकला और सभी बाजियां ड्रॉ रही. कारूआना ने दस खिलाड़ियों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में आधा अंक की बढ़त बना रखी है.

महाराष्ट्र सरकार ने टीम इंडिया को किया सम्मानित

भाषा। मुंबई

भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुआई में टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने के बाद शुक्रवार को कप्तान रोहित शर्मा को महाराष्ट्र सरकार ने सम्मानित किया. महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, यशस्वी जायसवाल को मिलने के लिए बुलाया और उन्हें सम्मानित किया। सीएम शिंदे न रोहित शर्मा को शॉल और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट की. रोहित शर्मा ने महाराष्ट्र विधान सभा में नेता पक्ष और विपक्ष को संबोधित किया और सीएम शिंदे का आभार व्यक्त किया. रोहित शर्मा ने इस दौरान कहा कि सूर्यकुमार यादव ने बताया कि गेंद उसके हाथ में फंस गई थी, भगवान का शुक्र है कि ऐसा हुआ, वरना मैं उसे पकड़ लेता. वहीं महाराष्ट्र सरकार ने टीम इंडिया की जीत के लिए 11 करोड़ रुपये इनाम के रूप में देने का ऐलान किया.

महाराष्ट्र पुलिस को धन्यवाद दिया : भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने खिलाड़ियों के भव्य स्वागत और खेल प्रशंसकों को संभालने के लिए इतनी अधिक संख्या में पुलिस की मौजूदगी से अभिभूत होकर शुक्रवार को यहां टी 20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम की विक्ट्री परेड के दौरान अभूतपूर्व काम करने के लिए मुंबई पुलिस को धन्यवाद दिया. मुंबई पुलिस ने खिलाड़ियों के स्वागत के लिए उमड़े जनसैलाब को व्यवस्थित ढंग से संभाला.

राजावत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में

कैलगरी (कनाडा)। भारत के उदीयमान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जापान के ताकुमा ओबायाशी को सीधे गेम में हराकर कनाडा ओपन एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. दुनिया के 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने 33वीं रैंकिंग वाले ओबायाशी को 38 मिनट में 21-19, 21-11 से हराया. अब उनका सामना डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से होगा. महिला युगल में तीसरी वरीयता प्राप्त त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई.उन्होंने डेनमार्क की नताशा एंथोनिसेन और नीदरलैंड की एलिसा टी को अंतिम 16 के मुकाबले में 17-21, 21-7, 21-8 से हराया. अब उनका सामना चीनी ताइपै की पेइ एस सियेह और एन जू हंग से होगा. अनुपमा उपाध्याय और तान्या हेमंत की जोड़ी दूसरे दौर में हार गई. पुरुष युगल में कृष्ण प्रसाद गारागा और के साई प्रतीक को भी पराजय का सामना करना पड़ा जबकि मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रूत्विका गाड्डे की जोड़ी हार गई.

आज से विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना पांच मैचों की टी20 शृंखला खेलेगी टीम इंडिया

जिंबाब्वे में नई शुरुआत करेगी भारत की युवा टीम

भाषा। हरारे

रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना की युवा ब्रिगेड जिंबाब्वे के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 शृंखला में उतरेगी तो इस प्रारूप में यह भारतीय क्रिकेट के नये दौर का सूत्रपात भी होगा. भारत में टी20 विश्व कप की जीत के सतत जारी जश्न के बीच शुभमन गिल की कप्तानी वाली आईपीएल सितारों से सजी यह युवा टीम जीत का अपना सिलसिला शुरू करना चाहेगी. आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले पंजाब के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले असम के रियान पराग इस शृंखला के जरिये पदार्पण करेंगे. पिछले कुछ साल में रोहित और कोहली टी20 क्रिकेट में कई द्विपक्षीय शृंखलाओं से बाहर रहे हैं. अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दोनों के संन्यास के बाद उनकी कमी जरूर खलेगी. इसकी भरपाई करना तो मुश्किल है लेकिन फिर परिवर्तन संसार का नियम है. जिंबाब्वे मजबूत टीम नहीं है, लेकिन टी20 प्रारूप में दोनों टीमों के बीच बहुत गहरा अंतर नहीं है. आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले सिकंदर रजा भारत के लिए चुनौती साबित हो सकते हैं. शिवम दुबे, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल तीसरे मैच से ही उपलब्ध होंगे. भारत के भावी टी20 कप्तान हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव भी भविष्य में इस प्रारूप में लौटेंगे लिहाजा अंतिम एकादश में ज्यादा जगह खाली नहीं है. अब से 2026 टी20 विश्व कप तक भारतीय टीम इस प्रारूप में 34 मैच खेलेगी. कप्तान गिल पारी का आगाज करेंगे और देखना होगा कि उनके अजीज दोस्त अभिषेक शर्मा को पदार्पण का मौका मिलता है या चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ खेलते हैं. अभिषेक पारी की शुरुआत करते हैं तो गायकवाड़ तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं. पराग चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं. लिहाजा उनके चयन की संभावना अधिक है. टी20 क्रिकेट के आक्रामक फिनिशर रिंकू सिंह पांचवें नंबर पर उतर सकते हैं.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत (पहले दो मैचों के लिए) : शुभमन गिल (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साइ सुदर्शन, जितेश शर्मा, हर्षित राणा.

जिंबाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाइ चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया, क्लाइव एम, वेसली मेदेवेरे, टी मारूमानी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्रेंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डियोन मायर्स , एंटम नकवी, रिचर्ड एंगारावा, मिल्टन शुम्बा.

मैच का समय : शाम 4. 30 से.

कोपा कप — अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराया

अर्जेंटीना की टीम लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में

एजेंसी। न्यू जर्सी

कोपा अमेरिका कप में अर्जेंटीना की टीम ने लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में जगह बना ली है. क्वार्टर फाइनल मैच में अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराया. अर्जेंटीना का सेमीफाइनल में वेनेजुएला बनाम कनाडा मैच के विजेता से शुक्रवार को मुकाबला होगा, जो नौ जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा.

एनआरजी स्टेडियम पर मौजूदा चैंपियन के कब्जे के बावजूद, इक्वाडोर अधिक खतरनाक था, मैच के पहले तीन शॉट्स में, जिसमें सरमिएंटो शॉट पर एमिलियानो मार्टिनेज द्वारा महत्वपूर्ण बचाव भी शामिल था. अर्जेंटीना के लिए पहला अच्छा मौका एंज़ो फर्नांडीज के माध्यम से आया. एक हेडर और एक पलटवार के बाद एक कॉर्नर मिला. मेसी के कार्नर से, मैक एलिस्टर के बाद लिसेंड्रो मार्टिनेज का दूसरा हेडर, अलेक्जेंडर डोमिंगुएज़ ने बचा लिया लेकिन गेंद पहले ही गोल रेखा पार कर चुकी थी.पहले हाफ के अंतिम मिनटों में, निकोलस गोंजालेज के एक प्रयास ने एल्बीसेलेस्टे को दूसरे गोल का मौका दिया, लेकिन इक्वाडोर की रक्षा फिर से संगठित होने और खतरे को बेअसर करने में कामयाब रही. स्कालोनी की टीम मध्यांतर के बाद 1-0 की बढ़त के साथ उतरी. दूसरे हाफ की शुरुआत धीमी गति से हुई लेकिन मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा. 55वें मिनट में डिबू मार्टिनेज की लंबी गेंद के बाद लुटारो मार्टिनेज ने मौका बनाया. टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर ने इसे अपनी छाती से नियंत्रित किया, मुड़े और डोमिंगुएज़ के गोल के ठीक सामने बाएं पैर से शॉट लगाने से चूक गया.

इक्वाडोर ने अपने खेल से अर्जेंटीना को परेशान कर दिया और रोड्रिगो डी पॉल के हैंडबॉल के बाद पेनल्टी अर्जित की, लेकिन एनर वालेंसिया का शॉट पोस्ट से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना ने जश्न मनाया. फेलिक्स सांचेज़ की टीम आगे बढ़ी लेकिन स्टॉपेज टाइम तक स्पष्ट मौके बनाने में विफल रही जब येबोआ के क्रॉस पर केविन रोड्रिग्ज के हेडर ने मैच 1-1 से बराबर कर दिया, अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका में इस तरह अपना पहला गोल खाया. पेनल्टी शूटआउट में, मेसी ने क्रॉसबार को हिट किया, लेकिन डिबू मार्टिनेज ने मेना और मिंडा के शॉट बचा लिए. जूलियन अल्वारेज़ ने गोल करके अर्जेंटीना का आगे बढ़ना सुनिश्चित किया.

क्रिकेट की जीत पर गर्व

अब हमारी बारी : हरमनप्रीत

भाषा। बेंगलुरू

टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की शानदार जीत पर भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह को गर्व है और उनका वादा है कि पेरिस ओलंपिक में उनकी टीम भी देशवासियों को फिर इसी तरह से जश्न मनाने का मौका देगी. रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी खिताब के लिए 11 साल का इंतजार खत्म करते हुए बारबडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप जीता. चैंपियन टीम का स्वदेश लौटने पर पलक पांवड़े बिछाकर अभूतपूर्व स्वागत किया गया.

इस महीने के आखिर में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए शिविर में मसरूफ भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा, एक खिलाड़ी होने के नाते बड़े टूर्नामेंट में जाना और अच्छा प्रदर्शन करके विश्व कप जीतना, उससे बड़ी कोई बात नहीं है. पूरा देश आपके साथ झूम रहा है. इससे बड़ी गर्व की बात क्या हो सकती है. बतौर कप्तान पहला लेकिन करियर का तीसरा ओलंपिक खेलने जा रहे 28 वर्ष के इस ड्रैग फ्लिकर ने कहा, हमारी भी यही कोशिश है कि ओलंपिक जाकर पदक जीते और स्वर्ण पदक जीतकर देशवासियों को यही खुशी फिर से दें. देश के साथ इन पलों को हम भी जियें. मेरे लिये इससे बड़ी गर्व की बात नहीं होगी.

उन्होंने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल हारने के बाद उन्होंने टी20 विश्व कप जीता जो बहुत बड़ी बात है. रोहित का भी काफी लंबा सफर रहा है और उन्होंने कई उतार चढ़ाव देखे हैं. पूरे देश को और हमें भी उन पर गर्व है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चंद्रमा अस्त है, ज्यादा मेहनत और लाभ कम होगा, पर मेहनत तो करनी ही होगी. धन का आगमन सामान्य होगा. साथ ही यात्रा में सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद-विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें.

वृषभ राहु चंद्रमा का योग शैय्या सुख बाधित करता है. साथ ही खर्च में वृद्धि होगी. विरोधी हार मानेंगे. पर बहुत जल्दी आय के द्वार भी खुल रहे हैं. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. निवेशादि लाभ देंगे.

मिथुन आय के लिए दिन ठीक है, पर जल्द बाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे. सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे. धन लाभ होगा. कुछ धर्म और सत्कर्म भी किया विवाद से बचें.

कर्क समय बहुत ही उत्तम है. अधिक धन भी उन्माद का कारण बनता है. इस बात का ध्यान रखें. कर्म और भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. पराक्रम से वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा.

सिंह अभी कर्म और भाग्य में भाग्य प्रबल है. तो इसका लाभ लेने से नहीं चुकें. क्योंकि भाग्य के बल से कार्य होगा. कोशिश करने से कार्य बनेंगे. परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी, किसी वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या समय को बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है. थोड़ी दिक्क्त है, पर थोड़े समय के लिए. कोई कार्य करने या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. रोजगार की प्राप्ति हो सकती है. की गयी छोटी यात्रा शुभ रहेगी.

तुला व्यापार में खुलकर सामने आने का समय है. जीवनसाथी के चलते प्रतिष्ठा बढ़ेगी. परिवार का सुख सहयोग मिलेगा. निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार की प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. कार्य होगा, पर दूसरों की देखादेखी नहीं करें.

वृश्चिक समय सामान्य है. नेत्र रोग से बचें. खान पान पर विशेष ध्यान रखें. रोग शत्रु से बचें. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. यदि कोई छोटी यात्रा हो तो यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा.

धनु क्रोध से बचें. खास कर बच्चों से विशेष प्रेम करें. शिक्षा में सुधार होगा, पर ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है. निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है. इसका लाभ आगे मिलेगा.

मकर रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. पर इसके लिए विशेष प्रयास करना होगा. यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा.कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. पराक्रम सिद्ध करने का समय है.

कुंभ आसपास के लोगों से विवाद भी होगा. कार्य करें, पर सजग रहें. राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. नोकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी. आपके कार्य और प्रभाव से रुके हुए काम बन सकते है.

मीन भाई का सहयोग मिलेगा. धर्म मे ब्यय होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. निवेशादि लाभ देंगे. कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें. कुछ हानि हो सकती है. मंदिर में दूध का दान करें.

विमुक्त हुए सभी सांसद प्रतिनिधि

रांची। 17वीं लोकसभा के दौरान सांसद संजय सेठ ने रांची जिला के रांची, हटिया, कांके, सिल्ली, ईचागढ़ व खिजरी विधानसभा क्षेत्र के लिए वर्ष 2019- 24 के लिए मनोनीत सांसद प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस मनोनय को शुक्रवार को भंग कर दिया गया है. इसलिए आज से सभी मनोनीत सांसद प्रतिनिधि पद से विमुक्त माना जाएगा. इसकी सूचना रांची और सरायकेला के उपायुक्त को पत्र के माध्यम से दे दी गई है. मंत्री संजय सेठ ने सभी प्रतिनिधियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि 5 साल सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में मेरे प्रतिनिधि के रूप में जनता की समस्याओं के समाधान के लिए काम किया. इन सभी प्रतिनिधियों का धन्यवाद.

एक इंजीनियर का तबादला, एक को प्रमोशन

रांची। ऊर्जा विभाग में एक इंजीनियर का तबादला और एक इंजीनियर को प्रमोशन दिया गया है. इसको लेकर ऊर्जा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है. विद्युत कार्यपालक अभियंता, (मूल कोटी कार्यपालक अभियंता) वर्तमान में पदास्थापन सहायक विद्युत अभियंता विद्युत कार्य अवर प्रमंडल धुर्वा और अतिरिक्त प्रभार विद्युत निरीक्षक रांची को कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्य प्रमंडल रांची में पदस्थापित किया गया है. जबकि प्रफुल्ल कुमार गुप्ता सहायक विद्युत अभियंता विद्युत कार्य अवर प्रमंडल धनबाद को कार्यपालक अभियंता के पद पर प्रमोशन करते हुए विद्युत निरीक्षक, रांची निरीक्षणालय में पदास्थापित किया गया है.

डीसी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभागार में शुक्रवार को आत्मा शासकीय निकाय और जिला स्तरीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 में आत्मा और खाद्य और पोषण सुरक्षा योजना के तहत किये गये कार्यों की समीक्षा की गई. इस दौरान आत्मा द्वारा कराये गये कार्यों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया. इस दौरान उपायुक्त ने केवीके के वैज्ञानिक एवं प्रगतिशील किसानों से खेती में उत्पादन एवं रबी फसलों के अच्छादन संबंधी सलाह मांगी.

12 राज्यों में प्रभारी और सह प्रभारियों की हुई नियुक्ति

लक्ष्मीकांत वाजपेयी फिर बनाए गए झारखंड भाजपा के प्रभारी

विशेष संवाददाता। रांची

लक्ष्मीकांत वाजपेयी को फिर से भाजपा का झारखंड प्रभारी बनाया गया है. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने झारखंड सहित विभिन्न प्रदेशों में प्रदेश प्रभारी व सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है. पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह के हस्ताक्षर से इसकी अधिसूचना जारी की गयी है.

झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रभारी और सह प्रभारी हो चुके हैं नियुक्त :

झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी में भाजपा जुट गयी है. लक्ष्मीकांत वाजपेयी को झारखंड प्रभारी नियुक्त करने से पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को झारखंड विधानसभा चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया, वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा को सह प्रभारी नियुक्त किया है. वे लगातार झारखंड का दौरा भी कर रहे हैं. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को रामगढ दौरे पर हैं. रामगढ़ में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कई दिशा-निर्देश दिया.

लक्ष्मीकांत वाजपेयी : संक्षिप्त परिचय

20 जुलाई 1951 को मेरठ में जन्मे लक्ष्मीकांत वाजपेयी को भाजपा ने एक बार फिर से झारखंड का प्रभारी बनाया है. 1977 में भाजपा के युवा मोर्चा के युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया था. 1980 से 1987 तक वे मेरठ जिला भाजपा के महासचिव पद पर रहे. 1984 से 1986 तक यूपी में भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष पद पर रहे. वे मेरठ से चार बार विधायक रह चुके हैं. 2012 से 2014 तक वे यूपी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं.

राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश बिहार भाजपा के सह प्रभारी बने

पार्टी ने बिहार में विनोद तावड़े को प्रदेश प्रभारी बनाया है. वहीं दीपक प्रकाश को सह प्रभारी बनाया गया है. पंजाब में पार्टी ने विजयभाई रूपानी को प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है. जबकि डॉ. नरिंदर सिंह को सह प्रभारी बनाया है. डॉ. सतीश पुनिया को हरियाणा का प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी सुरेंद्र सिंह नागर को बनाया है. वहीं पार्टी ने प्रकाश जावड़ेकर को केरल का प्रभारी नियुक्त किया है जबकि अपराजिता सारंगी को सह प्रभारी नियुक्त किया है.

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे रामगढ़

झारखंड को लूटने के लिए सत्ता का भूखा है शिबू सोरेन परिवार: चौहान

संवाददाता। रामगढ़

केंद्रीय कृषि मंत्री सह झारखंड भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को रामगढ़ पहुंचे. इस दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पार्टी कार्यलाय परिसर में पौधरोपण भी किया. केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर भाजपाइयों में खासा उत्साह नजर आया. इसके बाद रामगढ़ जिला कार्यालय में बैठक कर विधानसभा चुनाव की तैयारी के संबंध में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा की. बैठक में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को कई दिशा निर्देश दिए.

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह आपने संबोधन में कहा कि मेरा सौभाग्य है कि झारखंड की इस पवित्र धरा पर आने का अवसर मिला. आज मैं रामगढ़ में हूं, मां छिन्नमस्तिका के चरणों में प्रणाम करता हूं. जो हालात मैंने यहां देखें हैं, जो कार्यकर्ताओं ने मुझे बताया है, पूरा झारखंड बेहाल है. ऐसी लूट, बालू की लूट, खनिज की लूट, संसाधनों की लूट, सरकारी योजनाओं में लूट, जिसे देखकर मन तकलीफ से भर जाता है. ये गठबंधन की सरकार झारखंड को तबाह और बर्बाद कर रही है.

सिंह ने कहा ये ऐसी सरकार है जिसने एक भी वादा नहीं निभाया. बेरोजगारों को नौकरी का आता-पता नहीं, पेपर लीक में उनका भविष्य तबाह कर दिया है. बेरोजगारी भत्ता दिया नहीं, लोगों को 6 महीने से पेंशन नहीं मिली. योजनाओं की घोषणा होती है लेकिन लाभ नहीं. किसान परेशान है, उसे बिजली नहीं मिल रही, मुश्किल से 6- 7 घंटे बिजली आती है और जैसी घुसपैठ झारखंड की पवित्र धरती पर हो रही है उसके कारण झारखंड का भविष्य इस सरकार ने अंधकारमय कर दिया है. इसलिए भारतीय जनता पार्टी इस कुशासन का अंत करेगी और सुशासन फिर से झारखंड में स्थापित करेगी. इसके लिए कार्यकर्ता ही मेहनत करता है. यह भारतीय जनता पार्टी नेताओं की नहीं कार्यकर्ताओं की पार्टी है.

पौधरोपण कर पानी डालते चौहान.

- रामगढ़ जिला भाजपा की विशेष बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह हुए शामिल
- बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव तैयारी की समीक्षा
- कार्यकर्ता ही पार्टी के प्राण हैं और मैं इनकी हर हाल में रक्षा करूंगा : शिवराज सिंह चौहान

चंपाई सोरेन का आखिर क्या दोष

कृषि मंत्री ने कहा कि चंपाई सोरेन जी का दोष क्या था, कोई यह तो बता दे. उनको पहले सीएम बनाया गया, फिर ऐसे हटा दिया गया उस आदिवासी नेता को. अरे जिसको आपने बनाया उसे कुछ दिन सहन कर लेते, लेकिन सत्ता की भूख ऐसी है कि एक परिवार के अलावा कोई दूसरा ना आ जाए. यह चंपाई जी का अपमान है.

2024 का विधानसभा चुनाव नहीं जीते तो झारखंड भी बंगाल बन जाएगा : मनीष जायसवाल

रामगढ़ जिला कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता व स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता ने किया. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल, प्रदेश प्रवक्ता अविनेश सिंह, जिला प्रभारी शशिभूषण भगत शामिल हुए. कार्यक्रम का मंच संचालन महामंत्री रंजन फौजी व धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री खिरोधर साहू ने किया. बैठक को संबोधित करते हुए हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जयसवाल ने अपनी जीत के लिए कार्यकर्ताओं का आभार जताया और बताया की देश के चुनिंदे नेताओं में शुमार शिवराज सिंह चौहान का चुनाव प्रभारी बनकर हमारे बीच आना ही हमारी उपलब्धि है. साथ ही लोकसभा चुनाव की तरह हीं विधानसभा चुनाव को भी हमें एक चैलेंज के रूप के लेना है और मामा के अनुभवों से हम प्रेरणा लेते हुए झारखंड विधानसभा में भी जीत का परचम लहराएंगे. उन्होंने बंगाल में उत्पन्न परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा की अगर आगामी विधानसभा में झारखंड में भाजपा की सरकार नही बनती है तो झारखंड को भी बंगाल बनने से कोई रोक नहीं सकता .बैठक में मुख्य रूप से जिला के नेता रंजीत कुमार सिन्हा, रामगढ़ विधानसभा में पूर्व भाजपा प्रत्याशी रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू, अमरेंद्र गुप्ता, चंदशेखर चौधरी, डॉ. संजय कुमार सिंह, इलारानी पाठक, राजू चतुर्वेदी, बलराम महतो, सरिता ठाकुर, आनंद बेदिया, स्नेहलता चौधरी, अखिलेश प्रसाद, राजू कुशवाहा सहित मंडलों के महामंत्री व प्रमुख कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की उपस्थिति रही.

चालक को बाहर निकालते स्थानीय लोग.

ट्रेलर के धक्के से ऑटो चालक की हुई मौत, ट्रेलर चालक घायल हुआ

संवाददाता। रामगढ़

रांची-पटना मुख्यमार्ग पर चुटूपालू घाटी में शुक्रवार को एक अनियंत्रित ट्रेलर ऑटो को ठोकते हुए खाई में जा गिरा. इस हादसे में ऑटो चालक की मौत हो गई, जबकि ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार रांची की ओर से आ रहे स्पंज लदा ट्रेलर का अचानक चुटूपालू घाटी में ब्रेक फेल हो गया. ट्रेलर चालक बचते बचाते आगे जा रहे ऑटो को टक्कर मारते हुए मायाटुंगरी के पास खाई में जा गिरा. घटना के बाद ऑटो सड़क के बीचों बीच पलट गया. मृतक की पहचान रांची के कुम्हार टोला चुना भट्ठा निवासी 44 वर्षीय राजेश कुमार वर्णवाल पिता गिन्निलाल वर्णवाल के रूप में कई गई.

घटना के बाद ट्रेलर चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया. घटना की सूचना पाकर करीब एक घंटे बाद पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों और क्रेन की सहायता से घंटों मशक्कत के बाद उसे निकाला. घायल ड्राइवर का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी स्थिति ठीक बताई जा रही है.

भाजपा छह जुलाई को चलाएगी स्वच्छता अभियान

तालाबों की करेगी सफाई

संवाददाता। रांची

प्रदेश भाजपा की ओर से डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस 23 जून से छह जुलाई जयंती तक एक पेड़ मां के नाम अभियान एवं जल स्रोत सफाई अभियान चलाया जा रहा है. अब तक प्रदेश के सभी जिलों में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा हजारों की संख्या में फलदार एवं उपयोगी छायादार वृक्ष लगाए गए हैं. इसी क्रम में पार्टी द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर शनिवार को स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा. अरगोड़ा तालाब के सफाई कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, विधायक नवीन जायसवाल, राकेश भास्कर, सूरज चौरसिया, अरुण झा, शोभा यादव, उमेश साहू सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल होंगे. बड़ा तालाब रांची के सफाई कार्यक्रम में विधायक सीपी सिंह, महामंत्री मनोज सिंह, शिवपूजन पाठक शामिल होंगे. टाटी सिल्वे स्थित बड़ा तालाब की सफाई में प्रदेश महामंत्री एवं सांसद प्रदीप वर्मा सुरेंद्र महतो, खिजरी में आरती कुजूर, नगड़ी में शशांक राज शामिल होंगे.

शिवराज सिंह चौहान से मिले जदयू प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो

संवाददाता। रांची

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने भारत सरकार के कृषि मंत्री और प्रदेश भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान से शुक्रवार को मुलाकात की. उनके साथ पार्टी के प्रदेश महासचिव भगवान सिंह, उपेंद्र सिंह और प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने भी उनसे मुलाकात की. खीरू महतो और शिवराज सिंह के बीच आगामी विधानसभा चुनाव और प्रदेश में एनडीए घटक दलों के साथ बेहतर समन्वय पर चर्चा हुई. महतो ने शिवराज सिंह को अंगवस्त्र से सम्मानित किया.

पेज एक का शेष

शायद हेमंत मुजरिम नहीं...

और जो केस हेमंत सोरेन के खिलाफ बनाया गया, उसमें जज ने साफ तौर पर कह दिया है कि जो ब्रॉड पॉसिबिलिटी है, वह यह कि शायद हेमंत सोरेन इस केस में गिल्टी (दोषी) नहीं हैं. इसका जो पॉलिटकल मीनिंग होगा, वो मुझे नहीं मालूम. देश की राजनीति और राज्य की राजनीति पर क्या असर होगा, वह मुझे नहीं मालूम. लेकिन कई महीनों से एक मुख्यमंत्री, जिसने गिरफ्तारी से पहले त्यागपत्र दे दिया, वह जेल में रहा. उसको तो चुनावों में प्रचार करने की भी अनुमति नहीं मिली. इस तरह हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन को एक बहुत बड़ा सर्टिफिकेट दिया है कि वह इस केस में शायद मुजरिम नहीं है. और बेल के दौरान वह इस तरह का कोई अपराध नहीं करेगा.

(नोटः यह लेख फैजान मुस्तफा की लीगल एवयरनेस वेब सीरिज की मदद से तैयार किया गया है. फैजान मुस्तफा, एक कानूनी विद्वान हैं और वह नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद के पूर्व कुलपति हैं.)

दीवार तोड़ कर 260 पेटी शराब की चोरी

लातेहार। शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र मे संचालित अंग्रेजी शराब दुकान मे बीती रात अज्ञात चोरो ने दुकान के पीछे हिस्से वाले शटर और दिवाल तोड कर 260 पेटी शराब की चोरी कर ली. जिसमे अंग्रेजी शराब के अलावा बीयर भी शामिल है. उत्पाद अधीक्षक रंजन तिवारी ने बताया कि बीती रात दुकान का प्रभारी कन्हाई प्रसाद निर्धारित समय कू बाद दुकान बंद कर घर चला गया. शुक्रवार की सुबह दस बजे जब वह दुकान खोला. सामने मे लगा शटर सही सलामत थी. दुकान मे प्रवेश किया तो देखा की दुकान के पिछले हिस्से का दिवाल टूटा हुआ था. अंग्रेजी शराब के दुकान के पीछे देशी शराब की दुकान चलती है. उन्होंने आगे बताया कि चोरो ने पहले देशी शराब के दुकान का शटर तोड़ा उसके बाद उससे सटे अंग्रेजी शराब दुकान के दिवाल को तोड कर शराब की पेटी की चोरी कर ली. उन्होने बताया कि चोरो ने शराब की पेटी को वाहनो मे लाद कर ले गये.

इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल का प्रस्ताव दोबारा नहीं लाने की मांग

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

विशेष संवाददाता। रांची

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर फेडरेशन (एआईपीइएफ) का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिला. इन्होंने एक ज्ञापन ऊर्जा मंत्री को सौंपा. फेडरेशन के सेक्रेटरी जनरल संजय सिंह ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से मांग की कि बिजली उपभोक्ताओं के हित को देखते हुए अब इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल का प्रस्ताव दोबारा नहीं लाया जाए. साथ ही कोयले के लगातार बढ़ रहे उत्पादन को हुए राज्यों के बिजली उत्पादन घरों को अनिवार्य रूप से कोयला आयात करने का निर्देश वापस लिया जाए. सिंह ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से केंद्रीय मंत्री से कहा गया है कि विगत कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल के जरिये इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 में संशोधन करने का प्रयास किया गया. इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल का मुख्य उद्देश्य यह था कि विद्युत वितरण के क्षेत्र में निजी घरानों को लाइसेंस दिया जाये और उन्हें सरकारी क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनियों के नेटवर्क के इस्तेमाल की इजाजत दी जाए. ज्ञापन में कहा गया है कि अर्बन वितरण फ्रेंचाइजी का प्रयोग महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और कुछ राज्यों में किया गया लेकिन यह प्रयोग विफल रहा. साथ ही अधिकतर अर्बन वितरण फ्रेंचाइजी के करार निरस्त किए जा चुके हैं. फेडरेशन ने कहा कि उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिले, इसके राज्यों की जेनरेशन कंपनियों को और सशक्त करना होगा. प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दूबे, सेक्रेटरी जनरल पी रत्नाकर राव, मुख्य संरक्षक पदमजीत सिंह, अजयपाल सिंह, प्रशांत चतुर्वेदी और एके जैन शामिल थे.

एआईपीइएफ के प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर.

अव्यवस्था के कारण बैठक का बहिष्कार

पलामू। मोहर्रम को लेकर मेदिनीनगर शहर थाना में आयोजित शांति समिति की बैठक अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई. व्यवस्थित तरीके से बैठक का आयोजन नहीं होने और मौके पर बड़े अधिकारियों और विभिन्न विभागों के पदाधिकारी की गैर मौजूदगी रहने के कारण बैठक का बहिष्कार किया गया. शुक्रवार की शाम पांच बजे से शहर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक रखी गई थी. बैठक के लिए थाना परिसर में पंडाल लगाया गया था, लेकिन दोपहर के समय बारिश होने के कारण पंडाल की व्यवस्था गड़बड़ा गई थी. टेबल क्लॉथ भींग गए थे. कोई साउंड सिस्टम नहीं लगा हुआ था. पंखा की भी व्यवस्था नहीं थी. निर्धारित समय पर हिंदू और मुस्लिम समाज के लोग बैठक में शामिल होने के लिए पहुंचे,

प्रतियोगिता

मुरहू में आयोजित तीन दिवसीय हॉकी प्रतियोगिता का हुआ समापन

हॉकी का हब बनेगा खूंटी, खिलाड़ियों को मिलेगी सुविधा

संवाददाता। खूंटी

मुरहू प्रखंड की रूमुतकेल पंचायत के सोकोय खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय हॉकी प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हो गया. समापन समारोह में स्थानीय सांसद कालीचरण मुंडा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. सांसद के सोकोय पहुंचते ही उनका पारंपरिक ढ़ंग से स्वागत किया गया. खेल के पूर्व सांसद ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खेल के प्रति उनका उत्साहवर्धन किया. प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि खेल हमें जीने के तरीके सिखाता है. इसके नियमों को अपने जीवन मे भी उतारना चाहिए. जिस तरह खिलाड़ी मैदान में अंतिम क्षण तक हार नहीं मानते, जीतने के लिए संघर्ष करते हैं, उसी प्रकार हमें अपने जीवन में भी जीत के लिए अंतिम समय तक संघर्ष करते रहना चाहिए. उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास भी होता है. प्रतियोगिता की भावन जागृत होती है. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों मे भी खेल संसाधनों की कमी के बावजूद खिलाड़ी जिस तरह खेल दिखाते है काबिले तारीफ है. शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य के लिए तन और मन को सौंदर्यता का बोध कराने की एक मजबूत कड़ी हैं. खेल को खेल भावना और अनुशासित होकर खेलना चाहिए. उन्होंने कहा कि खिलाड़ी खेल को हमेशा अनुशासन में रहकर खेलें. खेल में जीत या हार महत्वपूर्ण नही होता, खेल को खेल के भावना से खेलना महत्वपूर्ण होता है. सांसद ने कहा कि खूंटी के खिलाड़ियों में ऊर्जा की कोई कमी नहीं है. युवाओं में खेल प्रतिभा को निखारने के लिए में हर संभव प्रयास किया जाएगा. उन्होंने कहा, खेल को बढ़ावा देने के लिये सांसद निधि से कार्य करूंगा और खिलाड़ियों को मजबूत करूंगा.

विजयी टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित करते खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा.

ब्रीफ खबरें

पॉप गायक जस्टिन बीबर भारत पहुंचे

मुंबई। 'बेबी', 'सॉरी', 'लव योरसेल्फ' जैसे गानों के लिए मशहूर अंतरराष्ट्रीय पॉप गायक जस्टिन बीबर शुक्रवार सुबह लॉस एंजिलिस से मुंबई पहुंचे. बीबर यहां अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के विवाह समारोहों के तहत होने वाले संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे. बीबर इससे पहले 2017 में अपने पहले संगीत कार्यक्रम के लिए भारत आए थे. उन्हें शुक्रवार को स्थानीय पुलिस अधिकारियों और अपनी टीम के साथ मुंबई के कलीना हवाई अड्डे से बाहर निकलते देखा गया. बीबर ने गुलाबी टी-शर्ट, स्वेटपैंट और लाल टोपी पहनी हुई थी.

अमृतपाल व इंजीनियर रशीद ने ली शपथ

नयी दिल्ली। पैरोल पर जेल से बाहर आए कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह और कश्मीरी नेता शेख अब्दुल रशीद ने शुक्रवार को संसद भवन के अंदर और बाहर कड़ी सुरक्षा के बीच लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली. इंजीनियर रशीद के नाम से जाने जाने वाले रशीद गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं,जबकि सिंह राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत दर्ज मामले में असम के डिब्रूगढ़ की जेल में कैद हैं.

संजय सिंह संसदीय दल के अध्यक्ष नियुक्त

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को पार्टी के संसदीय दल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. इसके साथ ही उन्हें राज्यसभा में पार्टी का नेता भी चुना गया है. सिंह ने 'एक्स' पर कहा, ''दिल्ली के मुख्यमंत्री आदरणीय अरविंद केजरीवाल ने हमेशा (मुझे) सड़क से सदन तक आवाज़ बुलंद करने का अवसर दिया. पार्टी संसदीय दल के अध्यक्ष की जो ज़िम्मेदारी दी गई है उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा. इसके लिये अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का अत्यंत आभार.'

केजरीवाल की जमानत याचिका पर जवाब तलब

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से शुक्रवार को जवाब मांगा. न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने जमानत याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 जुलाई की तारीख निर्धारित की. केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता के भागने का खतरा नहीं है और न ही वह आतंकवादी हैं.

मोदी व पुतिन के बीच कई मुद्दों पर चर्चा होगी

नयी दिल्ली। आगामी शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस यात्रा से पहले विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच वार्ता के एजेंडे में क्षेत्रीय और वैश्विक हित के मुद्दे शामिल होंगे. उन्होंने यह भी कहा कि वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन तीन वर्षों के बाद हो रहा है और "हम इसे बहुत महत्व देते हैं." प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आठ और नौ जुलाई को रूस की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे.

आम चुनाव : कीर स्टार्मर को ऐतिहासिक जनादेश, कंजर्वेटिव पार्टी की 250 सीटों पर इतिहास की सबसे बुरी पराजय

ब्रिटेन में 14 साल बाद लेबर पार्टी की सरकार

परिवर्तन अब शुरू हुआ है और यह अच्छा लग रहा है. इस तरह का जनादेश एक बड़ी जिम्मेदारी का अहसास दिलाता है. हमारा काम इस देश को एक साथ रखने वाले विचारों को नवीनीकृत करने से कम नहीं है यानी राष्ट्रीय नवीनीकरण. आप जो भी हों, जीवन में जहां भी शुरुआत करें, अगर आप कड़ी मेहनत करते हैं, अगर आप नियमों का पालन करते हैं, तो इस देश को आपको आगे बढ़ने का उचित मौका देना चाहिए.' - **नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर**

आज शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से सत्ता परिवर्तन होगा और यह ऐसी चीज है जिससे हमें अपने देश की स्थिरता और भविष्य के प्रति विश्वास होना चाहिए. इन परिणामों से सीखने और विचार करने के लिए बहुत कुछ है. मुझे माफ कर दीजिए. वह आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की हार की 'जिम्मेदारी' लेते हुए पार्टी के नेता का पद छोड़ देंगे.' - **निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक**

प्रचंड जीत के बाद नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अपनी पत्नी के साथ. **प्रेट्र**

एजेंसी। लंदन

ब्रिटेन में चार जुलाई को हुए आम चुनाव में लेबर पार्टी की प्रचंड जीत के साथ 14 साल बाद सत्ता में वापसी हुई है. इस पर लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने कहा कि इस तरह का जनादेश एक बड़ी जिम्मेदारी का भी अहसास दिलाता है. निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए स्टार्मर को बधाई दी. सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को अब तक की सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ रहा है. हालांकि, ऋषि सुनक अपनी सीट से चुनाव जीत गए हैं. सुनक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद से औपचारिक रूप से इस्तीफा देने के लिए महाराजा चार्ल्स तृतीय से मिलने बकिंघम पैलेस पहुंचे. शुक्रवार को सुबह तक लेबर पार्टी ने 650 सदस्यीय सदन में बहुमत के लिए आवश्यक 326 सीटों पर जीत हासिल कर ली. स्टार्मर ने जीत के बाद यहां अपने संबोधन में कहा, 'परिवर्तन अब शुरू हुआ है और यह अच्छा लग रहा है. इस तरह का जनादेश एक बड़ी जिम्मेदारी का अहसास दिलाता है. हमारा काम इस देश को एक साथ रखने वाले विचारों को नवीनीकृत करने से कम नहीं है यानी राष्ट्रीय नवीनीकरण. आप जो भी हों, जीवन में जहां भी शुरुआत करें, अगर आप कड़ी मेहनत करते हैं, अगर आप नियमों का पालन करते हैं, तो इस देश को आपको आगे बढ़ने का उचित मौका देना चाहिए.'

पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और कई कैबिनेट मंत्री पराजित, ऋषि सुनक ने हार स्वीकार की

किंग चार्ल्स तृतीय से मिलने पहुंचे लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर. **प्रेट्र**

10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर पत्नी के साथ निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक.

लेबर सरकार में एफटीए में कुछ संशोधन संभव

नयी दिल्ली। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के सत्ता में आने के साथ ही उसके और भारत के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को मंजूरी मिलने की उम्मीद है, हालांकि इसमें मामूली बदलाव हो सकते हैं. आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह कहा. चुनाव नतीजों के बाद आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन जाएंगे. ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि लेबर पार्टी एफटीए के फायदों को पहचानेगी, क्योंकि इससे उच्च टैरिफ बाधाओं को दूर करते हुए तेजी से बढ़ते और बड़े भारतीय बाजार तक पहुंच मिलती है. जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने उम्मीद जताई कि लेबर पार्टी इस बात पर गौर करेगी कि भारत के साथ एफटीए ब्रिटेन के निर्यातकों को महत्वपूर्ण बढ़त देता है, जिससे भारत को उनका निर्यात बढ़ेगा. कहा, 'इसके प्रमाण के लिए, ऐतिहासिक उदाहरणों को देखा जा सकता है, जैसे भारत के साथ अपने-अपने एफटीए के बाद आसियान, जापान और दक्षिण कोरिया के निर्यात में लगातार सुधार हुआ.' लेबर पार्टी के सत्ता में आने पर, वह मामूली बदलाव के साथ एफटीए को मंजूरी दे सकती है.

मोदी ने लेबर पार्टी की जीत पर स्टार्मर को बधाई दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के आम चुनाव में जीत के लिए लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी तथा दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के साथ ही पारस्परिक विकास व समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक व रचनात्मक सहयोग की उम्मीद जताई. मोदी ने इसके साथ ही निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व की सराहना की और अपने कार्यकाल के दौरान भारत और ब्रिटेन के संबंधों को प्रगाढ़ करने में उनके 'सक्रिय योगदान' के प्रति आभार जताया. ब्रिटेन में चार जुलाई को हुए आम चुनाव में लेबर पार्टी ने बहुमत हासिल कर लिया है. आधिकारिक परिणामों से स्पष्ट है कि लेबर पार्टी अगली सरकार बनाएगी और स्टार्मर नए प्रधानमंत्री होंगे. प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'ब्रिटेन के आम चुनावों में उल्लेखनीय जीत पर कीर स्टार्मर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं.

आम चुनाव में कई ब्रिटिश भारतीयों ने छोड़ी छाप

लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर ने होलबोर्न एवं सेंट पैनक्रास सीट से जीत दर्ज की है. सुनक के मंत्रिमंडल में शामिल पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और कई कैबिनेट मंत्री पराजित हो गए. वहीं, भारतीय मूल की कंजर्वेटिव पार्टी उम्मीदवार शिवानी राजा ने लीसेस्टर ईस्ट निर्वाचन क्षेत्र में विजय प्राप्त की. अपनी सीट फिर से जीतने वाले अन्य प्रमुख ब्रिटिश भारतीय टोरी नेताओं में पूर्व गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन और प्रीति पटेल शामिल हैं. दूसरी तरफ, लेबर पार्टी की प्रीत कौर गिल और टी. ढेसी सहित कई भारतीय मूल के सांसद फिर से चुने गए, जिनमें से जस अठवाल और कनिष्क नारायण जैसे कुछ नए लोगों ने भी अपनी छाप छोड़ी.

इस बीच, ब्रिटेन में भारतीय मूल के प्रधानमंत्री सुनक ने उत्तरी इंग्लैंड में रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल की, लेकिन वह देश में 14 साल की सरकार के बाद अपनी पार्टी को दोबारा से जीत हासिल कराने में असफल रहे. उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को बृहस्पतिवार के आम चुनाव में 250 सीटों पर इतिहास की सबसे बुरी चुनावी हार का सामना करना पड़ा. सुनक ने कहा, 'लेबर पार्टी ने यह आम चुनाव जीत लिया है और मैंने सर कीर स्टार्मर को उनकी जीत पर बधाई देने के लिए फोन किया.' इस दौरान सुनक के साथ उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति भी मौजूद थीं.

उड़ीसा उच्च न्यायालय ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए व्यवस्था दी

किराये की कोख के जरिए मां बनने वाली महिलाओं को भी मातृत्व अवकाश का हक

एजेंसी। भुवनेश्वर

उड़ीसा उच्च न्यायालय ने हाल में व्यवस्था दी है कि किराये की कोख के जरिए मां बनने वाली महिला कर्मियों को वैसे ही मातृत्व अवकाश एवं अन्य लाभ पाने का अधिकार है जो प्राकृतिक रूप से बच्चे को जन्म देने वाली या बच्चा गोद लेकर मां बनने वाली महिलाओं को प्राप्त है. न्यायमूर्ति एस के पाणिग्रही की एकल पीठ ने 25 जून को ओडिशा वित्त सेवा की महिला अधिकारी सुप्रिया जेना की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह व्यवस्था दी. याचिकाकर्ता ने 2020 में यह याचिका दायर की थी. जेना किराये की कोख के जरिए मां बनीं लेकिन उन्हें ओडिशा सरकार में उनके उच्च अधिकारी ने 180 दिन का मातृत्व अवकाश देने से मना कर दिया. इसलिए उन्होंने सरकार के विरुद्ध उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया. उच्च न्यायालय ने कहा कि जिस तरह प्राकृतिक रूप से मां बनने वाली सरकारी कर्मियों को 180 दिन का अवकाश मिलता है, उसी तरह एक साल उम्र तक के बच्चे को गोद लेने वाली सरकारी कर्मियों को भी उसकी (बच्चे की) देखभाल के लिए 180 दिन की छुट्टी मिलती है. उच्च न्यायालय ने कहा कि लेकिन किराये की कोख के माध्यम से प्राप्त संतान की देखभाल के लिए मातृत्व अवकाश का प्रावधान नहीं है.

उच्च न्यायालय ने कहा, 'यदि सरकार गोद लेकर मां बनने वाली महिला को मातृत्व अवकाश दे सकती है तो उस माता को मातृत्व अवकाश से वंचित करना सर्वथा अनपयुक्त होगा, जिसे किराये की कोख देने वाली महिला के गर्भ में संतान पाने को इच्छुक दंपति के अंडाणु या शुक्राणु से तैयार भ्रूण के अधिरोपण के बाद इस प्रक्रिया से बच्चा मिला हो.' उच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी कि सभी नयी माताओं के प्रति समान बर्ताव एवं सहायता सुनिश्चित करने के लिए उन (महिला) कर्मियों को भी मातृत्व अवकाश दिया जाए, भले ही वह किसी भी तरह मां क्यों न बनी हों. उच्च न्यायालय ने कहा कि इन माताओं को मातृत्व अवकाश देने से यह सुनिश्चित होता है कि उनके पास अपने बच्चे के लिए स्थिर एवं प्यार भरा माहौल तैयार करने के लिए जरूरी वक्त होता है तथा जच्चा एवं बच्चा के कल्याण को बढ़ावा मिलता है. उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को इस आदेश की सूचना मिलने के तीन महीने के अंदर याचिकाकर्ता को 180 दिन का मातृत्व अवकाश प्रदान करने का निर्देश दिया.

समलैंगिक विवाह को मान्यता से इनकार के फैसले की समीक्षा पर विचार करेगा न्यायालय

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय 10 जुलाई को अपने पिछले साल के उस फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिकाओं पर विचार करेगा जिसमें समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया गया था. न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई 10 जुलाई की वाद सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ पिछले वर्ष 17 अक्टूबर के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाओं पर अपने कक्ष में विचार करेगी. परंपरा के अनुसार, पुनर्विचार याचिकाओं पर न्यायाधीशों द्वारा अपने कक्ष में विचार किया जाता है. प्रधान न्यायाधीश के अलावा पीठ के अन्य सदस्य न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति हिमा कोहली, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा होंगे. समलैंगिक अधिकार कार्यकर्ताओं को झटका देते हुए उच्चतम न्यायालय ने पिछले वर्ष 17 अक्टूबर को समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि कानून द्वारा मान्यता प्राप्त विवाहों को छोड़कर विवाह करने का कोई भी दूसरा तरीका विधिक तौर पर उचित नहीं है. इसके साथ ही न्यायालय ने कहा था कि इस बारे में कानून बनाने का काम संसद का है.

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट से मिले राहुल गांधी

- **सुनीं समस्याएं, दिया समाधान का आश्वासन**

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेन चालकों (लोको पायलट) से मुलाकात की. इस दौरान वह करीब 50 लोको पायलट से मिले. राहुल गांधी ने चालकों की समस्याएं सुनी और उन्हें मदद का आश्वासन दिया. चालकों ने राहुल गांधी से पर्याप्त आराम न मिलने की शिकायत की. कहा कि रिक्त पदों पर भर्ती नहीं होने से चालकों की कमी है, जिसकी वजह से रेल हादसे हो रहे हैं. चालकों की बातों को सुन राहुल गांधी ने उनकी बातों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया. इससे पहले गुरुवार को राहुल गांधी दिल्ली के जीटीबी नगर गए थे. उन्होंने वहां पर मजदूरों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी थी. राहुल गांधी शुक्रवार दोपहर साढ़े 12 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचे. यहां पर उन्होंने पूरे भारत से आए लगभग 50 लोको पायलटों से मुलाकात की. ट्रेन चालकों ने राहुल गांधी को अपनी समस्याएं बताईं.

भर्ती नहीं होने से लोको पायलट की भारी कमी

चालकों ने राहुल गांधी को बताया कि सरकार द्वारा लोको पायलट की सभी भर्तियों पर रोक लगाने के कारण कर्मचारियों की कमी है. ऐसे में उन्हें आराम नहीं मिल पाता है. बीते 4 साल में रेलवे भर्ती बोर्ड ने हजारों पद खाली होने के बावजूद एक भी लोको पायलट की भर्ती नहीं की. चालकों ने कहा कि यह जानबूझकर किया गया.

कुएं से कथित तौर पर जहरीली गैस रिसने से चार लोगों की हुई मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में शुक्रवार को कुएं से कथित तौर पर जहरीली गैस रिसने से पिता और पुत्री समेत चार लोगों की मौत हो गई है. पुलिस ने यह जानकारी दी. इसी तरह की एक अन्य घटना में राज्य के जांजगीर-चांपा जिले में आज पांच लोगों की मौत हो गई. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कोरबा जिले में कटघोरा थाना क्षेत्र के जुराली गांव में एक कुएं से कथित तौर पर जहरीली गैस का रिसाव होने के कारण जहरू पटेल (60), उनकी पुत्री सपीना पटेल (16), शिवचरण उर्फ कलीराम पटेल (45) और मनबोध पटेल (57) की मौत हो गई है. उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों के मुताबिक आज दोपहर काम करने के दौरान जहरू पटेल अचानक कुएं में गिर गये और यह पता चलने सपीना उन्हें बचाने के लिए कुएं में उतरी लेकिन दोनों ऊपर नहीं आ सके. अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद परिवार के दो अन्य सदस्य शिवचरण और मनबोध पिता-पुत्री को निकालने कुएं में उतरे लेकिन वे भी बाहर नहीं निकल पाये. उन्होंने बताया कि बाद में परिवार के सदस्यों ने पुलिस को इस घटना की जानकारी दी तब पुलिस दल मौके पर पहुंचा और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के दल को भी वहां भेजा गया.

उपलब्धि रक्षा मंत्री ने कहा-वर्ष 2023-24 में मूल्य के संदर्भ में स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अभी तक की सर्वाधिक वृद्धि

रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा

- वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का मूल्य 1,08,684 करोड़ रुपये था : राजनाथ

एजेंसी। नयी दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2023-24 में करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया तथा यह 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में एक और उपलब्धि है. वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का मूल्य 1,08,684 करोड़ रुपये था. सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए सरकार अधिक अनुकूल व्यवस्था बनाने को प्रतिबद्ध है. रक्षा मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, 'रक्षा मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार की नीतियों और पहलों के सफल कार्यान्वयन के आधार पर, 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए वित्त वर्ष 2023-24 में मूल्य के संदर्भ में स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अभी तक की सर्वाधिक वृद्धि हासिल की है.'

2023-24 में रक्षा निर्यात 32.5 प्रतिशत बढ़ा

रक्षा मंत्रालय ने कहा, '2023-24 में उत्पादन के कुल मूल्य (वीओपी) में से करीब 79.2 प्रतिशत योगदान डीपीएसयू/अन्य पीएसयू का और 20.8 प्रतिशत का योगदान निजी क्षेत्र का रहा.' मंत्रालय ने कहा यह उपलब्धि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए लाए गए नीतिगत सुधारों और पहलों तथा व्यापार सुगमता की वजह से हासिल हुई है. कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 32.5 प्रतिशत बढ़कर 21,083 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छू गया. यह गत वित्त वर्ष में 15,920 करोड़ रुपये था. बयान के अनुसार, (2019-20 से) पिछले पांच वर्षों में रक्षा उत्पादन का मूल्य लगातार बढ़ रहा है। इसमें 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है.

बयान में कहा गया, 'सभी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू), रक्षा सामग्री बनाने वाले अन्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और निजी कंपनियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में रक्षा उत्पादन का मूल्य रिकॉर्ड स्तर अर्थात 1,26,887 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. यह गत वित्त वर्ष के रक्षा उत्पादन की तुलना में 16.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है.' सिंह ने इस उपलब्धि के लिए रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों तथा रक्षा सामग्री बनाने वाले अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित भारतीय उद्योग व निजी उद्योग को बधाई दी.

भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा उत्पादन में वृद्धि पर शुक्रवार को कहा कि भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार एक सहायक वातावरण तैयार करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और इससे सुरक्षा तंत्र को तो मजबूती मिलेगी ही, यह देश को आत्मनिर्भर भी बनाएगा. प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से 'एक्स' पर पोस्ट की उस जानकारी पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही. प्रधानमंत्री ने कहा, 'बहुत उत्साहजनक घटनाक्रम. उन सभी को बधाई जिन्होंने इस उपलब्धि में योगदान दिया है.

मेधा पाटकर को सजा का लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान ने किया विरोध

शुभम संदेश नेटवर्क। दिल्ली

लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान के राष्ट्रीय संयोजक आनंद कुमार ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को साकेत कोर्ट के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा दोषी करार देकर 5 महीने के कारावास तथा 10 लाख रुपए की मुआवजा राशि- जुर्माना भरने की सजा का लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान तीव्र विरोध करता है. इस संदर्भ में कई संगठनों और समूहों के प्रतिनिधियों द्वारा राष्ट्रपति से सजा रद्द करने हेतु दी गयी सामूहिक अपील के साथ एकजुटता व्यक्त करता है. मेधा पाटकर को यह सजा बीके सक्सेना द्वारा 2001 में दर्ज मानहानि मामले में दी गई है. सक्सेना ने एक फर्जी मेल के आधार पर मेधा पाटकर के खिलाफ यह मामला दर्ज कराया था. वीके सक्सेना आज दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर हैं, लेकिन वे 1990 के दिनों में जेके सीमेंट और अडानी की संयुक्त परियोजना 'धोलेरा प्रोजेक्ट' के अधिकारी थे. उन्हीं दिनों से सक्सेना ने मेधा पाटकर के खिलाफ षडयंत्रपूर्ण मोर्चा बांध रखा है. 'मेधा पाटकर को फांसी दो', 'होलिका में मेधा पाटकर का दहन करो' जैसे वक्तव्य मीडिया में छपवाये. नर्मदा बचाओ आंदोलन को विदेशी पैसों से चलने वाली संस्था बता कर पीआईएल भी दाखिल की थी, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने जुलाई 2007 में प्राइवेट इंटरेस्ट लिटिगेशन घोषित करते हुए खारिज कर दिया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)